THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 292 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.13 2080 मंगलवार, 9 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

11 दोषी फिर जेल जाएंगे

बिलकिस गैंगरेप

गुजरात सरकार का रिहाई का फैसला गलत, 2 हफ्ते में सरेंडर करें-पीड़ित के घर जश्न : सुप्रीम कोर्ट

अहमदाबाद/नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में 2002 दंगों के दौरान बिलकिस बानो गैंगरेप के 11 दोषियों को समय से पहले जेल से रिहा करने के राज्य सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए कहा, सजा अपराध रोकने के लिए दी जाती है। पीड़ित की तकलीफ की भी चिंता करनी होगी।

बेंच ने कहा कि गुजरात सरकार को रिहाई का फैसला लेने का कोई अधिकार नहीं है। वह दोषियों को कैसे माफ कर सकती है। सुनवाई महाराष्ट्र में हुई है तो रिहाई पर फैसला भी वहीं की सरकार करेगी। जिस राज्य में अपराधी पर मुकदमा चलाया जाता है और सजा सुनाई जाती है, उसी को दोषियों की माफी याचिका पर फैसला लेने का अधिकार है।

इस कमेंट के साथ ही कोर्ट ने मई 2022 में जस्टिस अजय रस्तोगी (रिटायर्ड) के उस फैसले को भी रद्द कर दिया, जिसमें 11 दोषियों को गुजरात सरकार से शीघ्र माफी के लिए अपील करने की अनुमति दी गई थी। गुजरात सरकार ने इन्हें 15 अगस्त 2022 को रिहा कर दिया था। बेंच ने सभी 11

दोषियों को 2 सप्ताह में सरेंडर करने को कहा। फैसले के बाद बिलकिस के घर पर पटाखे फोड़े गए। बिलकिस के 11 दोषियों की रिहाई के खिलाफ 30 नवंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की गई थीं।

पहली याचिका में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती देते हुए उन्हें तुरंत वापस जेल भेजने की मांग की गई थी। दूसरी याचिका में सुप्रीम कोर्ट के मई में दिए आदेश पर विचार करने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने कहा था कि दोषियों की रिहाई पर फैसला गुजरात सरकार करेगी। बिलकिस ने कहा कि जब केस का ट्रायल महाराष्ट्र में चला था, फिर गुजरात सरकार फैसला कैसे ले सकती है? केस के सभी 11 दोषी आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रिहा कर दिए गए थे।

दंगों के दौरान 5 महीने की गर्भवती थीं बिलकिस :

गुजरात में गोधरा कांड के बाद 3 मार्च 2002 को दंगे भड़के थे। दंगों के दौरान दाहोद जिले के लिमखेड़ा तालुका में रंधिकपुर गांव में उग्र भीड़ बिलकिस बानो के घर में घुस गई। दंगाइयों से बचने के लिए बिलकिस अपने परिवार के साथ एक खेत में छिपी थीं। तब बिलकिस की उम्र 21 साल थी और वे 5 महीने की गर्भवती थीं।

दंगाइयों ने बिलकिस का गैंगरेप किया

दंगाइयों ने बिलकिस का गैंगरेप किया। उनकी मां और तीन और महिलाओं का भी रेप किया गया। इस हमले में उनके परिवार के 17 सदस्यों में से 7 लोगों की हत्या कर दी गई थी। 6 लोग लापता पाए गए, जो कभी नहीं मिले। हमले में सिर्फ बिलकिस, एक शख्स और तीन साल का बच्चा ही बचे थे।

प्रियंका बोलीं, भाजपा की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा हुआ पर्दा हट गया :

अंततः न्याय की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप की शिकार बिलकिस बानो के आरोपियों की रिहाई रद्द कर दी है।

इस आदेश से भाजपा की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा हुआ पर्दा हट गया है। इस आदेश के बाद जनता का न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। बहादुरी के साथ अपनी लड़ाई को जारी रखने के लिए बिलकिस बानो को बधाई।

राहुल बोले, सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने बताया अपराधियों का संरक्षक कौन है :

चुनावी फायदे के लिए 'न्याय की हत्या' की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक है। आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने एक बार फिर देश को बता दिया कि 'अपराधियों का संरक्षक' कौन है। बिलकिस बानो का अथक संघर्ष, अहंकारी भाजपा सरकार के विरूद्ध न्याय की जीत का प्रतीक है।

कुछ लोग महुआ का दूसरा उपयोग करते हैं : पीएम मोदी

फिर कांकेर की भूमिका ने दिया अनोखा जवाब

रायपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जा रहे शिविरों में योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी। इस दौरान उत्तर बस्तर कांकेर जिले के हितग्राहियों से वर्चुअली बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने पूछा कि कौन सी ऐसी योजना है, जिससे आपने सबसे अधिक लाभ उठाया है। इस पर एक हितग्राही ने कहा कि वनधन योजना का लाभ उठाया है। हम महुआ से लड्डू बना रही हैं। साथ ही आंवला का अचार भी बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने पूछा कि इसे किस तरह से बेचते हैं। इस पर कांकेर के भानुप्रतापपुर के भानबेड़ा की हितग्राही भूमिका भूआर्य ने बताया कि संजीवनी के माध्यम से इसकी बिक्री होती है। 700 रुपये

प्रति किलो लड्डू बेचते हैं, यह स्वास्थ के लिए बेहतर होता है। इस पर पीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि कुछ लोग तो महुआ का दूसरा उपयोग करते हैं।

इस पर भूमिका ने तपाक से मुस्कुराते हुए कहा कि इसलिए ही तो हम इसके लड्डू बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भूमिका को शाबासी दी। उन्होंने कहा कि अब महुआ से आजीविका भी आ रही है और स्वास्थ्य के लाभ भी हासिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप जैसे जागरूक लोगों की वजह से हमारा आदिवासी समाज बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे विशेष रूप से यह अच्छा लगा कि बिना किसी अड़चन के आप लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से यह अच्छा लगा कि वनधन केंद्र आप जैसे जागरूक नागरिकों की वजह से बहुत अच्छे चल रहे हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम मनकेसरी में आयोजित शिविर में योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित करते पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में निवासरत लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने कई योजनाएं बनाई गई हैं। सरकार आम लोगों के विकास के लिए कटिबद्ध है। >14

भारत ने मालदीव से कहा-रिश्ते सुधारने की जिम्मेदारी राष्ट्रपति मुइज्जू की

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी मामला बढ़ता जा रहा है। सोमवार को मालदीव के हाई कमिश्नर को तलब किया गया।

इब्राहिम शाहीब सुबह साउथ ब्लॉक स्थित विदेश मंत्रालय पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान उसने सिर्फ 4 मिनट बात हुई। उनसे कहा गया कि इस मामले से दोनों देशों के रिश्ते बिगड़े हैं। इन्हें सुधारने की जिम्मेदारी राष्ट्रपति मुइज्जू की है। इसके अलावा उनसे कहा गया कि मालदीव सरकार पीएम मोदी और भारतीयों पर टिप्पणी करने वाले तीनों मंत्रियों को बर्खास्त करे। इनकी सस्पेंशन काफी नहीं है। दरअसल, मालदीव सरकार के 3 मंत्रियों मल्शा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्लाह महजूम माजिद ने पीएम मोदी और भारत के खिलाफ टिप्पणी की थी। साथ ही भारत की टूरिज्म सेक्टर में फेसेलिटीज को लेकर भी कमेंट्स किए थे। 7 जनवरी को इन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। मालदीव सरकार के प्रवक्ता इब्राहिम खलील ने कहा था कि भारत के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट के हवाले से जो कुछ चल रहा है, उसके बारे में हमारी सरकार रुख साफ कर चुकी है। फॉरेन मिनिस्ट्री ने भी बयान जारी किया है। भारत के बारे में कमेंट्स करने वाले सभी सरकारी अफसरों को फौरन सस्पेंड किया जा रहा है।

मालदीव की मंत्री ने पीएम मोदी को आपत्तिजनक शब्द कहे :

मंत्री मरियम शिउना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। वहीं, नेता जाहिद रमीज लिखा कि भारत सर्विस के मामले में हमारा मुकाबला नहीं कर सकता। मरियम यूथ एम्पावरमेंट, इन्फॉर्मेशन एंड आर्ट की डिप्टी मिनिस्टर थीं। उनकी इस पोस्ट पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा, शिउना ने गलत शब्द कहे हैं। ये बात मालदीव की सुरक्षा और समृद्धि को खतरे में डाल सकती है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की सरकार को ऐसी टिप्पणियों से दूरी बनानी चाहिए।

पीएम मोदी ने लक्षद्वीप दौरे का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप अब मालदीव को टक्कर देता नजर आया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि लाखों रुपएये खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं। >14

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से राहत

अगले आदेश तक अंतरिम जमानत बरकरार

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अगले आदेश तक उनकी अंतरिम राहत बरकरार रहेगी। मामले में अगली सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी। सत्येंद्र जैन की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में दलीलें जारी रखेंगे।

मई 2022 में सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी :

जैन के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि 2017 से मई 2022 तक सात बार सत्येंद्र जैन को पूछताछ के लिए बुलाया गया, लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरफ्तार करने की कोई ठोस वजह नहीं थी। उन्होंने कहा कि जैन दिल्ली के स्थाई नागरिक हैं और कहीं भागने वाले नहीं हैं। 14 फरवरी 2017 से मई 2022 तक की डिटेल बताते हुए सिंघवी ने कहा कि तीन कंपनियों जिनमें मंगलायतन भी शामिल है, उनको लेकर मुकदमा बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि वैभव और अंकुश जैन इन कम्पनियों में हैं, उनका सत्येंद्र जैन से कोई रिश्ता नहीं है, बस सरनेम एक जैसा है। इस पर जस्टिस त्रिवेदी ने कहा कि वो पार्टनर हैं, इस पर सिंघवी ने हामी भरी। अकिंचन, मंगलायतन और प्रयास ये तीन कंपनियां हैं, जिनके बीच लेनदेन को मुद्दा बनाया गया है। इनके लेनदेन में सत्येंद्र जैन की कोई भूमिका नहीं है, कोई लेना देना नहीं है, लेकिन ईडी ने अपनी धारणा के मुताबिक उन्हें भी शामिल कर दिया है।

जल्लीकट्टू की कानूनी वैधता बरकरार रखने वाले फैसले पर फिर से विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट जल्लीकट्टू कानून की वैधता बरकरार रखने वाले अपने फैसले पर पुनर्विचार याचिकाओं को सूचीबद्ध करने के लिए तैयार हो गया है।

यह है कानून : गौरतलब है, सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल मई में तमिलनाडु सरकार के उस कानून को वैध करार दिया था, जिसमें जल्लीकट्टू को एक खेल के तौर पर मान्यता दी गई है। कोर्ट ने कहा था कि तमिलनाडु का जानवरों के साथ क्रूरता कानून (संशोधन), 2017 जानवरों को होने वाले दर्द और पीड़ा को काफी हद तक कम कर देता है। बत्ता दें, जल्लीकट्टू, जिसे इरुथाझुवुथल भी कहा जाता है, सांड़ों के साथ खेला जाने वाला खेल है, जिसका आयोजन पोंगल में फसलों की कटाई के दौरान किया जाता है।

पीठ ने यह कहा : वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील पेश की। उनकी दलील पर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने संज्ञान लिया। पीठ ने माना कि पुनर्विचार याचिकाओं को सूचीबद्ध करने और उन पर विचार करने की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस केएम जोसेफ के नेतृत्व वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने पिछले साल 18 मई को एकमत से निर्णय सुनाते हुए महाराष्ट्र में होने वाली बैलगाड़ी की दौड़ों की मान्यता भी बरकरार रखी थी। पांच जजों की पीठ के अन्य जजों में जस्टिस अजय रस्तोगी, जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस सीटी रविकुमार भी शामिल थे। पीठ ने कहा था, अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) के तहत सुरक्षा एक नागरिक के विपरीत व्यक्ति को प्रदान की गई है, जो कि संविधान के अनुच्छेद 19 (भाषण की स्वतंत्रता आदि के संबंध में कुछ अधिकारों का संरक्षण) में एक मामला है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

उपचुनाव में देरी पर चुनाव आयोग से पूछे सवाल

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश पर रोक लगा दी। दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने आदेश में चुनाव आयोग को पुणे लोकसभा सीट पर तुरंत उपचुनाव कराने का निर्देश दिया था। पुणे लोकसभा सीट यहां के सांसद गिरीश बापट के निधन के कारण 29 मार्च 2023 से खाली है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। चुनाव आयोग ने अपनी याचिका में कहा कि मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को खत्म हो रहा है, ऐसे में अब इस समय उपचुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी लेकिन उपचुनाव में हुई देरी को लेकर भी सवाल किया।

हाईकोर्ट ने दिया था आदेश :

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 13 दिसंबर 2023 को चुनाव आयोग को लताड़ भी लगाई थी और तुरंत पुणे लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि चुनाव आयोग पुणे लोकसभा सीट पर उपचुनाव में देरी के लिए बेकार के कारण दे रहा है। दरअसल चुनाव आयोग ने कहा था कि अन्य चुनावी गतिविधियों और 2024 लोसभा चुनाव की तैयारियों में व्यस्त होने के चलते वह उपचुनाव नहीं करा पा रहा है।

नागरिक बिना प्रतिनिधित्व के नहीं रह सकते :

हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि नागरिक बिना प्रतिनिधित्व के नहीं रह सकते और इससे संवैधानिक ढांचे को काफी नुकसान होता है। किसी भी संसदीय लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि ही लोगों की आवाज होते हैं। अगर एक जनप्रतिनिधि नहीं रहे तो उनकी जगह किसी अन्य को चुना जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पुणे लोकसभा सीट के भाजपा सांसद गिरीश बापट का बीते साल 29 मार्च को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। उनके निधन के बाद से ही पुणे लोकसभा सीट खाली है। कानून के मुताबिक पुणे लोकसभा सीट खाली होने के छह महीने के भीतर उपचुनाव होने थे। यही वजह है कि तय समय के भीतर चुनाव नहीं होने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से नाराजगी जताई थी।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए भारतीय वायुसेना दल का हिस्सा बनेंगी महिला अग्निवीर

आईएएफ ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महिला अग्निवीर वायु सैनिक इस साल के गणतंत्र दिवस परेड के लिए भारतीय वायु सेना दल का हिस्सा होंगी। भारतीय वायु सेना की तरफ से यह जानकारी दी गई। बता दें कि इस साल होने वाले गणतंत्र दिवस के परेड में कुल 2,274 कैडेट दिल्ली में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में हिस्सा लेने वाले हैं। इसमें महिला कैडेटों की भागीदारी बढ़ेगी।

रक्षा मंत्रालय ने बाद में एक बयान में कहा कि पूर्वोत्तर की 45 लड़कियों वाला एक बैंड पहली बार इस शिविर में भाग ले रहा है। इस बैंड के सदस्य 13 से 15 आयु वर्ग के हैं, जो पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। देश के हर कोने तक एनसीसी की पहुंच का प्रदर्शन करते हैं। पिछले साल 2023 में गणतंत्र दिवस के परेड में 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों से आए 710 लड़कियों सहित कुल 2,155 कैडेटों ने भाग लिया था।

इसके अलावा इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में रक्षा बलों की दो महिला टुकड़ियों के मार्च करने का कार्यक्रम है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, 144 कर्मियों सहित एक टुकड़ी में सभी महिला सैनिक मौजूद होंगी, जिनमें 60 सेना से और शेष भारतीय वायु सेना और नौसेना से रहेंगी। वहीं, एक अन्य महिला दल सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशालय से होगा, जिसमें सैन्य नर्सिंग सेवाओं की नर्सें शामिल होंगी और परेड में उनका नेतृत्व महिला डॉक्टर करेंगी।

ममता बनर्जी का बड़ा बयान

कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले बंगाल को बदनाम करने की कर रहे कोशिश

कोलकाता, 8 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के तीन अधिकारियों पर हमले को लेकर मचे बवाल के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि जो लोग पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठा रहे हैं, वे राज्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार कोलकाता को वर्षों से देश का सबसे सुरक्षित शहर घोषित किया गया है।

उन्होंने कहा, मैं अपने खिलाफ हो रही आलोचनाओं से परेशान नहीं हूं। लेकिन, अगर कोई राज्य को बदनाम करने की कोशिश करता है तो मैं विरोध करूंगी। जो लोग कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठा रहे हैं, वे राज्य को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के समर्थकों ने शुक्रवार को ईडी के तीन अधिकारियों पर हमला कर दिया था और उनके कई वाहनों में तोड़फोड़ की थी। यह हमला तब हुआ जब ईडी की टीम राज्य की राशन प्रणाली में कथित अनियमितताओं के संबंध में छापेमारी के लिए संदेशखली में शेख के घर गई थी। उन्होंने कहा, दिनभर में कई अफवाहें फैलाई जाती हैं। यदि सुबह में एक अलग घटना होती है, तो इस पर पूरे दिन चर्चा की जाती है। जबकि, सकारात्मक (पॉजिटिव) खबरों पर बहुत कम फोकस किया जाता है। अगर बंगाल को नकारात्मक (निगेटिव) रूप से चित्रित किया जाता है, तो मैं इसे बिना किसी लड़ाई के स्वीकार नहीं करूंगी। मुख्यमंत्री ने यहां छात्र सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किसी विशेष घटना का स्पष्ट रूप से जिक्र किए बिना यह टिप्पणी की। कुछ टीवी टॉक शो की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, वे (ये चैनल) नकारात्मक सूचना फैलाने में रुचि रखते हैं। मैंने एक बार उनमें से एक से पूछा कि वे चौबीस घंटे तक लगातार एक घटना क्यों दिखाते हैं, तो जवाब था-दीदी, यह टीआरपी के लिए है। बनर्जी ने हैरानी जताई कि कानून और व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब कैसे हो सकती है। उन्होंने कहा कि हुगली जिले के श्रीरामपुर पुलिस स्टेशन को केंद्र सरकार द्वारा देश में एक मॉडल पुलिस स्टेशन के रूप में मान्यता दी गई थी। छात्रों को सकारात्मक सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा, यदि आप नकारात्मक सोचते हैं, तो आपका दिमाग नकारात्मक हो जाएगा।

संघर्ष आपको नुकसान पहुंचाएगा। हमेशा अच्छे विचार रखें और नकारात्मकता से बचें। एक सकारात्मक दृष्टिकोण आपको बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बंगाल में शांति, सद्भाव और भाईचारे की भावना को कभी बाधित नहीं होने देंगी। उन्होंने कहा, हमारे पास काजी नजरुल इस्लाम जैसे कवि थे, जो राज्य में पैदा हुए थे और उन्होंने काफी संख्या में श्यामा संगीत (हिंदू देवी काली की प्रशंसा में गीत) की रचना की थी।

यही वजह है जो हम ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं : जयराम

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ईवीएम के मुद्दे पर चुनाव आयोग को जवाब देते हुए पत्र लिखा है। इस पत्र में कांग्रेस नेता ने लिखा कि 30 दिसंबर को विपक्षी गठबंधन की तरफ से चुनाव आयोग को भेजे पत्र पर आयोग ने जवाब दिया है। मैंने चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट पर चर्चा और सुझाव के लिए आयोग से मिलने का वक्त मांगा था, लेकिन आयोग ने हमारी मांग को नहीं माना। जयराम रमेश ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र को सोशल मीडिया पर साझा किया है। >14

आखिर हम भी हिंदू हैं : शिवकुमार

तिरुवनंतपुरम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने राम मंदिर को लेकर हो रही राजनीति पर कहा, भगवान राम किसी एक के नहीं हैं। आखिर हम सब हिंदू हैं।

शिवकुमार ने ये बातें अपनी सरकार के उस फैसले का बचाव करते हुए कहीं। जिसमें राज्य सरकार ने 22 जनवरी को कर्नाटक के सभी मंदिरों में विशेष पूजा करवाने का आदेश दिया है। यह पूजा ठीक उसी वक्त होगी जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। डीके शिवकुमार सोमवार को केरल दौरे पर गए थे। वह रामचंद्रन फाउंडेशन पुरस्कार समारोह में मौजूद थे। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस आलाकमान ने अयोध्या में समारोह में भाग लेने का फैसला क्यों नहीं किया।

मंदिर की जमीन पर बनी मस्जिदें खाली करें : बीजेपी नेता

नहीं तो नतीजा भुगतना होगा, कितने मारे जाएंगे हम नहीं जानते

बेंगलुरु, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा ने फिर विवादित बयान दिया हैं। उन्होंने कहा- मंदिर की जमीन पर बनी मस्जिदों को मुसलमानों को स्वेच्छा से खाली कर देनी चाहिए, नहीं तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। कितने मारे जाएंगे या क्या होगा, यह हम नहीं जानते।

ईश्वरप्पा ने यह बयान रविवार (7 जनवरी) को भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने आगे कहा कि मथुरा सहित अभी देश के और दो स्थान हैं। एक बार कोर्ट का फैसला आ जाए, फिर हम अपने मंदिरों के निर्माण के लिए आगे बढ़ेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। हमारे मंदिरों को तोड़कर बनाई गई मस्जिदों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसी एक भी मस्जिद इस देश में नहीं टिकेगी। ये मेरी निजी राय है।

ईश्वरप्पा इससे पहले भी कई बार अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं। उन्होंने दिसंबर 2023 में कर्नाटक के गडग में कहा था- मंदिरों को तोड़कर बनाई गई मस्जिदों को हम नहीं बख्शेंगे। देश में एक भी ऐसी मस्जिद नहीं टिकने देंगे। मैं प्रतिज्ञा करूंगा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र बने।

गडग में बोलते हुए ईश्वरप्पा यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा- काशी विश्वनाथ मंदिर मामले पर कोर्ट की कार्यवाही हिंदुओं के पक्ष में है। मथुरा में कृष्ण मंदिर के लिए सर्वे का आदेश दिया गया है। सब कुछ एक के बाद एक होगा। ईश्वरप्पा ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में रथयात्रा की थी। रथयात्रा में उन्होंने मुसलमानों को लेकर कई बयान दिए थे। इन्हीं मुद्दों पर दैनिक भास्कर से बात करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा था - 'चुनाव के बाद हमारी सरकार आई तो सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर तुरंत हटवाएंगे।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का एक बार फिर सीएम सिद्धारमैया पर हमला

मैं अपने आईएसआईएस वाले बयान...

बंगलूरू, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर हमला बोलते हुए कहा था कि वह आईएसआईएस की तरह कर्नाटक सरकार चला रहे हैं। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज हो गई है।विवाद बढ़ने के बाद भी जोशी ने साफ कह दिया है कि वह अपनी बात पर कायम हैं।

यह है मामला

गौरतलब है, कर्नाटक में हिंदू कार्यकर्ता श्रीकांत पुजारी को लेकर सियासी बवाल जारी है। इसी मामले को लेकर प्रह्लाद जोशी ने सिद्धारमैया पर तंज कसा था। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा था कि, 'सीएम सिद्धारमैया का कहना है कि श्रीकांत पुजारी के खिलाफ 16 मामले लंबित थे. लेकिन, क्या अब सिद्धारमैया माफी मांगेंगे? जिन्होंने आपको बताया कि 16 मामले लंबित हैं, उनके खिलाफ आप क्या कार्रवाई करेंगे। एक समुदाय को खुश करने के लिए आप किस हद तक एक समुदाय को निशाना बनाने जा रहे हैं? यह तुष्टिकरण का प्रतीक है। सरकार आईएसआईएस की तरह चल रही है। जैसे अफगानिस्तान में तालिबान अपनी सरकार चला रहा है। सिद्धारमैया इसी तरह कर्नाटक में अपनी सरकार चला रहे हैं।'

कांग्रेस को किसने...

विवाद होने के बाद प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उन्होंने जो कुछ भी कहा है, वह उससे इनकार नहीं कर रहे हैं। वह अभी भी अपनी बात पर हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से यह कांग्रेस

सरकार व्यवहार कर रही है, उसे किसने अधिकार दिया है? पुजारी के खिलाफ कोई 16 मामले लंबित नहीं है।

श्रीकांत पुजारी को मिली जमानत

हुबली की एक सत्र अदालत ने शुक्रवार यानी पांच जनवरी को हिंदू कार्यकर्ता श्रीकांत पुजारी को जमानत दे दी। पुलिस ने दिसंबर 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद हुए दंगों से जुड़े एक मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था। पुजारी की गिरफ्तारी के बाद राज्य में सियासी तूफान खड़ा हो गया था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जहां उनकी रिहाई को लेकर राज्यभर में प्रदर्शन किया था। वहीं, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने इसे कानून-व्यवस्था का हिस्सा बताया था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश परमेश्वर प्रसन्ना बी ने जमानत देने का आदेश दिया था। सरकारी वकील ने गुरुवार को आपत्तियां दर्ज कराई थीं और दावा किया था कि पुजारी कई अन्य मामलों में वांछित है और अदालत की सुनवाई में शामिल होने से बच रहा है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पुजारी को बताया था संदिग्ध

विपक्षी भाजपा राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े 31 साल पुराने मामले में गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी और उनकी रिहाई की मांग कर रही थी। भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर हिंदुओं के प्रति सख्त होने और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में लिप्त होने का आरोप लगाया था। वहीं, कांग्रेस ने भाजपा पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पुजारी को एक संदिग्ध बताया था और कहा था कि वह अवैध शराब बिक्री, जुआ और मटका सहित 16 असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों का सामना कर रहा है।

कार्यकर्ता की गिरफ्तारी पर भाजपा ने दी तीखी प्रतिक्रिया

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने पुजारी की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा था कि यह अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से कुछ दिन पहले 31 साल पुराने मामले को फिर से खोलने के पीछे राज्य सरकार की मंशा को दिखाता है। वहीं, भाजपा नेता डीवी सदानंद गौड़ा ने पूछा था कि मामलों को बंद करना, क्या यह कानूनी सीमाओं के दायरे में था?

रोचक खबरें

अंतरिक्ष में हीरे सा दमकता हुआ ग्रह, 360 डिग्री व्यू देखकर चौंके लोग

कुछ लोग तो समझ बैठे धरती!

सोशल मीडिया पर हम यूं तो बहुत सारे वीडियो और तस्वीरें देखते हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि कुछ इतना अलग दिखाई दे जाता है कि हम मंत्रमुग्ध हो जाते हैं. एक ऐसा ही प्यारा नज़ारा अंतरिक्ष में दिखा है, जो यूज़र्स का अटेंशन बटोर रहा है. ये ऐसी ऐसी चीज़ है, जिसे हम आंखों से रोज़ाना देख नहीं पाते हों. लोग अंतरिक्ष के इस वीडियो को देखकर चकित रह गए हैं. मेसेंजर एयरक्राफ्ट ले लिए गए इस वीडियो ने लोगों को हैरान कर दिया है. ये तस्वीर हमारे सौर मंडल के सबसे छोटे ग्रह बुध की है. ग्रह की परिक्रमा करने वाले पहले अंतरिक्ष यान मेसेंजर ने इसे 360 डिग्री व्यू को दिखाया तो लोग इस अद्भुत नज़ारे को देखकर दंग रह गए.

हीरे जैसा चमकता है बुध ग्रह

इस वीडियो में किसी चमकते हुए क्रिस्टल की तरह गोलाकार चीज़ घूमती हुई नज़र आ रही है. मानों अंदर रंग-बिरंगी एलईडी लाइट्स लगा दी गई हों. वो अपनी धुरी पर घूम रहा है और इसके 360 डिग्री व्यू में हर तरफ अद्भुत चमक है, जो आंखों को लुभा रही है. पृथ्वी के चंद्रमा से थोड़ा सा बड़ा, बुध सौर मंडल का सबसे छोटा ग्रह है. ये औसतन 36 मिलियन मील दूर सूर्य के सबसे करीब बुध ग्रह है. बुध सबसे छोटा ग्रह होने के साथ सबसे तेज़ भी है, अपनी कक्षा में लगभग ये 29 मील प्रति सेकंड की गति से यात्रा करता है. बुध पर एक साल धरती के केवल 88 दिनों के बराबर होता है.

कुछ लोग समझ बैठे धरती

पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर @wonderofscience नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है. वीडियो के साथ कैप्शन में बताया गया है कि ये मरक्यूरी यानि बुध ग्रह है, जिसमें दमकते हुए रंग दिख रहे हैं. 2 दिन पहले शेयर किया गया था. वीडियो पर लोगों ने ढेरों कमेंट्स करके इस तस्वीर की तारीफ भी की है. एक यूज़र ने कहा – ये बिल्कुल हीरे की तरह है ये. वहीं कुछ यूज़र्स ने कहा कि ये धरती की तरह दिखता है।

जब समुद्र में हुई थी कैबिनेट मीटिंग

पूरी सरकार 30 मिनट तक रही पानी में, अजीबोगरीब थी वजह

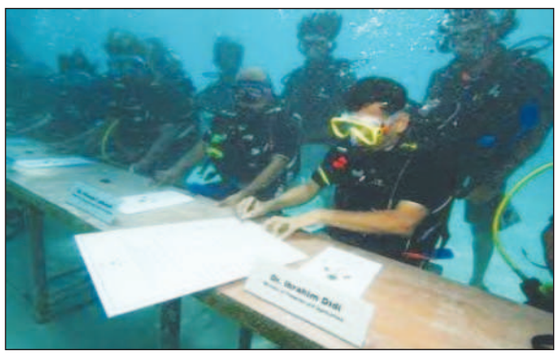

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्षद्वीप के समंदर में गोता लगाया और लोगों से वहां जाने की अपील की. उनकी तस्वीरों को देखकर मालदीव के मंत्रियों को ऐसी मिर्ची लगी कि उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक बयान तक दे डाले. नतीजा, भारत में #BycottMaldives ट्रेंड करने लगा. दशहत में आए मालदीव सरकार ने उन मंत्रियों-नेताओं को सस्पेंड कर दिया. फरि भी लोगों का गुस्सा थम नहीं रहा. सचनि तेंदुलकर, अक्षय कुमार, कंगना रनौत, सुरेश रैना, समेत कई सेलब्रिटिज ने इंडिया फर्स्ट की बात की. मालदीव आज भी लोगों के गुस्से का शकिार हो रहा है. लेकनि क्या आपको पता है कि मालदीव में एक बार समुद्र के अंदर कैबिनेट की मीटिंग हुई थी. पूरी सरकार 30 मिनट तक में पानी में रहे. वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

बात अक्तूबर 2009 की है. बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण मालदीव जैसे राष्ट्रों के लिए अस्तत्वि का संकट पैदा हो गया है. इनके डूबने का खतरा है. क्योंकि मालदीव का अधिकतर हिस्सा समुद्र की सतह से महज एक मीटर ऊपर है. वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्ष 2100 तक यह देश समुद्र में समा सकता है. खतरा इतना बड़ा है कि हर साल इसका कुछ न कुछ हस्सिा समुद्र के पानी में समाता जा रहा है. ज्यादा तापमान बढ़ने की स्थिति में बर्फ पिघलने से संकट और बढ़ता जाएगा. इससे खुद को बचाने और दुनिया को इस संकट के बारे में चेताने के लिए वहां की सरकार ने अद्भुत फैसला किया था. 19 अक्टूबर, 2009 को मालद्वीव की पूरी सरकार ने समुद्र में पानी के अंदर मीटिंग की थी. मीटिंग 30 मिनट तक चली थी.

समुद्र में 15 फुट नीचे हुई थी कैबिनेट बैठक

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद की अध्यक्षता में हुई इस कैबिनेट मीटिंग में 11 मंत्री और कैबिनेट सेक्रेटरी भी शामिल हुए थे. बैठक पानी में 15 फुट नीचे हुई जिसके लिए सभी मंत्री गोता लगाकर समुद्र में उतरे. सबने एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए जिसमें दुनिया के सभी देशों से खतरनाक गैसों के उत्सर्जन में कटौती करने की मांग की गई. उस वक्त वायरल हुए वीडियोज में सभी नेताओं ने काले रंग डाइविंग सूट और मास्क पहने हुए देखा जा सकता था.

मेक्सकिो में मिली मगरमच्छ जैसी छिपकली

60 फीट ऊपर हवा में लटकी हुई, देखकर साइंटिस्ट भी डर गए

छिपकली हर किसी के घर में देखने को मिल जाती है. कुछ तो इतनी जहरीली होती हैं कि काट लें तो जान बचाना मुश्कलि हो जाएगा. ज्यादातर छिपकली का साइज 3 से 6 इंच होता है, और अगर ये सामने आए तो खतरा महसूस नहीं होता. लेकिन मैक्सकिो में एक विशाल छिपकली मिली है, जो देखने में मगरमच्छ जैसी लग रही है. इसे पेड़ों की चोटी पर 60 फीट तक हवा में लटके हुए देखा गया. साइंटिस्ट भी इसे देखकर डर गए क्योंकि यह काफी मायावी है.

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, शोधकर्ताओं की टीम ने दक्षणिी मेक्सकिो में इसे देखा, जो 'असामान्य रूप से बड़ी' की है. इसे आर्बरियल एलीगेटर लीजर्ड नाम दिया गया है. यह काफी मायावी होती है और जब भी कोई खतरा महसूस होता है तो खुद को पत्तों में छिपा लेती है, ताकि बच सके. इसकी वजह से कोएपिला प्रजाति की इस छिपकली को तलाशने में शोधकर्ताओं को काफी मुश्कलि हुई. यह काफी रहस्यमय मानी जाती है. 2022 में भी इसी तरह की एक छपिकली देखी गई थी। पीएलओएस वन जर्नल में पब्लशि रिपोर्ट के मुताबिक, ये छिपकलियां विशेष रूप से कोएपिला में पाई गई हैं और 9.8 इंच तक लंबी होती हैं. शरीर पीले और भूरे रंग का होता है, जिस पर गहरे भूरे रंग के धब्बे बने होते हैं. इनकी आंखें भी हल्के पीले रंग की होती हैं और उन पर भी काले धब्बे होते हैं. यह प्रजाति जंगल की सबसे ऊंची चोटी पर पाई जा सकती है. आमतौर पर इन्हें 11 से 64 फीट की ऊंचाई पर देखा जा सकता है.

चेन्नई और चेंगलपट्टू समेत अन्य क्षेत्रों में बारिश, स्कूल-कॉलेज बंद

चेन्नई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तरी क्षेत्र समेत तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में रात भर बारिश हुई, जिसके बाद सोमवार को अधिकारियों ने विभिन्न जिलों में स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी।

चेन्नई और उसके पड़ोसी क्षेत्र चेंगलपट्टू और कांचीपुरम के अलावा विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची, कुड्डालोर, नागपट्टिनम और तिरुवरुर में अच्छी बारिश हुई है। रविवार की रात भारी बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो चुकी है। बारिश के कारण चेंगलपट्टू, रानीपेट, वेल्लोर और कल्लाकुरिची के स्कूलों में एक दिन के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी गई है।

कमलनाथ बोले-एमपी में ही रहूंगा, दिल्ली क्यों जाऊंगा

विदेश से लौटकर कहा- मैं इंडिया गठबंधन की चर्चा में शामिल नहीं

भोपाल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और छिंदवाड़ा से विधायक कमलनाथ ने कहा, 'मैं मध्यप्रदेश में ही रहूंगा, दिल्ली क्यों जाऊंगा।' कांग्रेस हाईकमान की नाराजगी और इस्तीफे के सवाल पर बोले, 'ये उन्हीं से पूछिए।' कमलनाथ ने ये बात सोमवार को विधानसभा में विधायक पद की शपथ लेने के बाद कही। इस मौके पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आज मैंने शपथ ली है। प्रदेश की सेवा करने का एक और मौका मिला है। मेरे लिए काफी खुशी की बात है।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा, 'इंडिया गठबंधन पर बात चल रही है। जरूर कोई निचोड़ निकलेगा।' राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू पर पूछे गए सवाल- न्याय यात्रा इंडिया गठबंधन क्यों नहीं निकाल रहा, के जवाब में कमलनाथ बोले, 'जो लोग इसको देख रहे हैं, वे फैसला करेंगे। मैं इंडिया गठबंधन की चर्चा में शामिल नहीं हूं।'

परासिया विधायक सोहनलाल बाल्मीकि ने भी ली शपथ

कमलनाथ के साथ परासिया विधायक सोहनलाल बाल्मीकि ने भी शपथ ग्रहण की। दोनों को स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने शपथ दिलाई। 18 और 19 दिसंबर को विधानसभा के विशेष सत्र में 227 विधायकों ने शपथ ली थी। इनसे पहले गोपाल भार्गव शपथ ले चुके थे। विदेश दौरे पर होने के कारण कमलनाथ और सोहनलाल की शपथ बाकी थी। दोनों ने इसकी सूचना विधानसभा को दी थी। सत्र के अंतिम दिन कमलनाथ और सोहनलाल के विदेश दौरे की जानकारी सदन को दी गई थी। दोनों नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, उमंग सिंघार, जीतू पटवारी, सज्जन सिंह वर्मा, हर्ष यादव, पीसी शर्मा, आरके दोगने मौजूद रहे। कमलनाथ की गाड़ी में दिग्विजय सिंह साथ पहुंचे।

यूपी के यू-ट्यूबर पर एफआईआर

भगवान वाल्मीकि पर की थी अभद्र टिप्पणी समाज के विरोध के बाद कार्रवाई

जालंधर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भगवात वाल्मीकि जी को डाकू कहकर संबोधित करने के मामले में वाल्मीकि समाज द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर जालंधर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के यू-ट्यूबर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की पहचान गाजीपुर के रहने वाले बृज भूषण के रूप में हुई है।

जालंधर कैंट की पुलिस ने केस में आईपीसी की धारा 295-ए (धार्मिक भावनाएं आहत करने) जोड़ी गई हैं। केस में पुलिस ने जालंधर के रहने वाले सचिन रावत के बयान दर्ज किए हैं। जल्द पुलिस आरोपी को नोटिस जारी कर जांच में शामिल करेगी। अगर, पुलिस जांच में आरोपी सहयोग नहीं करता है तो गिरफ्तारी की जाएगी।

30 जनवरी को जारी किया गया था वीडियो

बीती 31 जनवरी को जालंधर में वाल्मीकि समाज के लोगों ने उत्तर प्रदेश के यू-ट्यूबर बृज भूषण के खिलाफ प्रदर्शन किया था। यू-ट्यूबर ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर बन रहे एयरपोर्ट को श्री गुरु वाल्मीकि महाराज का नाम देने पर अभद्र टिप्पणी की थी। इसे लेकर थाना-4 के बाहर धरना प्रदर्शन भी किया गया था। तब प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा था कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले भूषण नाम के एक व्यक्ति ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर भगवान श्री वाल्मीकि महाराज को डाकू कहकर संबोधित किया था। जिसमें उसने कहा कि अयोध्या एयरपोर्ट का नाम श्री राम के नाम पर होना चाहिए न कि वाल्मीकि जी महाराज के नाम पर। वहीं, इससे पहले यू-ट्यूबर के खिलाफ लुधियाना में भी केस दर्ज किया जा चुका है।

बीजेपी के दलाल मुझे छू नहीं सकते...

ईडी अफसरों पर हमले के बाद पहली बार बोले टीएमसी नेता शेख शाहजहां

कोलकाता, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर हमले में पुलिस ने कुल तीन एफआईआर दर्ज की हैं लेकिन इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। तो वहीं राज्य में ईडी पर हुए हमले के बाद राजनीति गरमाई हुई है। टीएमसी नेताओं की तरफ से बीजेपी के नेता सुवेंदु अधिकारी के बयान को मुद्दा बनाया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ टीएमसी नेता और ईडी पर हमले के आरोपी शाहजहां शेख का भी एक बयान सामने आया है। जिसमें शाहजहां शेख यह कह रहे हैं कि बीजेपी के दलाल मुझे छू नहीं सकते। हमें नाराज़ मत करो। ममता को लोगों की परवाह है। 2024 में हमें बीजेपी को हटाना है। शेख का यह बयान ईडी अधिककारियों पर हमले के बाद का है। ईडी और सीबीआई से डरने की कोई जरूरत नहीं है। आपको राजनीतिक साजिश को समझना होगा। वे समझते हैं कि मुझे चुप करा देंगे। वे संदेशखाली में टीएमसी को खत्म कर देंगे। इसलिए डरने की कोई जरूरत नहीं है। यहां पर मेरे जैसे हजारों शाहजहां शेख हैं। आप सभी टीएमसी के योद्धा हैं। जिस तरह से ममता बनर्जी हमारे परिवारों के लिए काम कर रही हैं। हम इंसान हैं। हमारी मौत निश्चित है। इससे इंकार नहीं कर सकते हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। अगर कोई साबित कर देगा। मैं अपना सिर कलम कर दूंगा। किसी को अपना चेहरा नहीं दिखाऊंगा।

पुलिस ने दर्ज की हैं ये तीन एफआईआर

पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हमले के बाद जहां राज्य में राजनीति गर्म है और विपक्ष की तरफ से राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की जा रही है। तो वहीं दूसरी ओर इस सब के बीच ईडी पर हमले को लेकर तीन एफआईआर दर्ज की गईं है। एक एफआईआर ईडी ने दर्ज कराई है तो वहीं दूसरी रिपोर्ट तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) लीडर शाहजहां शेख की तरफ से दर्ज कराई गई है। इसमें बिना कोई दस्तावेज दिए घर का ताला तोड़ने का आरोप लगाया गया है। यह रिपोर्ट शाहजहां शेख के घर की देखभाल करने वाले की तरफ से दर्ज कराई गई है। तीसरी एफआईआर बंगाल पुलिस ने खुद से दर्ज की है। यह पुलिस ने स्वंत संज्ञान लेकर दर्ज की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कल जम्मू-कश्मीर दौरा

कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

जम्मू, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नौ जनवरी को जम्मू-कश्मीर के महत्वपूर्ण दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। गृह मंत्री जम्मू-कश्मीर के व्यापक विकास का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करेंगे। साथ ही वह विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। वह विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास करने के साथ नियुक्ति पत्र भी वितरित करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी जिला जम्मू नार्थ की मढ़ विधानसभा के घौ मन्हासा मंडल की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिला जम्मू बार्डर के प्रभारी व पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह चिब की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बताया गया कि गृहमंत्री के दौरे को लेकर जानकारी दी गई। राजेंद्र सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं को नौ जनवरी को घौ मन्हासा मंडल की तरफ से ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकर्ता रैली में हिस्सा लेने को कहा।

ईडी पर हमले के बावजूद क्यों गिरफ्तार नहीं हुए टीएमसी नेता शाहजहां शेख?

भाजपा सांसद ने बताई वजह

कोलकाता, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में हाल ही में ईडी की टीम पर हमला हुआ था, जिसमें ईडी के कई अधिकारी और केंद्रीय बलों के जवान घायल हुए थे। ईडी की टीम टीएमसी नेता शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापेमारी करने गई थी। ईडी ने शाहजहां शेख के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है। घटना को कई दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक शाहजहां शेख की गिरफ्तारी नहीं हुई है। भाजपा सांसद दिलीप घोष ने इसकी वजह बताई है।

भाजपा सांसद ने लगाए आरोप

पश्चिम मेदिनीपुर में मीडिया से बात करते हुए भाजपा सांसद दिलीप घोष ने कहा कि 'यहां कई बड़े अपराधी और घोटालेबाज हैं। ईडी पर हमले की जो घटना हुई, वह बांग्लादेश सीमा के नजदीक हुई और वह इलाका काफी संवेदनशील माना जाता है। ऐसी जानकारी मिली है कि वह (शाहजहां शेख) टीएमसी नेताओं के घर छिपा हुआ है लेकिन उस इलाके में कार्रवाई करना काफी मुश्किल है।' भाजपा ने आरोप लगाया था कि ईडी की टीम पर हमला अवैध रोहिंग्या घुसपैठियों ने किया था। भाजपा ने इसकी जांच एनआईए से कराने की मांग की है।

ईडी की टीम पर हुआ था हमला

पश्चिम बंगाल के राशन घोटाला मामले में ईडी ने बीते शुक्रवार को टीएमसी नेता शाहजहां शेख और शंकर आद्या के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापेमारी करने वाली ईडी टीम पर टीएमसी नेता के समर्थकों ने हमला कर दिया था। इस हमले में ईडी के कई अधिकारी घायल हुए थे। हमला करने वाली भीड़ ईडी अधिकारियों के फोन, लैपटॉप और नकदी भी छीनकर ले गई थी। बाद में शंकर आद्या को ईडी ने राशन घोटाले में गिरफ्तार कर लिया था। वहीं शाहजहां शेख अभी तक फरार हैं। ईडी ने रविवार को शाहजहां शेख के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी कर दिया है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान तेज

विद्रोहियों और जवानों में संघर्ष के डर से अपना घर छोड़ रहे हैं कुकी

इंफाल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। म्यांमार की सीमा से लगे मणिपुर के मोरेह शहर में 30 दिसंबर बाद से कुकी विद्रोहियों और मणिपुर पुलिस के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इस संघर्ष में 11 पुलिस कमांडो और बीएसएफ के 3 जवान घायल हुए हैं। सीमा क्षेत्र की सुरक्षा चाक-चौबंद करने के लिए मणिपुर पुलिस की अतिरिक्त टीमों को बॉर्डर इलाकों में भेजा गया है। सीएम एन बीरेन सिंह का कहना है कि मोरेह में सुरक्षाबलों पर हमलों में म्यांमार के विद्रोहियों का हाथ है।

इसी बीच, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त दलों ने मोरेह, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्वी जिलों के सीमांत में तलाशी अभियान चलाया है। 30 दिसंबर के बाद हुई हिंसा के बाद मोरेह में कारोबार पूरी तरह से बंद हैं। कुकी विद्रोहियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी में फंसने के डर से भारत-म्यांमार सीमावर्ती तेंगनौपाल जिले के व्यापारिक शहर मोरेह में कुकी अपने घर छोड़ रहे हैं।

म्यांमार के आतंकी संगठनों का मोरेह के पास ठिकाना

सूत्रों के मुताबिक, म्यांमार के आतंकी संगठन पीडीएफ, सीडीएफ और केएनए-बी ने म्यांमार में खम्पात व बोकान में मिलिट्री बेस पर हमला करके हथियार चुराकर मोरेह के कुकी विद्रोहियों को बेचे थे। पीडीएफ और केएनए-बी ने हाओलेफाई गांव को को ठिकाना बनाया है। वे भारतीय सुरक्षा बलों के खिलाफ बड़ी लड़ाई छेड़ने की तैयारी में हैं और मौके का इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि म्यांमार के केएसए-बी और पीडीपी की मदद से कुकी विद्रोही भारतीय जवानों पर हमला कर सकते हैं। पुलिसकर्मियों को भी निशाना बना सकते हैं। कुकी समुदाय के आम लोगों का कहना है कि हम कुकी विद्रोहियों और सुरक्षा बलों के संघर्ष में पिसना नहीं चाहते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 9 जनवरी, 2024

युविचार

जिंदगी ऐसी ना जिओ..
कि लोग फरियाद करें,
बल्कि ऐसी जिओ..
कि लोग तुम्हें फिर याद करें

एनआईआरडीपीआर और एनबीए ने आर्द्रभूमि और जैव विविधता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के सहयोग से राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) द्वारा आयोजित वेटलैंड्स और जैव विविधता का 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सोमवार) को एनआईआरडीपीआर में शुरू हुआ। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 1% वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी भाग ले रहे हैं। डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडीपीआर, डॉ. सी. अचलेंदर रेड्डी, आईएफएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, एनबीए, डॉ. बी बालाजी, आईएफएस, सचिव, एनबीए, डॉ. ज्योतिस सत्यपालन, प्रोफेसर, सीएनआरएम, सीसी एंड डीएम और पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ. रवींद्र एस. गवली, प्रोफेसर और प्रमुख, सीएनआरएम, सीसी एंड डीएम ने एनआईआरडीपीआर परिसर में एसके राऊ सम्मेलन हॉल में कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। डॉ. रवीन्द्र एस. गवली ने स्वागत भाषण दिया। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, डॉ. बी बालाजी, आईएफएस, सचिव, एनबीए ने विभिन्न क्षमताओं के अधिकारियों के लिए विभिन्न अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में एनबीए और एनआईआरडीपीआर के बीच लंबे समय से पोषित संबंधों

को याद किया। कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारियों को खुद को अपडेट करने के सीमित अवसर मिलते हैं और इसलिए कार्यक्रम में केस स्टडीज और फील्ड विजिट को शामिल किया गया है। आर्द्रभूमियाँ पृथ्वी की सतह का लगभग 6 प्रतिशत भाग कवर करती हैं; हालाँकि, 40 प्रतिशत से अधिक पौधों और जानवरों की प्रजातियाँ इसमें रहती हैं और प्रजनन करती हैं। आर्द्रभूमियों का यही महत्व है,'' उन्होंने कहा। जैविक विविधता पर कन्वेंशन में, भारत एक हस्ताक्षरकर्ता है। हम गर्व से कह सकते हैं कि 192 हस्ताक्षरकर्ताओं में से, भारत कई देशों के लिए एक आदर्श है। भारत ने 2002 में जैविक विविधता अधिनियम पारित किया, और पहुंच-लाभ साझा करना इसकी प्रमुख विशेषता है, जो इसे एक जबरदस्त सफलता बनाती है, डॉ बालाजी ने कहा। डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडीपीआर ने उद्घाटन भाषण दिया। गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, उन्होंने एक शीर्ष क्षमता निर्माण संगठन, ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए एक थिंक-टैंक और एक केंद्रीय तकनीकी सहायता एजेंसी के रूप में एनआईआरडीपीआर द्वारा निभाई गई भूमिकाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा, पुडुचेरी में सहकारी चीनी मिलों के प्रबंध निदेशक के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि वे गन्ने की अधिक उपज देने वाली किस्म में रेड डॉट बीमारी के कारण पैदा हुए संकट से निपटने में किसानों की मदद कैसे कर सकते हैं, और बताया कि कैसे फसल विविधीकरण के माध्यम से एक सफलता मॉडल तैयार किया गया था। देशी किस्मों को मिलाकर. इसके अलावा, रासायनिक हथियार सम्मेलन में भाग लेने के दौरान अपने अनुभव का वर्णन करते हुए, नरेंद्र कुमार ने कहा कि कई उत्पाद गहन सौदेबाजी और बातचीत के परिणाम हैं। अपने विशेष संबोधन में, एनबीए के अध्यक्ष, आईएफएस (सेवानिवृत्त) डॉ. सी. अचलेंदर रेड्डी ने अपने पूरे करियर के दौरान विभिन्न क्षमताओं में अपने अनुभव साझा किए। महाराष्ट्र के बांस किसानों द्वारा समय से पहले फूल आने की समस्या का हवाला देते हुए, उन्होंने जैव-अर्थव्यवस्था पर ज्ञान की कमी के प्रभाव का विवरण दिया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में इकोटूरिज्म की अवधारणा को पेश करने में आने वाली चुनौतियों और यह कैसे सफल हुआ, इसके बारे में भी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मौजूदा कमियों की पहचान करके स्थितियों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।डॉ. ज्योतिस सत्यपालन, प्रोफेसर, सीएनआरएम, सीसी एंड डीएम और पाठ्यक्रम निदेशक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। वेटलैंड्स और जैव विविधता के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर क्षमता निर्माण की योजना भारतीय वन सेवा अधिकारियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिद्धांतों और शासन उपकरणों में हाल के बदलावों से परिचित कराने की है। यह कार्यक्रम विभिन्न विषयों के प्राकृतिक और सामाजिक वैज्ञानिकों से मिलकर एक ट्रांसडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाता है और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा प्रचारित जैव विविधता शासन पर भारत के मौजूदा प्रयासों में मूल्य जोड़ता है। यह एक अच्छी तरह से संरचित क्षमता निर्माण समुदाय बनाकर जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के प्रबंधन पर काम करने वाले शोधकर्ताओं और प्रशासकों के बीच राज्य और राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने में भी मदद करेगा। कार्यक्रम को जैव विविधता सम्मेलन (कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क) द्वारा निर्धारित बड़े परिप्रेक्ष्य और भारत के जैव विविधता अधिनियम 2002 में अपनाए गए शासन दृष्टिकोण के तहत डिजाइन किया गया है।

जैव विविधता अधिनियम 2002 पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'आर्द्रभूमि और जैव विविधता के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' पर क्षमता निर्माण का लक्ष्य, भारतीय वन सेवा अधिकारियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिद्धांतों और शासन उपकरणों में हाल के बदलावों से परिचित कराना है।

एचसीसीबी प्रतिनिधिमंडल ने सीएम रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक मामलों, संचार और स्थिरता (पीएसीएस) के प्रमुख हिमांशु प्रियदर्शी के नेतृत्व में हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) के एक वरिष्ठ स्तर के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें उनके बारे में जानकारी दी। कंपनी का कुल निवेश 3,000 करोड़ रुपये, जिसमें तेलंगाना में सिद्दीपेट जिले के बंदतिम्मापुर में चल रही हरित क्षेत्र परियोजना भी शामिल है। एचसीसीबी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को यह भी आश्वासन दिया कि क्षेत्र के सामुदायिक विकास में उनका योगदान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा और उनकी कंपनी तेलंगाना राज्य के विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने एचसीसीबी टीम को यह भी आश्वासन दिया कि कंपनी के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की मदद और सहयोग जारी रहेगा।

केवल बीआरएस ही तेलंगाना के हितों की रक्षा कर सकती : केटीआर

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए संसद में बीआरएस का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने तेलंगाना में आगामी लोकसभा चुनावों में त्रिकोणीय लड़ाई की भविष्यवाणी की। यह कहते हुए कि केवल बीआरएस अतीत में तेलंगाना के हितों का चैंपियन रहा है, और यह भविष्य में भी बना रहेगा। चुनावों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए पार्टी की कार्यप्रणाली में बदलाव की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, रामाराव ने आश्वासन दिया कि पार्टी कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने उनके सुझावों और आपत्तियों का स्वागत किया सोमवार को तेलंगाना भवन में निजामाबाद लोकसभा क्षेत्र की तैयारी बैठक में भाग लेते हुए, रामा राव ने विश्वास जताया कि बीआरएस निजामाबाद संसदीय क्षेत्र में अच्छे अंतर से जीत हासिल करेगी। उन्होंने बताया कि हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान निजामाबाद संसदीय क्षेत्र के तहत विधानसभा क्षेत्रों में मिले वोटों के मामले में पार्टी अग्रणी स्थिति में थी।

उन्होंने कहा कि अगर हम आगामी लोकसभा चुनावों में तेलंगाना के लोगों के हितों और प्रतिनिधित्व के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, तो हम विधानसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन की परवाह किए बिना जीत सकते हैं, उन्होंने याद दिलाया कि जीत और हार बीआरएस के लिए नई बात नहीं है।

इसके अलावा, रामा राव ने छह गारंटियों का आश्वासन देने, लेकिन विधानसभा चुनाव जीतने के लिए 420 वादे करने और सत्ता हासिल करने के बाद उनसे मुकरने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने चुनाव से पहले ऐसे वादे करने के बावजूद युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने इससे इनकार किया है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना में चल रही कई कल्याणकारी योजनाओं को खत्म करने के लिए श्वेत-पत्र और ऋण संकट के नाम पर नए नाटक कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि दलित बंधु, बीसी बंधु, गृहलक्ष्मी और अन्य योजनाओं जैसे कल्याण कार्यक्रमों को रद्द करने के किसी भी प्रयास का लाभार्थियों के साथ-साथ बीआरएस द्वारा भी कड़ा विरोध किया जाएगा। रामा राव ने रैतू बंधु योजना के तहत किसानों को भुगतान रोकने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए जनता को असुविधा पहुंचाने की कांग्रेस पार्टी की रणनीति की आलोचना की। उन्होंने जमीनी स्तर पर बीआरएस कार्यकर्ताओं से कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर करने का आह्वान किया, जो लोगों को टेढ़ी-मेढ़ी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर कर रही है।

महिलाओं ने बाजरा खाद्य व्यवसाय में सफलता हासिल की

मंचेरियल, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गतिहीन जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर आहार संबंधी आदतों के कारण होने वाली आधुनिक बीमारियों के कारण लोग अब बाजरा से बने व्यंजन खाने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें द्वितीय श्रेणी के शहरों में व्यंजन बेचने वाले स्टोर नहीं मिल पा रहे हैं। हालाँकि, मंचेरियल शहर के खाने-पीने के शौकीन शायद विभिन्न अनाजों से बने विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन और स्नैक्स खरीदने के लिए भाग्यशाली हैं।

एक अग्रणी लेकिन अभिनव उद्यम में, अन्नपूर्णा स्वयं सहायता संघ, एक स्वयं सहायता समूह की एक महिला सदस्य ने सरकार से ऋण प्राप्त करके पहली बार शहर के मध्य में एक बाजरा खाद्य भंडार की स्थापना की। उनके प्रोजेक्ट को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और खाने-पीने के शौकीन लोग आउटलेट पर विभिन्न प्रकार के लड्डुओं, गरेलू, मुरुकुलु आदि जैसे व्यंजनों की तलाश में जुट रहे हैं, जो जैविक सामग्री का उपयोग करके पकाए गए हैं।

स्टोर की मालिक ने बताया कि मैंने स्टोर स्थापित करने के लिए सोसायटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ पॉवर्टी (एसईआरपी) द्वारा दिए गए 1 लाख रुपये और प्रधान मंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड

प्रोसेसिंग एंटरप्राइजिंग स्कीम (पीएमएफएमएफपीईएस) के तहत 10.65 लाख रुपये का ऋण लिया। परियोजना का उद्देश्य जनता को स्वस्थ भोजन उपलब्ध कराना है। स्टोर को लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। बाजरा खाद्य व्यवसाय में प्रवेश करने वाली पहली महिला उद्यमी, दुर्गाभवानी ने मंचेरियल नगर पालिका से संबंधित एक वाणिज्यिक परिसर में एक कमरा किराए पर लिया। वह अपने पति महेंद्र के साथ 12 तरह के लड्डू, नमकीन, अनाज का पाउडर तैयार कर दुकान पर बेच रही हैं. वह समूह की दो महिलाओं को स्नैक्स बनाने और स्टोर व्यवस्थित करने में लगाकर आउटलेट का संचालन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वे बार्नयार्ड, फॉक्सटेल, फिंगर, लिटिल, पर्ल, प्रोसो, सोरघम या ग्रेट बाजरा, मूंग, हॉर्स ग्राम, अलसी, तिल, गुड़ और कोल्ड प्रेस्ड तेलों का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए फ्लेक्स पोस्टर का उपयोग करके बाजरा के स्वास्थ्य लाभों को भी प्रदर्शित किया है। स्टोर का औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार को कलेक्टर बी. संतोष और अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) बी. दराहुल ने किया। संतोष और राहुल ने स्टोर स्थापित करने के लिए आगे आने के लिए महिलाओं की प्रशंसा की। उन्होंने जनता को बाजरा से बने पौष्टिक व्यंजन खाकर स्वस्थ भोजन की आदतें अपनाने की सलाह दी। जहां साजा (बाजरा) गरालू की कीमत %00 रुपये प्रति किलोग्राम है, वहीं हरे चने (पेसारा) से बने लड्डू की दर 800 रुपये प्रति किलोग्राम है और मल्टी-बाजरा के लड्डू 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम में बेचे जाते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए बनाए गए गोंद के लड्डू को 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से खरीदा जा सकता है। जौ से तैयार लड्डू की कीमत 1200 किलो है. यहां बिना चीनी के व्यंजन, अनाज के पाउडर और पत्थर पर पिसी हुई मिर्च के पाउडर भी बेचे जाते हैं।

तेलंगाना के बजट में छह गारंटी पर रहेगा ध्यान

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदलती प्राथमिकताओं के साथ, 2024-25 के लिए तेलंगाना का नवीनतम बजट कांग्रेस सरकार की छह गारंटियों और अन्य नई विकास परियोजनाओं पर केंद्रित होने की संभावना है। हालांकि अगले महीने विधानसभा में पूर्ण बजट पेश करने की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन अधिकारियों ने लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा होने पर लेखानुदान बजट की संभावना से इनकार नहीं किया है।

मौजूदा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पिछली बीआरएस सरकार ने पिछले साल फरवरी में 2.9 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट पेश किया था।

वित्त विभाग के सूत्रों ने बताया कि जबकि सभी संबंधित विभागों से प्रस्ताव एकत्र किए जा रहे थे, 2024-25 के लिए राज्य का बजट पिछले वित्तीय वर्ष के परिव्यय को पार करने की संभावना थी। वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नई सरकार की प्राथमिकताओं के अनुसार, सुचारू समन्वय और परिवर्तनों को शामिल करने की सुविधा के लिए सभी विभागों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं, जिसमें संबंधित विभागों के प्रमुखों (एचओडी) को 11 जनवरी तक उन्हें ऑनलाइन जमा करने के लिए कहा गया है।

विभागाध्यक्षों को निर्धारित प्रारूप में कैडर-वार पद और मौजूदा कर्मचारियों का विवरण उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।

इसके अलावा, उन्हें बजट अभ्यास के हिस्से के रूप में, इस वर्ष शामिल होने वाले नए कर्मचारियों से संबंधित विवरण और चालू वित्तीय वर्ष के लिए संशोधित अनुमान भी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। सरकार ने स्पष्ट किया है कि संशोधित अनुमान में बजट राशि में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

राजस्व बढ़ाने और लीकेज रोकने पर ध्यान देने के सख्त निर्देश जारी किये गये। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए परिचालन व्यय और योजना व्यय के तहत खर्च की गई राशि का विवरण देते हुए विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। प्रस्ताव राज्य सरकार की बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप होने चाहिए।

वित्त विभाग ने प्रस्तावित लॉन्च तिथियों और अनुमानित परिव्यय सहित किसी भी नई योजना के लिए सटीक और तथ्य-आधारित प्रस्ताव प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। लोक निर्माण विभागों को वास्तविक आवश्यकताओं की सटीकता और अनुपालन सुनिश्चित करते हुए योजना-वार भुगतान और विवरण ऑनलाइन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

योजनाओं के संबंध में, वित्त विभाग ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से वर्ष-वार व्यय, लाभार्थियों की संख्या और प्रासंगिक डेटा प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया, और प्रस्तावों को धन के इष्टतम उपयोग के लिए विभाग-वार अनुदान सहित राज्य योजनाओं के साथ उनके जुड़ाव पर विचार करना चाहिए।

वित्त विभाग ने सरकारी विभागों, निगमों और विशेष प्रयोजन वाहनों द्वारा प्राप्त सभी ऋणों का विवरण भी मांगा। सभी विभागों को सभी बैंक खातों और संपत्तियों का विवरण जमा करने का निर्देश दिया गया. उन्हें चेतावनी दी गई कि पारदर्शिता मानकों का अनुपालन न करने को गंभीरता से लिया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

टेंडर नोटिस नं.01_जीएस_एचवायबी_24_ओटी दि.06-01-2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति युनिट, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेन्ट के माध्यम से दि.29-01-2024 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.- 01_जीएस_एचवायबी_24_ओटी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन गति शक्ति निजामाबाद स्टेशन-सीओपी .सहित प्रस्तावित नये एचएल प्लाटफार्म का निर्माण कार्य तथा प्रस्तावित यार्ड रिमाडेलिंग के साथ एप्रोच रोड व मौजूदा एफओबी का विस्तार करना। अनुमानित मूल्यः रु.5,24,18,611.62 पैसे, पूधराः रु.4,12,100.00 पैसे

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें
उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, हैदराबाद

टेंडर नोटिस सं.-43-जीएसयु-23-24-एसआर. डीइइ-एम-एचवायबी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं निर्वहणकर्ता सीनि.डीइइ/एम/एचवायबी द्वारा निम्न निविदाओं की बंद तिथि 1-2-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण या बिडर्स द्वारा अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के मामले में मैन्युएल आफर्स अस्वीकार्य होंगे एवं मैन्युएल आफर्स के प्राप्त होने पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

कार्य विवरणः निविदा सं. 43-जीएसयु-23-24-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनः 1) निजामाबाद-- अतिरिक्त या एडीशनल प्लेटफार्म्स एवं वन फुल लेन्थ डेड एन्ड स्पर की व्यवस्था हेतु यार्ड आरेंजमेन्ट्स की रिमाडेलिंग करना - बिजली व्यवस्था (2) निजामबाद-सर्कुलेटिन्ग एरिया का सुधार कार्य या इम्प्रूवमेन्ट करना-बिजली व्यवस्था। अनुमानित मूल्यःरु.1,08,19,659/-, पूधराः रु.2,04,100/-, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 1-2-2024

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

तत्संबंधित निविदा का संपूर्ण विवरण-एसआर. डीइइ/एम/एचवायबी, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071 के कार्यालय पर रखे गये नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, हैदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/42/पीए/ओटी/2022-23 दि.6-1-2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.29-01-2024 के 15.00 बजे तक, ई -निविदा आमंत्रित है।

ई-निविदा सं.-. ईटेंडर नं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/42/पीए/ओटी/2023-24, ईटेंडर नं.ई-एम-एससी-42-ओटी-2023-24, कार्य विवरणः 1. सिकंदराबाद डिवीजन बिजली रखरखाव विभाग-मौजूदा गूड्स शेड्स जैसे एमएलवाय, एसएनएजी, जेडएन, एसएनएफ-पीडीपीएल,एमसीआय, जीडीआरए, आरजीपीएम, पीआरपीएल, एलपीजेएल, जेपीटीएन, पीएनडीपी-एमयुजीआर, पीआरएलआय व जेडबी पर स्थित सुविधाओं(फैसिलिटीज) का सुधार कार्य-बिजली व्यवस्था। निविदा मूल्यः रु.8,60,06,323.83, पूधराःरु.5,80,000.00, सीटीएफः रु.0.00, पूरा करने की अवधिः 6 महिने।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता,(एम)/सिकंदराबाद
A0032

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

टीएसआरटीसी ने महिलाओं से मूल आईडी कार्ड ले जाने का किया आग्रह

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने सोमवार को महिला यात्रियों से श्रमहा लक्ष्मीश् मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाने के लिए अपने मूल पहचान पत्र दिखाने की अपील की।

पहचान पत्र में यात्री की फोटो और पता स्पष्ट रूप से दिखना चाहिए। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी कोई भी मूल पहचान पत्र इस योजना के लिए लागू है। पैन कार्ड मुफ्त यात्रा के लिए मान्य नहीं है क्योंकि इसमें कोई पता टीएसआरटीसी नहीं है। टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर ने कहा है कि प्रबंधन के संज्ञान में आया है कि बार-बार कहने के बावजूद कि मूल पहचान पत्र दिखाया जाना चाहिए, कुछ लोग अपने स्मार्ट फोन पर रंगीन फोटो कॉपी दिखा रहे हैं। इससे स्टाफ को दिक्कत हो रही है और यात्रा का समय भी बढ़ रहा है। इससे अन्य यात्रियों

को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है. सभी महिला यात्रियों से अनुरोध है कि वे मूल पहचान पत्र दिखाएं और शून्य टिकट लें। यदि आपके पास मूल पहचान पत्र नहीं है, तो हम आपसे पैसे का भुगतान करने के बाद टिकट लेने का अनुरोध करते हैं, कुछ लोग स्टाफ से इस बात पर बहस भी कर रहे थे कि जीरो टिकट क्यों लें। ये गलत है. सरकार शून्य टिकट जारी करने के आधार पर टीएसआरटीसी के पैसे की प्रतिपूर्ति करती है। अगर वे बिना शून्य टिकट के यात्रा करते हैं, तो वे संगठन के लिए नुकसानदेह होंगे। इसलिए हर महिला यात्री को जीरो टिकट मिलना चाहिए. सज्जनार ने कहा, अगर कोई बिना टिकट लिए यात्रा करता है और चेकिंग स्टाफ द्वारा पकड़ा जाता है, तो उस पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

गच्चीबोली शाखा का मकर संक्रांति कार्यक्रम 14 को

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज गच्ची बावली एवं महिला विंगशाखा का नव वर्ष एवं मकर संक्रांति कार्यक्रम एस एम आर विनय आईकॉनिया कॉपर क्लब बैंक्विट हॉल मस्जिद बांडा, कोंडापुर में सायं से संपन्न होगा, प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा के मानद मंत्री कृष्ण प्रकाश अग्रवाल ने बताया, इस कार्यक्रम के लिए सुरेश अग्रवाल अध्यक्ष ने संतोष टांटिया एवं अमित अग्रवाल (कोक्षाध्यक्ष) को संयोजक नियुक्त किया है, शाखा द्वारा प्रत्येक त्यौहार पारंपरिक रूप से एवं रीति रिवाज के अनुसार मनाए जाते हैं, इसमें तंबोला, आकर्षक गेम, कविता एवं म्यूजिकल नाइट पर्सनल सिंगर के द्वारा, बॉलीवुड म्यूजिक, नृत्य एवं अनेक गिफ्ट आदि दिए जाएंगे।

खम्मम व्यक्ति की अमेरिका में सड़क दुर्घटना में मौत

खम्मम, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पेनुबली मंडल के वीएम बंजार के एक व्यक्ति की कल रात संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक मुक्केरा साई राजीव रेड्डी, जो अमेरिका में काम करते हैं, की एक साल पहले शादी हुई थी। उनके पिता एम भूपाल रेड्डी गांव में रहते हैं।

मेरा दफ्तर सुरक्षित नहीं, सरकार शिफ्ट करे : मायावती

28 साल पहले हुए गेस्ट हाउस कांड का जिक्र किया, कहा-सपा के घिनौने कृत्यों को कोई भूला नहीं

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लगातार दूसरे दिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने 28 साल पहले हुए गेस्ट हाउस कांड का भी जिक्र किया। कहा- सपा के 2 जून 1995 के घिनौने कृत्यों को कोई भूला नहीं है। उन्होंने सरकार से मौजूदा बसपा ऑफिस को दूसरे सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का आग्रह किया। इसके बाद सोमवार को सपा महानगर अध्यक्षों के साथ बैठक के बीच अखिलेश ने मायावती को सलाह दी। उन्होंने कहा-बीजेपी वालों से कह दें, उनके पास बुलडोजर है। वह 2 मिनट में पुल तोड़ देंगे। जब यह पुल बना था तब उसे समय पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी भी उद्घाटन में आए थे। तो क्या उनके खिलाफ भी उन्होंने यह बात कही है। उधर, मायावती की इस पोस्ट के 2 घंटे बाद उनके भतीजे और उत्तराधिकारी आकाश आनंद ने X पर लिखा-चढ़ गुंडों की छाती पर बटन दबेगा हाथी पर। इससे पहले, रविवार को भी मायावती ने अखिलेश को गिरेबान में झांकने की नसीहत दी थी। मायावती के इस बयान पर जब अखिलेश से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- नो कमेंट, 100 दिन बचे हैं... बीजेपी जाएगी।

सपा से बसपा को खतरा

मायावती ने लिखा-सपा अति पिछड़ों के साथ-साथ दलित विरोधी है। चुनाव खत्म होने के बाद ही सपा फिर से अपने दलित विरोधी जातिवादी एजेंडे पर आ गई। उन्होंने गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए कहा कि सपा के 2 जून 1995 के घिनौने कृत्यों को कोई भूला नहीं है। इनकी सरकार ने कई दलित विरोधी फैसले लिए गए। मायावती ने आगे लिखा- उनकी सरकारों (सपा) में बसपा के स्टेट ऑफिस के पास ऊंचा पुल बनाने का काम किया। जहां से अराजक तत्व पार्टी दफ्तर और कर्मचारियों व राष्ट्रीय प्रमुख को हानि तक पहुंचा सकते हैं। इस वजह से पार्टी के महापुरुषों की प्रतिमाओं को वहां से हटाकर निवास पर शिफ्ट करना पड़ा। मायावती ने कहा कि सिर्फ यही नहीं, सुरक्षा के चलते ही वह ज्यादातर पार्टी की बैठक अपने आवास पर करती हैं। उन्होंने मौजूदा यूपी सरकार से बसपा के प्रदेश कार्यालय को दूसरे सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया।

बसपा कार्यालय पर हो सकती है अनहोनी...

मायावती ने यूपी सरकार से मांग की है कि वह दलित विरोधी तत्वों से सख्ती से निपटे। उनके बसपा कार्यालय में जाने पर अतिरिक्त सुरक्षा करनी पड़ती है। बसपा कार्यालय पर कोई अनहोनी भी हो सकती है। सपा सरकार के दौरान कई दलित विरोधी फैसले किए गए। इनको ध्यान में रखते हुए अराजक तत्व कर्मचारियों और पार्टी प्रमुख को हानि पहुंचा सकते हैं।

एक दिन पहले भी मायावती ने दी थी नसीहत

मायावती ने रविवार (7 जनवरी) को भी अखिलेश पर निशाना साधा था। उन्होंने सपा सुप्रीमो को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दी थी। मायावती ने लिखा था, अखिलेश को बसपा पर अनर्गल तंज कंसने से पहले अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। उन्हें देखना चाहिए कि उनका दामन भाजपा को बढ़ाने और भाजपा से मेलजोल करने में कितना दागदार है। यही नहीं, उन्होंने आगे लिखा था-तत्कालीन सपा प्रमुख ने भाजपा को संसदीय चुनाव जीतने से पहले और बाद में आशीर्वाद दिया, इसे कौन भूल सकता है। भाजपा सरकार बनने पर सपा का भाजपा के शीर्ष नेताओं से मिलना-जुलना जनता भूल नहीं सकती। ऐसे में सपा सांप्रदायिक ताकतों से लडे.तो उचित होगा।

अखिलेश यादव का मायावती को जवाब

फ्लाईओवर से दिक्कत है तो केंद्र से मांग कर बुलडोजर से ढहा दें

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अगर सपा शासन में बसपा कार्यालय के सामने बने फ्लाईओवर से बसपा सुप्रीमो मायावती को खतरा है तो उन्हें इसे बुलडोजर से ढहा देने की मांग केंद्र सरकार से करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उस समय ट्रैफिक की जरूरत को देखते हुए हमने यह है फ्लाई ओवर बनवाया था।

अखिलेश यादव ने मायावती ने उस बयान पर जवाब दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि बसपा कार्यालय के सामने बने फ्लाईओवर से उनकी सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने प्रदेश सरकार से किसी अन्य स्थान पर कार्यालय के लिए जगह देने की मांग की है। मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर दिए गए एक बयान में कहा है कि सपा सरकार में अनेकों दलित विरोधी फैसले लिए गए थे। बसपा यूपी स्टेट आफिस के पास ऊंचा पुल बनाने का कृत्य भी ऐसा ही है।

अतीक अशरफ हत्याकांड

शूटर लवलेश, सनी और अरुण के मामले की सुनवाई फिर टली

अब 24 जनवरी को तय होंगे आरोप

प्रयागराज, 8 जनवरी (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड के मुल्जिम शूटर लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्या के मामले में सुनवाई सोमवार को फिर टल गई। फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश के ट्रेनिंग पर होने के कारण सुनवाई टाल दी गई। मामले में आरोप सृजित किया जाना है। अब इस मामले की सुनवाई 24 जनवरी को होगी। तीनों आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किया जाना है। पिछली कई तारीखों से सुनवाई टल रही है। कभी अधिवक्ताओं के द्वारा मोहलत मांगने तो कभी किसी अन्य कारणों के चलते सुनवाई टालनी पड़ रही है। अतीक और अशरफ को पुलिस कस्टडी में 15 अप्रैल को कॉल्विन अस्पताल के गेट पर ही गोलियों से उड़ा दिया गया था। दोनों की हत्या पत्रकारों और कैमरे के सामने हुई थी। अतीक और अशरफ के पुलिस जीप से उतरने से लेकर हत्या के बाद सनी, लवलेश और अरुण को पुलिस की गाड़ी में बिठाने तक सारी वारदात कैमरे में कैद हुई थी। माफिया के हत्या के आरोपी शूटर लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य चित्रकूट की जिला कारागार में बंद हैं। उन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए न्यायालय में पेश किया गया। पहले वह प्रतापगढ़ की जेल में बंद थे। कुछ दिनों पहले सुरक्षा कारणों से उन्हें चित्रकूट की जेल में शिफ्ट कर दिया गया। तीनों को अलग-अलग बैरक में रखा गया है। इन पर कड़ी निगरानी भी की जा रही है।

2 दिन में 15 शहरों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

कानपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में आज 33 जिलों में घना कोहरा छाएगा। मध्य प्रदेश से सटे 2 जिलों में मूसलाधार बारिश और 5 जिलों में सामान्य बारिश होगी। वहीं, कल प्रदेश के 13 जिलों के लिए मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नए पश्चिमी विक्षोभ के आने से यूपी में 11 जनवरी तक बारिश का दौर जारी रहेगा। इसके अलावा तेज हवाएं और ओले भी गिरेंगे। पूरे प्रदेश में घने बादल छाए रहेंगे।

मुजफ्फरनगर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा

मौसम विभाग के मुताबिक, अभी तापमान में बढ़ोतरी जारी रहेगी, लेकिन ठंडक कम नहीं होगी। रविवार को मुजफ्फरनगर प्रदेश में लगातार दूसरे दिन सबसे ठंडा रहा, यहां रात का न्यूनतम तापमान 5 °C रिकॉर्ड किया गया। वाराणसी में रविवार का दिन सबसे गर्म रिकॉर्ड हुआ। यहां अधिकतम तापमान 22.6 °C दर्ज किया गया।

कोहरे में ट्रक से टकराई बस, 12 लोग घायल

घने कोहरे की वजह से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के डौकी इलाके में यात्रियों से भरी रोडवेज बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। बस रेलिंग तोड़ते हुए खाई में पलट गई। आस-पास खेतों में मौजूद किसान दौड़ आए। 12 लोग घायल हुए।

उन्हें बाहर निकाला गया। यह हादसा रात करीब 2 बजे हुआ। बस दिल्ली से आजमगढ़ के लिए जा रही थी। बस में 40 लोग सवार थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक एक्सप्रेस-वे पर सड़क के किनारे एक ट्रक खड़ा हुआ था, जिसके बगल से ड्रम रखे हुए थे। घने कोहरे के चलते बस ड्राइवर को कुछ दिखाई नहीं दिया। बस ट्रक से टकराकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई।

22 जनवरी को बंद रहेंगी सभी मांस की दुकानें

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखते हुए लखनऊ मीट कारोबारियों ने इस दिन कारोबार बंद रखने का निर्णय लिया है। मीट कारोबारियों ने इस संबंध में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को ज्ञापन सौंपा और उन्हें फैसले की जानकारी दी। ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के राष्ट्रीय सचिव शहाबुद्दीन कुरैशी ने उप मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि हम सभी लोग अवधवासी हैं। अवध क्षेत्र अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा में सद्भावना बनाये रखते हुए सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है कि दिनांक 22 जनवरी 2024 को बिल्लौचपुरा, सदर कैंट, फतेहगंज, लाटूश रोड लखनऊ के समस्त मीट व्यवसायी अपना कारोबार बंद रखेंगे।

अब्बास अंसारी को हाईकोर्ट से थोड़ी राहत

अपराध संहिता की धाराओं में जारी सम्मन रद्द

प्रयागराज, 8 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी के विरुद्ध जारी सम्मन आदेश अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने अदालत को नए सिरे से सम्मन जारी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत अपराध के लिए दाखिल चार्जशीट व केस कार्यवाही रद्द करने से इन्कार कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश अब्बास अंसारी की धारा 482 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत दाखिल याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याची पर विधान सभा चुनाव 2022 के दौरान आचार संहित उल्लंघन के आरोप में मऊ के दक्षिण टोला थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।,मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट मऊ में विचाराधीन है। इस याचिका में पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट और केस कार्यवाही रद्द करने की मांग की गई थी।

आरोप है कि गाड़ियों की चुनाव प्रचार के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। फिर भी चुनाव के दौरान काफिला निकाला। 12 फरवरी 2022 को इस मामले में अब्बास के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। याची के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने कहा कि याची के खिलाफ सियासत के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कहा याची ने गाड़ियों का काफिला नहीं निकाला, वह केवल जनसंपर्क अभियान पर थे। जिन गाड़ियों को प्रचार में ले जाने की अनुमति दी गई थी उसी को ले जाया गया था। कोर्ट ने चार्जशीट और केस कार्रवाई रद्द करने से किया इन्कार कोर्ट ने कहा धारा 171 एच के तहत अपराध नहीं बनता। इसलिए धारा 188 के अंतर्गत जारी सम्मन आदेश अवैध है।

धारा 171 एच का अपराध धारा 195 से बाधित है। जिसमें अधिकारी की शिकायत पर कंप्लेंट दाखिल की जा सकती है। पुलिस चार्जशीट पर मजिस्ट्रेट का संज्ञान लेना विधि सम्मत नहीं है। किंतु कोर्ट ने कहा यह नहीं कह सकते कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 का अपराध नहीं बनता है। इसलिए चार्जशीट व केस कार्यवाही रद्द नहीं की जा सकती। कोर्ट ने चार्जशीट व केस कार्यवाही रद्द करने से इन्कार कर दिया है।

भूटानी और ग्रुप-108 में 200 लोगों ने खपाया ब्लैक मनी

500 करोड़ रुपए के अघोषित लेनदेन, 5 करोड़ का कैश और ज्वेलरी मिली, आज खोले जाएंगे लॉकर

नोएडा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। नोएडा में चार बिल्डरों की सर्च में इनकम टैक्स विभाग को बड़ा ब्रेक मिला है। भूटानी और ग्रुप-108 में करीब 500 करोड़ के अघोषित लेनदेन मिले है। दस्तावेजों में टैक्स चोरी के अमाउंट को कैलकुलेट किया जा रहा है। इसके अलावा 5 करोड़ रुपए के आसपास की ज्वेलरी और कैश बरामद की गई है। इसके बारे में जानकारी की जा रही है।

वहीं 200 से ज्यादा लोगों के नाम सामने आए है जिन्होंने ब्लैक मनी को इन दोनों बिल्डर के यहां खपाई है। ये लोग भी अब इनकम टैक्स की रडार पर आ चुके है। मनी लॉन्ड्रिंग की जानकारी अब तक नहीं मिली है। लेकिन इस एंगल पर भी पूछताछ और दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। इनकम टैक्स ने गुरुवार को नोएडा, दिल्ली, फरीदाबाद में 37 ठिकानों पर सर्च शुरू की गई थी, जो रविवार को अब घटकर 30 स्थानों पर पहुंच चुकी है।

इसमें नोएडा में अब 16 और दिल्ली में 14 लोकेशन पर सर्च की जा रही है। सर्च का चौथे दिन टैक्स चोरी, ब्लैक मनी खपाने और एक लंबी ट्रेल मिली है। इसकी उम्मीद इनकम टैक्स विभाग को थी। अभी दो दिनों तक सर्च और जारी रहेगी। वहीं कई और बिल्डरों के यहां भी ब्लैक मनी खपाने के संकेत मिले है। जिनके दस्तावेजों की जांच भी चल रही है। अब बिल्डरों के एग्रीमेंट और सेल परचेज के मिले दस्तावेजों के आधार पर पूछताछ की जा रही है।

दस्तावेजों से स्पष्ट होता जा रहा है कि लॉजिक्स ग्रुप कॉमर्शियल स्पेस को बड़े पैमाने पर बेचने का ठेका भूटानी ग्रुप की ओर से लिया गया है। इसमें सभी की हिस्सेदारी तय है। इस सर्च में आयकर विभाग के 400 से ज्यादा कर्मी और अधिकारी लगे है।

नोएडा और दिल्ली की लोकेशन में मिले लॉकर

नोएडा और दिल्ली में कई लोकेशन पर लॉकर मिले है। इन लॉकर में क्या है इसको खोलने के लिए कहा गया है। सोमवार को इन लॉकर को खोला जाएगा। इनकी संख्या काफी ज्यादा है। बताया गया कि इन लॉकर में भी ब्लैक मनी खपाने के दस्तावेज या कैश मिल सकता है। फिलहाल जैसे जैस सर्च बढ़ती जा रही है कई अहम साक्ष्य अफसरों को मिल रहे है।

ब्लैक मनी एंगल से होगी पूछताछ

भूटानी ग्रुप की दो कंपनियां है। पहली भूटानी इंफ्रा दूसरी ग्रुप-108 है। इन दोनों से ही 500 करोड़ के अघोषित लेनदेन की जानकारी मिली है। इसलिए अब मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से भी पूछताछ और जांच की जा रही है। वहीं जिन लोगों ने अपनी ब्लैक मनी यहां खपाई उनके ट्रांजैक्शन को भी खंगाला जा रहा है। ये लोग दिल्ली-एनसीआर और मेट्रो सिटी के है।

प्राण प्रतिष्ठा : खरगे व सोनिया को निमंत्रण देने पर रामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक ने जताई नाराजगी

अयोध्या, 8 जनवरी (एजेंसियां)। रामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा है कि जो राम को नहीं मानते हैं और जो सनातन विरोधी हैं। उन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण नहीं दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व सोनिया गांधी को निमंत्रण दिए जाने पर मुख्य अर्चक ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये वहीं लोग हैं जिन्होंने कभी राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। ऐसे सनातन विरोधियों को आमंत्रण देने की जरूरत नहीं है, ऐसे लोगों को आने की जरूरत नहीं है।

एसबीआई एटीएम को तोड़ नहीं सके तो उखाड़ ले गए

बाक्स में 30 लाख कैश थे, पिकअप में लादा, फिर राजस्थान बॉर्डर की तरफ भागे

आगरा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। आगरा में एटीएम लूट की बड़ी वारदात हुई है। राजस्थान बॉर्डर से सटे कागारौल इलाके में बदमाश रविवार रात एसबीआई का एटीएम लूटने पहुंचे। यहां जब एटीएम तोड़ नहीं पाए तो उसे उखाड़ कर पिकअप में लादकर ले गए। एटीएम बॉक्स में उस वक्त करीब 30 लाख रुपए कैश था। सूचना मिलने के बाद सोमवार सुबह आगरा कमिश्नर, बैंक अधिकारी और जांच टीम मौके पर पहुंची। सीसीटीवी में करीब 5 बदमाश लूट करते हुए दिख रहे हैं। बदमाशों को घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी कम होने का फायदा मिल रहा था। पुलिस ने राजस्थान बॉर्डर का एरिया सील कर दिया है। फिलहाल बदमाशों का सुराग नहीं मिला है। वहीं इस मामले में पुलिस कमिश्नर ने घटना के बाद थाना प्रभारी कागारोल को लाइन हाजिर कर दिया है।

पत्नी की हत्या...1 साल की बेटी को गला घोटकर मारा

ललितपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ललितपुर में रविवार देर रात 24 साल की महिला और उसकी 1 साल की बेटी की हत्या कर दी गई। वारदात रात करीब 1:30 बजे की है। उस समय महिला अपनी मासूम बेटी के साथ वीडियो बना रही थी। मां के सिर पर वार करके जबकि बेटी को गला दबाकर मारा गया। हालांकि पति मामूली घायल है। पति का कहना है कि छत के रास्ते 6 बदमाश घर में घुसे। उसे बंधक बनाकर पत्नी और बेटी को मार डाला। फिर जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गए। हालांकि पुलिस पति की भूमिका को संदिग्ध मान रही है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में पिछले 12 घंटे से घर में कोई आते नहीं दिखा। जबकि घटना लूट की नहीं है। वहीं, लड़की के परिजनों ने दहेज हत्या की भी तहरीर दी है। पुलिस मामला दर्ज कर रही है। घटना कोतवाली सदर अंतर्गत मोहल्ला चांदमारी रेलवे कॉलोनी की है।

सनातन का विरोध करने वालों पर भड़के गिरिराज सिंह

इंडी गठबंधन को बताया घमंडिया, हिंदुओं और सनातन को अपमानित करना इसका मुख्य उद्देश्य

मुजफ्फरपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह सोमवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे। इस दौरान गिरिराज सिंह सनातन धर्म को कोसने वाले नेताओं पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि एक सुनियोजित साजिश के तहत देश में कुछ नेता माहौल को बिगड़ने के लिए लगातार विवादित बयान दे रहे हैं।

बिहार के शिक्षा मंत्री के विवादित बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब सूबे के उपमुख्यमंत्री खुद जब राम मंदिर पर सवाल खड़े कर रहे हैं। तब उनके मंत्रियों से भला क्या अपेक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि एक सुनियोजित साजिश के तहत सनातन धर्म पर हमला किया जा रहा है। मंत्री गिरिराज सिंह ने मौजूदा इंडी गठबंधन को घमंडियां गठबंधन करार दिया है।

हिंदुओं और सनातन को अपमानित करना इंडी गठबंधन का मुख्य एजेंडा बन गया है। इसके नेता पानी पी-पीकर हिंदुओं को गाली दे रहे हैं। लेकिन देश की जनता सब कुछ देख रही है। देश की जनता ऐसी ताकतों को आगामी लोकसभा चुनाव में करारा जवाब देगी। उन्होंने विरोधियों को नसीहत देते हुए कहा कि हिंदू चुप है इसका मतलब यह नहीं की वह कमजोर है। बता दें कि मंत्री गिरिराज सिंह जिले के सरैया प्रखंड के गोपी धनवत में भारत विकसित यात्रा के दौरान पहुंचे थे।

प्रख्यात साहित्यकार पं. हरिराम द्विवेदी का निधन

आकाशवाणी और भोजपुरी जगत के थे बड़ी शख्सियत

वाराणसी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हिंदी और भोजपुरी के प्रख्यात कवि पंडित हरिराम द्विवेदी का सोमवार दोपहर 2:30 बजे उनके आवास पर निधन हो गया। पंडित हरिराम द्विवेदी का जन्म 12 मार्च 1936 को मिर्जापुर के शेरवा गांव में हुआ था। उनके निधन की जानकारी मिलते ही शुभचिंतकों में गम का माहौल हो गया। मर्यादा इस देश की पहचान है, गंगा पूजा है, धर्म दिन है, ईमान है, गंगा जैसे प्रसिद्ध गंगा गीत सहित सैकड़ों भोजपुरी काव्य रचना करने वाले देश के ख्याति लाभ साहित्यकार पंडित हरिराम द्विवेदी हरिराम द्विवेदी का सोमवार को मोती झील स्थित आवास पर निधन हो गया। पंडित हरिराम द्विवेदी आकाशवाणी और भोजपुरी जगत की एक बड़ी शख्सियत थे। वह बहुत लोकप्रिय कवि थे।

उन्हें साहित्य अकादमी भाषा सम्मान, राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार (उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा), साहित्य भूषण (उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा), साहित्य सारस्वत सम्मान (हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग) सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए थे। साथ ही संकट मोचन संगीत समारोह सहित अनेक बड़े-बड़े समारोह में मंच साझा करते हुए दर्जनों काव्य रचनाओं का संपादन करने के साथ-साथ ही वह भोजपुरी के बहुत बड़े ख्यातिलब्ध कवि थे। समाजसेवी रामयश मिश्रा ने कहा कि भोजपुरी साहित्य का एक चमकता सितारा चला गया।

शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर बोले-मंदिर गुलामी का रास्ता

पूछा-अफसर या मंत्री बनना है तो कहां जाएंगे-स्कूल या मंदिर;जदयू ने कहा-हम मंदिर की घेराबंदी कराते हैं

सासाराम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के शिक्षा मंत्री और राजद विधायक चंद्रशेखर का कहना है कि मंदिर गुलामी का रास्ता है, जबकि शिक्षा प्रकाश का मार्ग है। फतेह बहादुर के बयान का समर्थन करते हुए मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि उन्होंने अपनी नहीं, बल्कि हमारी मां सावित्री बाई फुले की बात को दोहराया है।

हालांकि, जदयू ने शिक्षा मंत्री के बयान का विरोध किया है। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा हम मंदिर की घेराबंदी कराते हैं। बता दें कि हाल ही में आरजेडी के विधायक फतेह बहादुर सिंह ने मां सरस्वती को लेकर विवादित बयान दिया था। फतेह बहादुर सिंह ने इससे पहले मां दुर्गा पर भी विवादित बयान दिया था जिसका खूब विरोध हुआ था।

वाराणसी में ट्रेन से 2 करोड़ का सोना बरामद

वाराणसी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआई) की टीम ने म्यांमार से आए दो करोड़ के अवैध सोने के बिस्किट की खेप पकड़ ली। डीआरआई के अधिकारियों ने म्यांमार से तस्करी करने वाले महाराष्ट्र और तमिलनाडु निवासी दो तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से टीम ने तीन किलो 320 ग्राम सोना बरामद किया, जिसकी कीमत बाजार में दो करोड़ सात लाख 84 हजार 139 रुपए बताई गई है। आरोपियों से पूछताछ के बाद केस दर्ज कर जेल भेज दिया।

चारपाई में लगी आग, जिंदा जलीं छह माह की जुड़वां बहनें

मैनपुरी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के मैनपुरी स्थित कस्बा औंछा में सोमवार की दोपहर अलाव की चिंगारी से चारपाई में आग लग गई। आग में चारपाई पर सो रही दो मासूम जुड़वां बहनों की जलने से दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद घर में चीख पुकार मच गई। माता पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना क्षेत्र में मैनपुरी रोड के पास मकान बना कर रह रहे गौरव उर्फ दिलीप कुमार सोमवार की दोपहर घर के बाहर थे। पत्नी रजनी छह माह की जुड़वां पुत्रियों रिद्धि और सिद्धि को छत पर बने कमरे में निबार की चारपाई पर सुला रही थी।

दावा : भारत ने पाकिस्तान पर तान दी थीं 9 मिसाइलें

इमरान ने आधी रात फोन किया; मोदी बोले थे-ये कत्ल की रात है

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। तारीख- 27 फरवरी, साल- 2019। पुलवामा में हुए आतंकी हमले को 13 दिन हुए थे। भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर (अब ग्रुप कैप्टन) अभिनंदन वर्तमान कश्मीर में पाकिस्तानी एयरक्राफ्ट की घुसपैठ की निगरानी कर रहे थे। इस दौरान वे पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में चले गए, उनके एयरक्राफ्ट पर पाकिस्तानी एफ-16 ने मिसाइल दाग दी। अभिनंदन खुद को विमान से इजेक्ट (बाहर निकलने) करने में कामयाब रहे। हालांकि, वे पाकिस्तान की सेना के हाथ लग गए। अभिनंदन को बचाने के लिए भारत ने पाकिस्तान पर 9 मिसाइलें तान दी थीं। ये किसी भी पल फायर की जा सकती थी। ये खुलासा पूर्व हाई कमिश्नर अजय बिसारिया ने अपनी किताब- एंगर मैनेजमेंट : 'द ट्रबल्ड डिप्लोमेटिक रिलेशन्स बिटवीन इंडिया एंड पाकिस्तान' में किया है। मिसाइलों से घबराए पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आधी रात में फोन किया था।

मोदी ने इमरान खान से बात नहीं की

बिसारिया ने किताब में बताया है कि उन्हें आधी रात को इस्लामाबाद में भारत के तत्कालीन हाई कमिश्नर सोहेल महमूद का फोन आया था। उन्होंने कहा था कि इमरान खान पीएम मोदी से बात करना चाहते हैं।

बिसारिया ने दिल्ली में लोगों से बात की और महमूद से कहा कि मोदी, इमरान खान से बात करने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। कोई जरूरी मैसेज है तो वे खुद हाई कमिश्नर को दे सकते हैं। उस रात बिसारिया ने महमूद से दोबारा बात नहीं की।

बिसारिया के मुताबिक बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली में 27 फरवरी की रात को कत्ल की रात बताया था। इमरान खान ने मोदी को फोन करने के अगले ही दिन यानी 28 फरवरी को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में घोषणा की थी कि विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान की रिहाई के आदेश दे दिए हैं। पाकिस्तान ने अभिनंदन की रिहाई से दुनिया को ये दिखाने की कोशिश की थी कि वो शांति चाहता है।

हालांकि, सच तो ये था कि पाकिस्तान भारत से डर गया था। दरअसल, अमेरिका और ब्रिटेन के भारत और पाकिस्तान में मौजूद राजदूतों ने पाकिस्तान को सतर्क किया था। बिसारिया के मुताबिक, राजदूतों ने पाकिस्तान को समझाया था कि भारत अपने सैनिक को बचाने के लिए उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई कर सकता है। उनकी चेतावनियों से पाकिस्तान को इतना खतरा महसूस होने लगा था कि पाकिस्तान ने न सिर्फ अभिनंदन को रिहा करने का फैसला किया, बल्कि पुलवामा के आरोपियों पर कार्रवाई करने का भी आश्वासन देने को तैयार हो गया था। इस दौरान पाकिस्तान ने अमेरिका और ब्रिटेन के राजदूतों से 3 बार मुलाकात की थी।

भारत ने कभी आधिकारिक तौर पर ये स्वीकार नहीं किया कि पाकिस्तान पर 9 मिसाइलें तानी थी। हालांकि, बिसारिया की किताब के मुताबिक पश्चिमी देशों के राजदूतों से मुलाकात के दौरान पाकिस्तान के फॉरेन सेक्रेटरी तहमीना जंजुआ ने अपनी फौज की तरफ से भेजा एक मैसेज पढ़ा था। इसमें लिखा था कि भारत ने 9 पाकिस्तान की तरफ 9 मिसाइलें तानी हुई हैं।

अभिनंदन ने जबरदस्त बहादुरी दिखाई थी

बालाकोट में भारतीय वायुसेना की एयर स्ट्राइक से बौखलाए पाकिस्तान ने 27 फरवरी की सुबह अपने 10 लड़ाकू विमान भेज दिए। इसके बाद पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों को खदेड़ने के लिए इंडियन एयरफोर्स के इंटरसेप्टर फाइटर जेट मिग-21 ने उड़ान भरी।

इनमें से एक मिग-21 को विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान उड़ा रहे थे। उन्होंने पाकिस्तानी वायुसेना के F-16 विमान को मार गिराया। इसके लिए उनकी बहुत तारीफ हुई थी। दरअसल, F-16 एडवांस्ड फाइटर प्लेन था, जिसे अमेरिका ने बनाया है। वहीं मिग-21 रूस में बना 60 साल पुराना फाइटर प्लेन था। बाद में अभिनंदन का मिग-21 क्रैश हो गया और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जा गिरा। अभिनंदन को पहले स्थानीय लोगों और फिर पाकिस्तानी सेना ने पकड़ा और उनके साथ मारपीट की गई।

कट-आउट लगाते करंट लगने से तीन की मौत

गडग, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सुपरस्टार यश को जन्मदिन की बधाई देने के लिए उनका एक बड़ा कटआउट लगाते समय करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना कर्नाटक के गडग जिले के लक्ष्मेश्वर शहर के पास सोरानागी गांव में सोमवार तड़के हुई। घायल व्यक्तियों का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान 24 वर्षीय हनुमंत हरिजन, 20 वर्षीय मुरली नादुमणि और 20 वर्षीय नवीन गाजी के रूप में की गई है। घटना में मंजूनाथ हरिजन, प्रकाश म्यागेरी और दीपक हरिजन को गंभीर रूप से झुलस गए हैं। गांव के युवाओं का एक समूह 8 जनवरी को 'केजीएफ' सीरीज के सुपरस्टार यश के जन्मदिन के अवसर पर उनके प्रति अपने प्यार का इजहार करने के लिए कट-आउट लगा रहा था। रात में अंधेरा होने के कारण हाईटेंशन बिजली का तार नजर नहीं आया। स्थानीय विधायक चंद्रू लमानी ने लक्ष्मेश्वर के अस्पताल में घायल लोगों से मुलाकात की और घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। जिले के प्रभारी मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि उन्होंने डीसी और एसपी से जानकारी जुटाई है और मृतकों के मुआवजे के संबंध में सीएम सिद्धारमैया से चर्चा करेंगे। एसपी बी.एस. नेमागौड ने उल्लेख किया कि यश के प्रशंसकों का एक समूह, लगभग नौ सदस्य, लोहे के फ्रेम के साथ एक कट-आउट स्थापित कर रहे थे, जो बिजली के तार के संपर्क में आ गया। उन्होंने बताया कि दो घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों के दोस्तों और उनके परिवारों ने मांग की है कि यश को गांव और शोक संतप्त परिवारों से मिलना चाहिए।

सलमान खान के फार्महाउस में दो संदिग्धों ने की घुसने की कोशिश

फर्जी आईडी के साथ हुए गिरफ्तार, खुद को बताया 'भाईजान' का फैन

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सलमान खान की सुरक्षा से जुड़ा मामला सामने आया है। एक्टर इंडस्ट्री के चर्चित एक्टर हैं और फैंस उनकी एक झलक पाने का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

उनके चाहने वालों की कमी नहीं है। पिछले साल एक्टर को बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ऐसे में अब उनकी सुरक्षा में चूक की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर के पनवेल वाले फार्म हाउस में दो संदिग्ध घुसने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मामला सोमवार की सुबह का है। बताया जा रहा है कि सलमान खान के पनवेल स्थित फार्म हाउस में दो लोग घुस रहे थे। तभी दोनों को सुरक्षा कर्मियों द्वारा रोका गया। लेकिन, वो जबरदस्ती करने लगे थे। इसके बाद दोनों संदिग्धों को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

पुलिस वैन में राज्यसभा नामांकन दाखिल करने पहुंचे संजय सिंह, कोर्ट ने दी थी इजाजत

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह जेल से बाहर आ गए हैं। वह पुलिस वैन से राज्यसभा का नामांकन दाखिल करने पहुंचे। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में बंद संजय सिंह को कोर्ट के आदेश के बाद नामांकन दाखिल करने की इजाजत मिली थी। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भी सोमवार को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया।

19 जनवरी को होगा चुनाव

राज्यसभा के लिए 19 जनवरी को चुनाव होना है।

दिल्ली के लिए आम आदमी पार्टी ने तीन उम्मीदवार घोषित किए हैं। इसमें स्वाति मालीवाल को पहली बार राज्यसभा भेजा जा रहा है। वहीं आप ने संजय सिंह और एनडी गुप्ता को एक बार फिर मौका दिया है। बता दें कि पहले संजय सिंह को जेल से ही नामांकन दाखिल करने की छूट मिली थी लेकिन बाद में उनकी याचिका पर कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से नामांकन के लिए पेश होने की छूट दे दी।

4 अक्टूबर को ईडी ने किया था गिरफ्तार

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में ईडी ने संजय सिंह को 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। पिछले करीब 3 महीने से संजय सिंह जेल में बंद हैं। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने उनकी जमानत को रद्द करते हुए गंभीर टिप्पणी भी की। कोर्ट ने माना कि ईडी ने संजय सिंह के खिलाफ जो सबूत पेश किए हैं वह पृथम दृष्टया वास्तविक लगते हैं।

पंजाब में नशा तस्करों का दुस्साहस

शादी वाले घर में घुसकर किए 200 फायर, महिला को पेट में लगी गोली

फिरोजपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जीरा में नशा तस्करों ने दुस्साहस दिखाते हुए एक शादी वाले परिवार के घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की। आरोपियों ने लगभग 200 फायर किए जो घर की दीवारों, गेट, दरवाजे और खिड़कियों पर लगे। एक गोली परिवार में आई रिश्तेदार महिला के पेट में लगी है, जो गंभीर रूप से जख्मी है। उसे फरीदकोट के अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

बताया जा रहा है कि जिस परिवार पर गोलियां चलाई गई थी, उस परिवार ने कुछ दिन पहले किसी चैनल के सामने खुलासा किया था कि आरोपी नशा सरेआम बेचते हैं।

5 दिन बाद रेड खत्म : आईएमएलडी के पूर्व एमएलए दिलबाग सिंह गिरफ्तार, साथ ले गई ईडी टीम

यमुनानगर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर से इनेलो के पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के घर पर लगातार पांच दिन से चल रही ईडी की रेड अब खत्म हो गई है. सोमवार दोपहर एक बजे के करीब यह रेड खत्म हुई और ईडी टीम ने पूर्व विधायक दिलबाग सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

ईडी की तरफ से मिले दस्तावेज में लिखा गया है कि दिलबाग सिंह को 12 बजकर 15 मिनट पर गिरफ्तार किया गया है. ईडी की टीम की तरफ से दिलबाग सिंह सहित उनके परिजनों के चार आईफोन भी जब्त किए गए हैं. साथ ही दिलबाग सिंह के बेहद करीबी कुलविंदर सिंह को भी अरेस्ट किया है. ईडी ने दिलबाग सिंह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। इससे पहले, सोमवार दोपहर बाद इनेलो नेता दिलबाग सिंह के दफ्तर के बाहर काफी हलचल बढ़ गई थी. ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा था कि ईडी की टीम दिलबाग सिंह को साथ ले जाएगी. फिर कुछ देर ईडी के अफसर उन्हें साथ लेकर निकल गए. गौरतलब है कि ईडी की आधी टीम, इससे पहले शुक्रवार को यहां से ही निकल गई थी. लेकिन ईडी की कुछ गाड़ियां पूर्व विधायक के दफ्तर के बाहर ही मौजूद थीं।

लगातार चल रही थी रेड

बता दें कि 4 जनवरी को ईडी की टीम ने दिलबाग सिंह के कई ठिकानों पर एक साथ रेड डाली थी. इस दौरान उनके घर से विदेशी हथियार, शराब और गोल्ड के अलावा, 5 करोड़ रुपये कैश मिला था. इसके बाद लगातार उनके घर पर ईडी की टीम डटी हुई थी। गौरतलब है कि 48 साल के दिलबाग सिंह दो बार विधायक रहे हैं. 2009 में दिलबाग सिंह ने पहला चुनाव लड़ा और जीता था. फिर 2014 में भी वह चुनाव जीते, लेकिन 2019 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा. इनेलो नेता अभय चौटाला दिलबाग के समधी हैं. दिलबाग की बेटी की शादी अभय चौटाला के बेटे अर्जुन चौटाला से हुई थी. दिलभाग सिंह ने साल 1994 में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से बीए की पढ़ाई की थी. उनका माइनिंग और ट्रांसपोर्ट का बिजनेस है।

बॉर्डर से अंदर आते ही ड्रोन को मार गिराएगा

भारत की इस तकनीक के आगे पानी मांगेगा पाकिस्तान!

हाइलाइट्स

- **सबसे पहले पंजाब में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनाती की है तैयारी**
- **ड्रोन का पता लगाने के साथ ही उसे मार गिराने में सक्षम है यह तकनीक**
- **पाकिस्तान की ओर से आने वाले ड्रोन का कर देगा सफाया एंटी ड्रोन सीस्टम.**

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए देश में भेजे जाने वाले ड्रग्स, हथियार, गोला-बारूद और नकली नोटों जैसे मामलों को अब जल्द ही रोका जा सकेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों ने दावा किया है कि अगले छह महीनों में देश को सटीक एंटी ड्रोन सिस्टम मिल जाएगा। इसे सबसे पहले देश के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर लगाया जाएगा। इसके बाद भारत-बांग्लादेश और अन्य बॉर्डर पर इसकी तैनाती होगी।

जून तक मिल जाएगी एंटी ड्रोन तकनीक

एंटी ड्रोन की तैनाती के बाद यदि पड़ोसी देशों से कोई ड्रोन भारत की सीमा में भेजा जाता है तो न सिर्फ उसका पता चल जाएगा, बल्कि जरूरत के मुताबिक उसे शूट भी किया जा सकेगा। उम्मीद है कि जून तक देश को एंटी ड्रोन तकनीक मिल जाएगी, जिसके बाद सबसे पहले इसे पंजाब में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर लगाया जाएगा। इसके बाद जम्मू-कश्मीर बॉर्डर फिर राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर समेत अन्य तमाम सीमाओं पर इसे लगाया जाएगा।

पंजाब बॉर्डर पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने के चल रहे ट्रायल

केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि पंजाब बॉर्डर पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने के लिए तीन तरह की तकनीक के ट्रायल किए जा रहे हैं। यह भी मुमकिन है कि पंजाब बॉर्डर पर अकेले सिंगल तकनीक वाले सिस्टम को ना लगाया जाए, बल्कि कॉम्बिनेशन सिस्टम को लगाया जाए।

यानी यहां एक से अधिक तकनीक वाले सिस्टम को लगाया जाए। क्योंकि, देश में पाकिस्तान-पंजाब ही ऐसा बॉर्डर है, जहां पिछले कुछ वर्षों से सबसे अधिक ड्रोन आए हैं। बीएसएफ के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पिछले साल 1 जनवरी से 31 अक्टूबर तक देश में 90 ड्रोन जब्त किए गए थे। इनमें अकेले पंजाब बॉर्डर के पास से 81 ड्रोन बरामद किए गए थे। पिछले साल नवंबर तक करीब दो हजार किलो हेरोइन और अन्य तरह की ड्रग्स भी जब्त की गई थी।

महिला की उसकी इकलौती बेटी ने की हत्या

दामाद को कर्नाटक पुलिस ने किया गिरफ्तार

मांड्या, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मांड्या जिले के हेब्बाकावाड़ी गांव से सोमवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, इसमें एक महिला को उसके इकलौती बेटी द्वारा कथित तौर पर मार डाला गया। घटना के 13 महीने बाद पुलिस ने मामले को सुलझा लिया और महिला और उसके पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान मैसूर जिले के हारोहल्ली निवासी पीड़िता की बेटी अनुषा और उसके पति देवराजू के रूप में हुई है। देवराजू को 52 वर्षीय शरदम्मा के शव को छिपाने में अपनी पत्नी की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, अनुषा ने शरदम्मा की हत्या करने के बाद कहा कि वह किसी के साथ चली गई है। हालांकि, मैसूरु जिले के वरुणा पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था।

भरतपुर से निकली 108 फुट लंबी अगरबत्ती आगरा होते हुए पहुंचेगी अयोध्या

डेढ़ महीने तक जलकर 50KM में फैलाएगी सुगंध

भरतपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। 3610 किलो वजन की 108 फुट लंबी अगरबत्ती गुजरात से अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए ले जाई जा रही है। जो कि, सोमवार को भरतपुर के आगरा जयपुर नेशनल हाईवे होते हुए अयोध्या के लिए रवाना हुई। लोगों ने 108 फुट लंबी बत्ती का फूलों से स्वागत किया। इस दौरान कई श्रद्धालु भी नेशनल हाइवे पर पहुंचे उन्होंने जय श्री राम के नारे लगाए।

यह अगरबत्ती गुजरात में तैयार की गई है जिसको बनाने में 6 महीने लगे और इसका वजन 3610 किलो है। जिसकी लंबाई 108 फुट है। बताया जा रहा है कि, इसमें कई तरह की जड़ी बूटियां को डाला गया है। यह अगरबत्ती करीब डेढ़ महीने तक जलेगी। 108 लंबी अगरबत्ती 50 किलोमीटर के इलाके में अपनी खुशबू फैलाएगी। इस अगरबत्ती की चौड़ाई करीब साढ़े तीन फुट है। गुजरात निवासी अगरबत्ती का निर्माण करने वाले बिहाभरबाड़ ने बताया कि, अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है। जिसके लिए गुजरात में हमने इस अगरबत्ती को बनाया है। देसी गाय का गोबर देसी गाय का घी धूप सामग्री सहित अनेक प्रकार की जड़ी बूटियां इसमें मिलाई गई हैं। 3610 किलो वजन वाली 108 फुट लंबी इस अगरबत्ती की चौड़ाई साढ़े तीन फीट है। इस अगरबत्ती को जब उपयोग में लिया जाएगा तो, यह अगरबत्ती करीब डेढ़ महीने तक चलेगी और 50 किलोमीटर के एरिया में अपनी खुशबू फैलाकर नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करेगी।

डब्ल्यूएचओ ने आयुष शब्दावली को अंतरराष्ट्रीय सूची में किया शामिल, भारतीय नामों को दुनिया में मिली पहचान

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बीमारियों के भारतीय नामों को वैश्विक पहचान दिलाने में बड़ी कामयाबी मिली है। अब अमेरिका, चीन, जापान और यूके सहित सभी देश बुखार से लेकर अन्य सभी तरह की बीमारियों के भारतीय नाम भी जान सकेंगे और शोध व अनुसंधान में इनका जिक्र भी करेंगे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इंटरनेशनल क्लेसिफिकेशन ऑफ डिजीज नामक एक सूची तैयार की है, जिसमें भारतीय पारंपरिक चिकित्सा की शब्दावली को शामिल किया है। आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी सहित सभी चिकित्सा में रोगों का वर्गीकरण हुआ है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डब्ल्यूएचओ ने स्थान दिया है।10 जनवरी को भारत में डब्ल्यूएचओ और आयुष मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी संयुक्त रूप से यह सूची जारी करेंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ शोध व अनुसंधान में होगा, क्योंकि अभी भारत में इन बीमारियों को जिन नामों से जाना जाता है उनके बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानकारी नहीं होती है। उदाहरण के तौर पर वर्टिगो गिडिनेस डिसऑर्डर बीमारी एक नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर है, जिसे आयुर्वेद में भ्रमः, सिद्धा में अजल किरुकिरुप्पु और यूनानी चिकित्सा में सद्र-ओ-दुवार के नाम से जाना जाता है। पारंपरिक चिकित्सा के जरिये भारत में आकर इलाज कराने पर सरकार काफी ध्यान दे रही है। बीमारियों के भारतीय नामों का विदेश में पता चलने से वहां की स्वास्थ्य बीमा कंपनियां और योजनाओं का लाभ लेने में मरीजों को सहूलियत होगी और वे भारत में आकर अपना इलाज करवा सकें।

इंश्योरेंस कंपनी की डिप्टी मैनेजर से 39 लाख की ठगी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। एजुकेशन लोन के लिए ऑनलाइन सर्च कर रही जनरल इंश्योरेंस कंपनी की डिप्टी मैनेजर को 39 लाख रुपए का चूना लगा है। दिल्ली के रोहिणी में रहने वाली प्रतिष्ठा गर्ग तमिलनाडु के कांचीपुरम में इंश्योरेंस कंपनी में काम करती हैं। उन्होंने रोहिणी साइबर पुलिस थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्रतिष्ठा ने पुलिस को बताया कि मुझे एजुकेशन लोन चाहिए था। इसके लिए मैं ऑनलाइन ऐसी कंपनियां सर्च कर रही थी, जो एजुकेशन लोन देती हैं। तभी मुझे Sulekha.com नाम की कंपनी का लिंक मिला। मैंने कंपनी की साइट पर विजिट की। अपनी डिटेल भरी थी। इसके बाद मुझे नकुल नाम के व्यक्ति का कॉल आया। उसने खुद को लोन ब्रोकर बताया और कहा कि वह आरएस इंटरप्राइसेस नाम की किसी कंपनी में है। प्रतिष्ठा ने पुलिस को बताया कि नकुल के अलावा कंपनी के अन्य लोगों से भी मेरी बात हुई। कोई खुद को अकाउंटेंट बताता था तो कोई अन्य पदों पर होने की बात कहते थे। उन लोगों ने मुझे अपनी बातों में फंसा लिया था। प्रतिष्ठा ने पुलिस को बताया कि इन लोगों ने एजुकेशन लोन के लिए एप्लीकेशन फीस, वेरिफिकेशन चार्ज, लोन अप्रूवल फीस, एडवांस ईएमआई और एनपीसीआई अप्रूवल खर्च सहित कई सारे चार्जेज लिए।

अब आसमान से करें अयोध्या दर्शन

यूपी पर्यटन विभाग शुरू कर रहा है हेलीकॉप्टर सेवा

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। रामभक्तों का राम मंदिर बनने का इंतजार अब बस खत्म ही होने वाला है. 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है. राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारी बड़े जोरों पर चल रही हैं. अयोध्या को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है. वहां आने वाले लोगों के लिए हर सुविधा का ख्याल रखा जा रहा है. इस कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार अयोध्या के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने जा रही है.

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया, कि आगरा व मथुरा के बाद अयोध्या में पर्यटकों व श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर की सेवा शुरू की जा रही है. इस सेवा को शुरू करने की तारीख 22 जनवरी से पहले बता दी जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया, अयोध्या में एअरपोर्ट की सुविधा पहले से ही कर दी गई है. अब जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवाएं भी शुरू कर दी जाएंगी. अयोध्या में 22 जनवरी के लिये कई भव्य तैयारिया चल रही हैं. रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया का भी विवरण सामने आया है. शास्त्रों के अनुसार, प्राण- प्रतिष्ठा के समय गर्भगृह का परदा बंद रहता है. पट्टी हटाने के बाद मूर्ति को आईना दिखाया जाता हैं. मान्यता है, कि भगवान अपने नए आवास में पहले खुद का चेहरा देखते हैं. इसके बाद वे अपने धाम से भक्तों को दर्शन देते हैं. इसको लेकर विधि को पूरा कराए जाने की तैयारी की गई है. पूरे शहर को इस कार्यक्रम के लिए सजाया जा रहा है। शहर की प्रमुख सड़कों को सूरज की थीम वाले स्तंभों से सजाया जा रहा है. 30 फीट ऊंच स्तंभों पर एक सजावटी गोला बना हुआ है.

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 9 जनवरी - 2024

भारत जोड़ो न्याय यात्रा

इस चुनावी साल में देश का माहौल अपने अनुकूल बनाने की कोशिश के तौर पर जहां सत्तारूढ़ बीजेपी अयोध्या में राममंदिर से जुड़ी गतिविधियों पर अधिक से अधिक जोर दे रही है, वहीं प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का ऐलान कर दिया है। पिछले साल की भारत जोड़ो यात्रा की कामयाबी से प्रेरित कांग्रेस इस यात्रा को थोड़ा अलग रखते हुए भी चाहती है कि लोग इसे उसी यात्रा की अगली कड़ी के रूप में देखें। इसलिए भले ही लोकसभा चुनावों के मद्देनजर वक्त की कमी का हवाला देते हुए इसे हाइब्रिड मोड में रखा गया है, यानी यात्रा का बड़ा हिस्सा बस में तय होगा और बीच-बीच में पैदल मार्च भी किया जाएगा, लेकिन भारत न्याय यात्रा नाम घोषित कर देने के बाद उसे बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा किया गया तो इसके पीछे मकसद यही है कि भारत जोड़ो का संदर्भ कमजोर न पड़ जाए। यात्रा की शुरुआत हिंसा पीड़ित मणिपुर से करना अपने आप में एक बड़ा संदेश है जो कांग्रेस अधिक से अधिक प्रचारित करना चाहेगी। इसके साथ ही यात्रा के केंद्र में न्याय को रखना बताता है कि कांग्रेस इसके जरिए न सिर्फ संवैधानिक मूल्यों पर जोर देना चाहती है बल्कि यह दिखाना चाहती है कि सत्तारूढ़ पक्ष एक धर्म, एक पंथ, एक संस्कृति और एक नेता पर जोर देते हुए भारत की उस मूल दृष्टि को नुकसान पहुंचा रहा है, जो सबके साथ न्याय और सबके साथ उदारता की बदौलत भारत की बहुलता की रक्षा करती रही है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तालमेल में कमी के चलते कई जगह क्षेत्रीय विपक्षी पार्टियों के नेता उससे दूरी बरतते देखे गए थे। इस बार कांग्रेस ने पहले से ही साफ कर दिया है कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत के समय ही सभी विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के प्रयास हो रहे हैं। जहां तक इस यात्रा के प्रभावों का सवाल है तो निश्चित रूप से मौजूदा माहौल में इसकी सबसे बड़ी कसौटी आगामी लोकसभा चुनाव को ही माना जाएगा। पिछली भारत जोड़ो यात्रा के अनुभव से देखें तो उसने राहुल गांधी के पक्ष में थोडा माहौल बनाया, उन्हें एक गंभीर नेता की छवि भी दी, लेकिन चुनावी कसौटियों पर उसका असर मिला-जुला ही रहा। चुनाव में वैसे भी बहुत से कारक होते हैं। यह दूसरी यात्रा अगर कांग्रेस और विपक्षी दलों के पक्ष में माहौल बनाती है तो निश्चित रूप से उनके लिए यह एक अच्छी बात होगी, लेकिन चुनावों में इसका वे कितना फायदा उठा पाते हैं, यह उनकी तैयारी के दूसरे पक्षों पर निर्भर करेगा।

"अपमानजनक" टिप्पणियों के कारण मालदीव का बहिष्कार सही है

अशोक भाटिया

मालदीव के मंत्रियों ने शायद भारत देखा ही नहीं है। उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण की खबरें पढ़ी होंगी या मुंबई में बारिश की। जब भारतीय पर्यटक परिवार के साथ वहां छुट्टियां बिताने जाते होंगे तो उन्हें लगता होगा कि भारत में हमारे जैसा खूबसूरत बीच और द्वीप नहीं है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों जब लक्षद्वीप की तस्वीरें शेयर कीं तो मालदीव के कुछ मंत्रियों को मिर्ची लग गई। उन्हें लगा कि शायद भारत ने झटपट बीच बना लिया और अब उनका टूरिज्म वाला मुनाफा खत्म होने जा रहा है। वे भारत के प्रधानमंत्री पर उल्टे-सीधे आरोप लगाने लगे। वे भूल गए कि भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अनाप-शनाप बोलकर उन्होंने खुद अपने देश के लोगों का अहित कर दिया है। पहले पूरा मामला समझ लीजिए। दरअसल, मालदीव के तीन उप-मंत्रियों ने मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बाद सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत इस केंद्रशासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। माले में भारतीय उच्चायोग ने आपत्ति जताई तो फौरन मालदीव की सरकार को अपने तीनों मिनिस्टरों- मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला माजिद को सस्पेंड करना पड़ा। यह बयान कितना बेतुका है कि भारतीय प्रधानमंत्री अपने भूभाग पर जाते हैं तो किसी दूसरे देश का नुकसान कैसे हो गया? भारतीय संस्कृति में ही यह रचा बसा है। यहां के लोग किसी के खिलाफ नहीं सोचते और जहर उगलने वाले को छोड़ते भी नहीं। हुआ भी कुछ ऐसा ही। सोशल मीडिया 'एक्स' पर ताबड़तोड़ ट्वीट आने लगे। एक्टर सलमान खान, अक्षय कुमार और महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर जैसी मशहूर हस्तियों ने लोगों से भारत के खूबसूरत द्वीपों की यात्रा करने की अपील की। क्रिकेटर हार्दिक पंड्या, पूर्व खिलाड़ी वेंकटेश प्रसाद, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई जाने माने चेहरों ने मालदीव के मंत्रियों को खूब सुनाया। सामान्य रूप से भारत के लोग मीडिया में मालदीव घूमते हुए फिल्मी सितारों की तस्वीरें देखते रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी भारतीय सितारे वहां छुट्टी मनाते हुए तस्वीरें शेयर करते हैं। इससे मालदीव के टूरिज्म को फायदा होता है। अब लक्षद्वीप की तस्वीरें आने लगीं तब तो मालदीव को तगड़ा झटका लगना तय है। मालदीव ने फौरन गलती तो सुधार ली लेकिन जरा सोचिए जिस देश की अर्थव्यवस्था टूरिज्म पर टिकी हो और उसका पड़ोसी 142 करोड़ की जनता हो वह ऐसी गलती कैसे कर सकता है। अगर भारतीय सितारों ने मालदीव जाना बंद कर दिया तो क्या होगा? विवाद ही सही, मालदीव के लोगों को इसी बहाने भारत के बारे में थोड़ा जान-समझ लेना चाहिए। भारत के पास गोवा वाला बीच, मुंबई और विशाल दक्षिणी तट ही नहीं, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप जैसी खूबसूरत जगहें भी हैं जहां भारतीय वो सब महसूस कर सकते हैं जो मालदीव जाकर मिलता है। फिर भी अगर भारतीय उनके देश घूमने जाते हैं तो भारत को कोई दिक्कत नहीं लेकिन इस तरह से प्रधानमंत्री के खिलाफ जहर उगलकर मालदीव को फायदा नहीं होना वाला है। मालदीव के मंत्रियों को नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों से ही नहीं, अपने ही लोगों से यह समझना चाहिए कि भारत जैसा पड़ोसी नसीब से मिलता है। पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने फौरन अपने मंत्रियों की आलोचना करते हुए कहा कि भारत हमेशा से मालदीव का अच्छा दोस्त रहा है, हमें दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव नहीं डालने देना चाहिए। एक पूर्व मंत्री ने एक लाइन में अपने देश के लोगों को आगाह करते हुए कहा कि अगर भारतीयों ने मालदीव का बहिष्कार किया तो हमारी अर्थव्यवस्था पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। इसी बीच अब ट्रैवल एंड टूरिज्म कंपनी' ईज माय ट्रिप ' ने भी इस मामले को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। देश की दिग्गज ट्रैवल कंपनी ने सभी फ्लाइट्स बुकिंग को रद्द कर दिया है। कंपनी के को फाउंडर निशांत पिट्टी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी है कि मालदीव की फ्लाइट्स को रद्द किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की एकजुटता में शामिल होते हुए कंपनी ने देशहित में ये फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई 'अपमानजनक' टिप्पणियों का मुद्दा भारतीय उच्चायोग द्वारा उठाए जाने के बाद भले ही रविवार को मालदीव की सरकार ने अपने आप को बचाते हुए तीन उप मंत्रियों को कथित तौर पर निलंबित कर दिया। इन मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर ''अपमानजनक'' टिप्पणियां की थीं। भारत के सख्त रुख के बाद मालदीव सरकार ने इन बयानों से किनारा करते हुए इसे संबंधित मंत्रियों के निजी विचार करार दिए थे। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि मालदीव की सरकार विदेशी नेताओं और उच्च पदस्थ लोगों के खिलाफ सोशल मीडिया मंचों पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों से अवगत है। ये विचार व्यक्तिगत हैं और मालदीव की सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, मालदीव सरकार का मानना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल लोकतांत्रिक और जिम्मेदाराना तरीके से किया जाना चाहिए, इनसे घृणा तथा नकारात्मकता नहीं फैलनी चाहिए और मालदीव तथा उसके अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के बीच घनिष्ठ संबंधों में बाधा नहीं आनी चाहिए। उसने चेतावनी दी कि सरकार के संबंधित अधिकारी ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कोई संकोच नहीं करेंगे। इससे माना जा सकता है कि मालदीव की मुइज्जू सरकार अब बैकफुट पर है पर जो अपमान का तीर भारतीयों के अहम् को लगा है उसका घाव इतनी जल्दी भरने वाला नहीं है । गौरतलब है कि मालदीव की इकॉनमी टूरिज्म पर निर्भर है। इस देश की इकॉनमी में टूरिज्म का योगदान 28 फीसदी है। वहीं फॉरेन एक्सचेंज में 60 फीसदी योगदान टूरिज्म सेक्टर का होता है। मालदीव टूरिज्म डिपार्टमेंट के अनुसार, 2023 में यहां आए टूरिट्स में सबसे ज्यादा भारतीय थे। इसके बाद रूस और चीनी टूरिस्ट्स का स्थान है।2022 में करीब ढाई लाख भारतीय पर्यटक मालदीव पहुंचे थे। पिछले साल भी करीब दो लाख से ज्यादा पर्यटक इस द्वीपीय देश में घूमने गए थे । ताजा विवाद के बाद सोशल मीडिया पर बायकॉट मालदीव और चलो लक्षद्वीप ट्रेंड कर रहा है। हजारों भारतीयों ने मालदीव के लिए अपने फ्लाइट टिकट्स और होटल बुकिंग्स कैंसिल करा दी हैं। मालदीव के लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा आधार भी टूरिज्म ही है। यहां रोजगार में टूरिज्म का योगदान एक तिहाई से ज्यादा है। वहीं, पर्यटन से जुड़े सेक्टर्स को भी शामिल कर लें तो कुल रोजगार (डायरेक्ट और इनडायरेक्ट) में टूरिज्म की हिस्सेदारी लगभग 70 फीसदी है। अब आप समझ लीजिए कि भारतीयों ने मालदीव जाना छोड़ दिया तो इस देश की टूरिज्म इंडस्ट्री तबाह हो जाएगी। इसलिए अब मालदीव सरकार बैकफुट पर आ गई है।

भारत ने मालदीव के कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में पैसा दिया हुआ है। मालदीव में भारत का अब तक का सबसे बड़ा ग्रांट प्रोजेक्ट नेशनल कॉलेज फॉर पुलिसिंग एंड लॉ एनफोर्समेंट है। यह प्रोजेक्ट 222.98 करोड़ रुपये का है। इसका उद्घाटन विदेश मंत्री डॉ जयशंकर के दौरे के दौरान हुआ था। भारत सरकार 8.95 करोड़ रुपये की भारतीय ग्रांट के तहत माले में हुकुरु मिस्की की बहाली का भी समर्थन कर रही है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री ने जून 2019 में की थी।मालदीव चावल, फल, सब्जियां, पोल्ट्री प्रोडक्ट्स और मसाले भारत से लेता है। इसके अलावा फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग और इंडस्ट्रीयल प्रोडक्ट्स भी मालदीव भारत से खरीदता है।

क्यों कहलाने लगे मोहन यादव आते ही ताकतवर मुख्यमंत्री

ऋतुपर्ण दवे

मध्यप्रदेश में मौजूदा भाजपा सरकार के नेतृत्व परिवर्तन को शुरुआत में अलग नजरिए से देखा जा रहा था। जहां विपक्ष बगावत का धुंआ सूंघ रहा था और वहीं सत्तादल में वरिष्ठों को लेकर जबरदस्त कानाफूसी हो रही थी। लेकिन, अनुशासन को लेकर किसी भी प्रकार की चूं-चपड़ को बर्दास्त न कर, विशिष्ट कार्यशैली से पहचान बना चुके भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उस मिथक को बरकरार रखा कि मोदी-शाह की थैली में क्या है, उनके सिवाय कोई नहीं जानता। वही सच निकला। हां, शिवराज सिंह चौहान का बदला व्यव्हार और दिल्ली न जाकर मध्यप्रदेश में ही रहने की दुहाई और सक्रियता जरूर अटपटी लगती रही।

यूं तो डॉ. मोहन यादव का नाम मध्यप्रदेश की राजनीति में नया और बड़ा भी नहीं था। एक सवाल हर सबके मन में कौंधता रहा कि तमाम दिग्गजों के रहते वही क्यों? हालाकि जवाब पहले छत्तीसगढ़, बाद में राजस्थान से काफी कुछ मिला भी। भाजपा शीर्ष नेतृत्व की रणनीति कहें या पार्टी के अन्दरखाने में खुद को क्षत्रप मानने वालों को जवाब या नसीहत जो भी, एक तीर से कई निशाने साधे गए। मध्यप्रदेश में 2003 से लगातार भाजपा काबिज है, सिवाय बीच के 15 महीनों को छोड़कर। उसमें भी 17 साल मुख्यमंत्री रहे शिवराज रहे। ऐसे में नए नेतृत्व को कमान के कई मायने हैं। ऐसी ही चौंकाने वाली परिस्थितियों में 29 नवंबर 2005 को शिवराज भी मुख्यमंत्री बने थे। बाबूलाल गौर के खिलाफ बगावत के चलते नए चेहरे के तौर पर प्रमोद महाजन ने उन्हें प्रस्तावित किया जिस पर तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी की सहमति थी। 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम काफी बाद में आने से कयास लगने लगे कि इस बार शिवराज के लिए हालात मुश्किल भरे होंगे। कई बार टिकट पर संदेह हुआ। इधर मोहन यादव को नेतृत्व सौंपने की तैयारी बहुत पहले शुरू हो चुकी थी। ये बात अलग है कि तब प्रदेश राजनीति को बूझने वाले समझ नहीं पाए या समझ कर भी खामोश रहे। कई सिलसिलेवार घटनाक्रमों से कहानी साफ दिखती है। 30 सितंबर 2022 को भोपाल से दूर रातापानी गेस्ट हाउस में भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष एक बड़ा संदेश लेकर आए। वहां अचानक डॉ. मोहन यादव, विश्वास सारंग और इंदर सिंह परमार बुलाए गए। लंबी चर्चा हुई। यहीं तय हुआ कि महाकाल लोक के उद्घाटन हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर 2022 को जब उज्जैन आएंगे, सारी व्यवस्थाएं डॉ. मोहन यादव संभालेंगे। दूसरा वाकया 30 अक्टूबर 2023 का है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार खातिर उज्जैन आए। किसी पदाधिकारी के घर भोजन करना तय था, कहां सिवाय डॉ. यादव को किसी को नहीं पता था। दो घण्टे पहले पता चला उन्हीं के कट्टर समर्थक पमनानी जी के यहां भोजन करेंगे जिसकी गुप्त जानकारी डॉ. यादव ने ही गृह मंत्रालय को दी थी। प्रोटोकाल के तहत पूरा बन्दोबस्त हुआ। डिनर टेबल पर तीन लोग अमित शाह, वीडी शर्मा और डॉ. मोहन यादव को ही बैठने की इजाजत थी। भोजन पर जाते वक्त अमित शाह की कार में उनके साथ अकेले डॉ. यादव थे। भोजन के बाद अमित शाह और डॉ. यादव की आधे घण्टे बात हुई। संकेत साफ होने लगे थे। 19 नवंबर को डा. यादव को तेलंगाना प्रचार पर भेजा गया। प्रचार समाप्त होते वहीं से दिल्ली बुला लिए गए। नतीजों के बाद 6 दिसंबर को भोपाल से उज्जैन जाते वक्त बीच रास्ते दिल्ली बुलावा आया। तुरंत भोपाल लौट। फ्लाइट पकड़ी, दिल्ली पहुंचे। वहां जेपी नड्डा से 15 मिनट बात हुई। 7 दिसंबर को बात फैली तो राजनीतिक पण्डित तक गच्चा खा गए। नई चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि जातिगत समीकरण साधने उन्हें प्रदेश भाजपा की कमान दी जाएगी? 11 दिसंबर को नेता चुनने भाजपा विधायक दल की औपचारिक बैठक शुरू हुई। डॉ. यादव पीछे की पंक्ति में चुपचाप बैठे थे। पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने शिवराज सिंह के जरिए डॉ. मोहन यादव का नाम प्रस्तावित कराया, जिसका समर्थन नरेन्द्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय व अन्य ने किया। दो उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ला सहित और विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर की भी घोषणा हुई। देश-प्रदेश में लोग चौंक गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्षों पहले स्वयंसेवक के रूप में आरएसएस से जुड़े थे। ओबीसी वर्ग से आते हैं जो संघ की प्रयोगशाला कहे जाने वाले मध्यप्रदेश में पहली पसंद बने। इस तरह एक तीर से कई निशाने साधे गए। यहां 52 प्रतिशत आबादी ओबीसी की है। जिसमें यादव समाज की अच्छी आबादी है। आम-चुनाव में उप्र से जुड़े होने कारण वहां सहित बिहार और दूसरी जगह उनके जरिए जातिगत समीकरण साधने की जुगत होगी। उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर, मध्यप्रदेश की मौजूदा विधानसभा में भाजपा के कई धुरंधरों के पहुंचने से बनी ऊहापोह की स्थिति को बड़ी चतुराई से साधा गया। अभी पूरा महीना नहीं बीता कि डॉ. यादव की कार्यप्रणाली और फैसलों का मध्यप्रदेश मुरीद हो रहा है जो 2024 के आम-चुनाव में भी जबरदस्त फायदेमंद होगा।शीर्ष नेतृत्व से डॉ. यादव को शुरुआत से ही फ्री हैण्ड मिला। 2019 का वो दौर याद आता है जब शिवराज को आभार यात्राओं की इजाजत नहीं मिली, वहीं मोहन यादव ऐसी यात्राओं में सक्रिय हैं। मंत्रिमण्डल के गठन और विभाग वितरण में देरी पर चर्चाएं कुछ भी हों।

लेकिन सच यही है कि 31 मंत्रियों में सात को ही महत्वपूर्ण विभाग देना और 10 बड़े मंत्रालय अपने पास रखना, उनकी ताकत का अहसास कराता है। जिस बेफिक्री से डॉ. यादव पहले ही दिन से सक्रिय होकर सख्त और बेझिझक जनहितैषी फैसले ले रहे हैं उससे मध्यप्रदेश में जनता की सरकार होने का आम और खास सभी को भान हो रहा है। 13 दिसंबर को शपथ के बाद पहले आदेश में सभी के धार्मिक स्थलों से तेज आवाज में बजने वाले ध्वनि विस्तारकों सहित खुले में मांस की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जिससे सवाल भी उठे कि तमाम कानूनों के बावजूद पहले ये क्यों नहीं हो पाया? इधर 27 दिसंबर को गुना जिले में बस-ट्रक भिड़ंत हादसे में 13 लोगों के जिंदा जलने पर सख्त कार्रवाई कर तुरंत परिवहन आयुक्त, कलेक्टर, एसपी को हटा दिया।

लोककला के नाम पर अश्लीलता परोसना शर्मनाक

प्रियंका सौरभ

वर्तमान परिदृश्य में लोककला के नाम पर अश्लीलता परोसी जा रहा है, जो कि चिंतनीय व शर्मनाक है। यह न केवल इन परंपरागत शैलियों को धूमिल कर रहा है बल्कि 'विदेशी/वेस्टर्न के चक्कर में हम अपनी पहचान से दूर होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया या यूट्यूब, फिल्म हो या टीवी के कार्यक्रम सभी जगह फूहड़ नाच का नंगा प्रदर्शन किए जाने की परंपरा ने जोर पकड़ लिया है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर रिल्स, गानों, फिल्मों, कार्यक्रमों सबमें अश्लीलता इस कदर घर करती जा रही है कि आप अपने परिवार के साथ देख ही नहीं सकते। और रही सही कसर अब नंगे होकर रील बनाने वालों ने पूरी कर दी है। अधिकतर गाने, एलबम और सिनेमा अश्लीलता से भरपूर है। आज के लोकगीत सुनने की ही बात कर लें तो उन गानों के हर शब्द में अश्लीलता कूट-कूट कर भरा होता है। जब हम-आप परिवार के साथ मिलकर गाना नहीं सुन सकते तो यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन गानों के सीनों का क्या हाल होगा। ऊपर से अश्लीलता का कम्पीटिशन इस कदर होता जा रहा है कि एक से एक हिट एलबम, गाने बनते हैं। अश्लीलता को दिखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इस बारे में कलाकारों, गायकों से पूछ लिया जाता है तो छूटते ही कहते हैं कि यह तो पब्लिक डिमांड है। जनता यही सब देखना पसंद करती है। ऐसा न परोसें तो गाना हिट ही नहीं होगा। अब ऐसे कलाकारों को कौन समझाए कि अश्लीलता की शुरुआत तो फिल्मों व गानों के जरिए ही हमारे समाज में फैली। जिसे रोकने का कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। ऐसे मजनू कलाकारों के चक्कर में हमारा पूरा समाज दूषित होता जा रहा है। मान-मर्यादा सब छिन्न-भिन्न होता जा रहा है। यदि आज भी हम नहीं सचेते तो न जाने हमारे समाज की दशा और दिशा क्या होगी। ऐसा नहीं है कि ऐसे नृत्यों का असर नहीं हो रहा है। पिछले 5-10 सालों में जिस प्रकार का नृत्य व गाने प्रस्तुत किए है, उसने तो हमारे समाज के ताना-बाना को ही हिलाकर रख दिया है। ये मन को शांत करने के बजाय अशांत ही कर देता है। बाज़ार की लालची और मुनाफाखोर प्रवृत्ति ने एक लोककला की हत्या कर दी और अब उसके नाम पर लोगों को अश्लीलता परोस रही है। इन्टरनेट ने बेशक लोगों तक ज्यादा सूचनाएँ पहुंचाई है लेकिन इसने ग्रामीण सौंदर्यबोध और मान-मर्यादा को खंडित कर दिया। वह हर चीज को अधिक बिकाऊ बनाने के लिए अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी। कुल मिलाकर यह आसानी से देखा जा सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोनेटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनाओं पर उसने घातक प्रहार किया है। संगीत की शालीनता पर फूहड़पन भारी वातावरण को प्रदूषित कर रहे हैं आशिकमिजाज गीतकार जिससे देशभर में लम्पटीकरण भरे गीतों के प्रचलन से संस्कृति को गहरी चोट पहुंची है।आधुनिकता की चकाचौंध में हमारी संस्कृति व विरासत से जुड़े गीत न जाने कहां गुम से हो गये हैं और प्रचलन बढ़ा उन मद भरे गीतों का, जिनमें से संस्कृति व सौन्दर्य गायब होकर उपहासित हो गयी है। लम्पटीकरण के शब्द गीतों में भर आये हैं। वर्तमान में तथाकथित रचनाकारों द्वारा रचित गीतकारों, मजनू गायकों द्वारा गाये हुए गीतों में पाश्चात्य संस्कृति की तर्ज पर नंगापन आ गया है। इन अलफाजों में गीत गाने वाले गायकों को इतनी भी शर्म नहीं है कि जिस अंदाज में वे अपने शब्दों को व्यक्त कर रहे हैं व अंदाज 'जिस डाल पर बैठे हैं उसी को काटने' जैसा है। यही अंदाज संस्कृति पर गहरी चोट मार रहा है। लोक गायकों के नाम पर अश्लील लिंक्स से सोशल मीडिया बाजार भरा पड़ा है। कई चैनलों पर भी इस तरह के गीतो का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ा है। गीत बिकवाने की होड़, व्यूज और लाइक्स के जरिए पैसा कमाने की लालसा, इन सबने पहले ही संस्कृति व विरासत धूमिल कर डाली है क्योंकि गीत संगीत ही एक ऐसा माध्यम होता है जो समाज को संदेशो का पैगाम देती है। आज ये पैगाम अपनी दिशा बदल चुके हैं। विभिन्न बस स्टेशनों, चलने वाले विभिन्न जीप-कार, बसों में जो गीत सुनने को मिलते हैं उनमें छिछोरापन व लम्पटीकरण का अंदाज साफ झलकता है। इन गीतों का श्रवण विशेषकर युवा वर्ग आनंदपूर्वक करता है। कई अवसरों पर शादी-व्याह आदि उत्सवों में कुछ बुजुर्ग जन भी इस तरह के गीतों पर जमकर ठुमके लगाते हैं। सांस्कृतिक परम्परा पर चिंतन करने वाले लोग इसे लोक संगीत पर गहरी ठेस मानते हैं। आशिकी अंदाज के साथ पाश्चात्य संस्कृति की चपेट में आकर गीत गाने वाले गायक-गायिकाएं, नायक-नायिकायें धीरे'-धीरे सांस्कृतिक पहरूओं की नजर का कांटा बनते जा रहे हैं।

स्त्रियों के आर्थिक विकास से जुड़ा राष्ट्र का विकास तंत्र

संजीव ठाकुर

निश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है भारत में महिलाओं की मुक्ति का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है। स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है। विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा था। इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं। भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है। इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका में इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं।

किसके आगे बीन बजाऊँ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नई नवेली सरकार एकदम नई नवेली बहू की तरह होती है। बहू के लिए ससुराल और सरकार के लिए सत्ता के आरंभिक दिन किसी नर्सरी, एलकेजी या फिर यूकेजी से कम नहीं होते। ऐसे में उससे चाय गिर जाना, चाय का कप टूट जाना, चूल्हे पर दूध उबलकर बह जाना या दूध खुला छोड़ देने पर बिल्ली द्वारा चट कर जाना उसके दाम्पत्य जीवन के एबीसीडी वाले दिन कहलाते हैं। ऐसे में उसकी शिकायत भी नहीं कर सकते। करेंगे भी तो लोग कहेंगे कि छोड़ो भी वह तो अभी-अभी की आयी है। करत-करत अभ्यास के गाय शेरनी और नई नवेली दुल्हन घर भर पर दहाड़ मारना शुरु कर देती है। कई साल गुजर जाने पर तड़का लगाने वाला कलछुल और बहू दोनों एक जैसे लगने लगते हैं। अंतर केवल इतना होता है कि कलछुल में तेल के साथ जीरा-लहसून तड़कने लगते हैं तो घर की हर छोटी बातों में बहू अपना तड़का लगाए बिना चुप नहीं बैठती। पिछले एक साल में दस चाय कप तोड़ने वाली बहू की इंटर्नशिप समाप्त होने-होने तक उसकी सीनियारिटी उसे एक नया मुकाम देती है। वह अब चाय कप गिराने नहीं बल्कि पकड़ने का शहूर सिखाने लगती है। ऐसे में भी उससे कप गिरकर टूट जाए तो समझ जाना चाहिए कि गलती उसकी नहीं घर के किसी सदस्य की है। अब उसके अनुभव के बादल जब-तब सीख की बारिश कर ही देते हैं। अब उसकी सक्रियता सब पर भारी पड़ने लगती है। अनुभव ने उसे बहुत कुछ सिखाया है। अब वह काम कम शिकायतें ज्यादा करती हैं। पल-पल शिकायतें, भर-भर ताने। काम करते समय चोट लग जाना आम बात होती है। कभी चूल्हे के पास हाथ जल जाना, पकौड़े बनाते समय गरम तेल से बदन पर फफोले निकल आना, सब्जी काटते समय चाकू से उंगली कट जाना आदि को तब तक घर के प्रति प्यार समझती है जब तक उसे बदले में प्यार मिलता है। यदि कहीं उन्नीस-बीस हो जाता है तो समझो खैर नहीं। जला हुआ हाथ, बदन पर फफोले, कटी हुई उंगली कभी भी गृह हिंसा कानून के तहत ब्रह्मास्त्र बनकर सास-श्वसुर-ननद या फिर पति को धर दबोचने में पीछे नहीं हटते। नई नवेली सरकार नोटबंदी, तीन सौ सत्तर, तीन तलाक, जीएसटी, नए नागरिक कानून के साथ आगे आने पर उसका विरोध ठीक उसी तरह हुआ जिस तरह नई बहू का। समय और अनुभव बहुत कुछ सिखा देता है।

अब वही नई नवेली सरकार जब तक विपक्ष शोर नहीं करता तब तक चुप बैठती है। अब वह नए कानूनों फिर चाहे वह कृषि कानून जैसा फरमान ही क्यों न हो का विरोध करते हुए पाती है तो उसे दबाने के लिए सीबीआई, पुलिस, सेना, ईडी का प्रयोग करने से पीछे नहीं हटती। चूँकि अब वह नई नवेली नहीं शातिर खिलाड़ी की तरह सभी दांवपेंच सीख चुकी है, इसलिए कांटे को कांटे से, ईट का जवाब ईट से, पत्थर का जवाब पत्थर से और किसानों का जवाब सेना, पुलिस से देने का गुर भली-भांति जानती है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी की तर्ज पर सरकार भी कभी कच्ची थी.. वाली उक्ति बदलकर सरकार न कभी कच्ची थी, है और रहेगी हो गयी है।

ब्रज में भगवान कृष्ण से रूठ गईं थीं देवी लक्ष्मी

ब्रज में हर दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु अपने आराध्य श्री कृष्ण के दर्शन करने के लिए आते है। ब्रज एक ऐसा स्थान है जहां भगवान कृष्ण की लीलाओं के प्रमाण आज भी देखने को मिलते है।ऐसा ही एक स्थान है बेलवन गांव, जहां भगवान कृष्ण ने बाल रूप में माता लक्ष्मी को दर्शन दिए थे।

वृंदावन से करीब 5 किलोमीटर दूर यमुना पार क्षेत्र में स्थित है बेलवन गांव। इस गांव में माता लक्ष्मी और बाल गोपाल का मंदिर हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर 5000 साल से भी अधिक पुराना है। मंदिर सेवायत राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस स्थान का नाम बेलवन है। यहां पर लक्ष्मी माता भगवान से रूठ कर बैठ गई थी। कहा जाता है कि तब से लेकर आज तक वो एक मंदिर में कन्हैया का इंतजार कर रही हैं।

नहीं मिला था मां लक्ष्मी को रास में प्रवेश

धार्मिक मान्यता के अनुसार जब भगवान कृष्ण वृंदावन में सभी गोपियों के साथ रास कर रहे थे। तब लक्ष्मी जी भी रास में शामिल होने के लिए वृंदावन में आई थी। लेकिन राधा और उनकी सखियों ने लक्ष्मी जी को रास में प्रवेश करने नहीं दिया और लक्ष्मी जी को कहा की आपको अपने ऐश्वर्य और वैभव का घमंड है। इसीलिए आप रास में प्रवेश नहीं कर सकती। जिसके बाद लक्ष्मी जी नाराज हो गई और इस स्थान पर आ कर तपस्या करने लगी।

भगवान कृष्ण ने लगाया था खिचड़ी का भोग

जिसके बाद लक्ष्मी जी को मनाने स्वयं कृष्ण बाल रूप में आए और लक्ष्मी जी को पुकारा और कहा कि मां मैं भूखा हूं । तब लक्ष्मी जी ने कहा कि मैं तो वैकुंट से दो मुट्ठी चावल दाल ले कर आयी हूं। आप इसी का भोग लगाइये। तब भगवान कृष्ण ने स्वयं अपने हाथों से खिचड़ी बना कर लक्ष्मी जी प्रसाद लगाया था और आज भी भक्त यहां खिचड़ी का भोग लगाया जाता है।

पौष माह के पहले बृहस्पतिवार का लगता है मेला

बेलवन में पौष माह के पहले बृहस्पतिवार को मां लक्ष्मीजी के दर्शन का महत्व है। सुबह से बेलवन में श्रद्धालु पहुंचने लगते हैं। दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने कतार में घंटों इंतजार कर मां के दर्शन कर मनौती मांगते हैं। मान्यता के अनुसार पौष माह में गुरुवार के दिन ही माता लक्ष्मी धरती पर आई थी। इसीलिये इस दिन यहां मेला लगता है।

> गुस्से को तुरंत कंट्रोल कर लेना चाहिए, क्योंकि गुस्से में सही-गलत गलत शब्दों का ध्यान नहीं रहता है। आवेश में कही गई गलत बातों से रिश्ते टूट जाते हैं।

> मन अशांत होगा तो सही निर्णय ले पाना संभव नहीं है। मुश्किल समय में मन को शांत रखना बहुत जरूरी है, वर्ना मुश्किलें और ज्यादा बढ़ जाती हैं। मन शांत रखेंगे तो बड़ी-बड़ी समस्याओं के भी हल आसानी से मिल जाएंगे।

> मन अशांत होगा तो सही निर्णय ले पाना संभव नहीं है। मुश्किल समय में मन को शांत रखना बहुत जरूरी है, वर्ना मुश्किलें और ज्यादा बढ़ जाती हैं। मन शांत रखेंगे तो बड़ी-बड़ी समस्याओं के भी हल आसानी से मिल जाएंगे।

आनंद क्या है

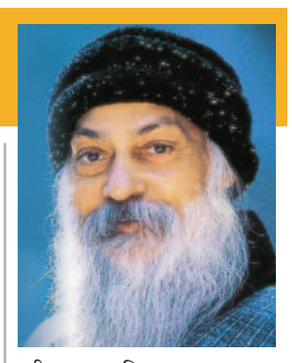

आदमी ने कहा, मैं! मैं और अपशब्द बोलता था! नहीं महाराज, मैं नहीं रहा होऊंगा, इसलिए अपशब्द बोले गए होंगे। मैं शराब में था, मैं बेहोश था, मुझे कुछ पता— नहीं कि मैंने क्या बोला, मैं नहीं था।

हम भी नहीं हैं। नींद में हम चल रहे हैं, बोल रहे हैं, बात कर रहे हैं, प्रेम कर रहे हैं, घृणा कर रहे हैं, युद्ध कर रहे हैं। अगर कोई दूर के तारे से देखे मनुष्य—जाति को, तो वह यही समझेगा कि सारी मनुष्य—जाति इस भांति व्यवहार कर रही है जिस तरह नींद में, बेहोशी में कोई व्यवहार करता हो। तीन हजार वर्षों में मनुष्य—जाति ने पंद्रह हजार युद्ध किए हैं। यह जागे हुए मनुष्य का लक्षण नहीं है। जन्म से लेकर मृत्यु तक की सारी कथा, चिंता की, दुख की, पीड़ा की कथा है। आनंद का एक क्षण भी उपलब्ध नहीं होता। आनंद का एक कण भी नहीं मिलता है जीवन में। खबर भी नहीं मिलती कि आनंद क्या है। जीवन बीत जाता है और आनंद की झलक भी नहीं मिलती। यह आदमी होश में नहीं कहा जा सकता है। दुख, चिंता, पीड़ा, उदासी और पागलपन— सारे जन्म से लेकर मृत्यु तक की कथा है।लेकिन शायद हमें पता नहीं चलता, क्योंकि हमारे चारों तरफ भी हमारे जैसे ही सोए हुए लोग हैं। और कभी अगर एकाध जागा हुआ आदमी पैदा हो जाता है, तो हम सोए हुए लोगों को इतना क्रोध आता है उस जागे हुए आदमी पर कि हम बहुत जल्दी ही उस आदमी की हत्या कर देते हैं। हम ज्यादा देर उसे बर्दाश्त नहीं करते।

जीसस को हम इसीलिए सूली पर लटका देते हैं कि तुम्हारा कसूर है कि तुम जागे हुए आदमी हो। हम सोए हुए लोगों को तुम्हें देखकर बहुत अपमानित होना पड़ता है। हम सोए हुए आदमियों के लिए तुम एक अपमानजनक चिह्न बन जाते हो कि तुम सोए हुए लोग हो। तुम्हारी मौजूदगी हमारी नींद में बाधा डालती है। हम तुम्हारी हत्या कर देंगे। हम सुकरात को जहर पिलाकर मार डालते हैं, हम मैसूर की गरदन काट डालते हैं। हम जागे हुए आदमियों के साथ वही व्यवहार करते हैं, जो पागलों की बस्ती में उस आदमी के साथ होगा, जो पागल नहीं है। आपको इसका अंदाज नहीं है।

मेरे एक मित्र पागल थे। और वह एक पागलखाने में बंद कर दिए गए। पागलपन में उन्होंने फिनाइल की एक बाल्टी, जो पागलखाने में रखी थी, वह पी गए। उसके पी जाने से उनको इतनी उल्टियां हुईं, इतने दस्त लगे कि पंद्रह दिन तक सारा शरीर रूपांतरित हो गया। उनकी सारी गर्मी जैसे शरीर से निकल गई और वह ठीक हो गए। लेकिन उन्हें छह महीने के लिए पागलघर में भेजा गया था। वह ठीक हो गए और उन्होंने मुझसे कहा कि जब मैं पागल था तब, और जब मैं ठीक हो गया उस पागलपन से और तीन महीने तक ठीक होकर जब मैं पागलघर में रहा, तब जो पीड़ा मैंने अनुभव की, उसका हिसाब लगाना बहुत मुश्किल है। जब तक मैं पागल था, तब तक कोई कठिनाई न थी, क्योंकि और सब भी मेरे जैसे लोग थे। जब मैं ठीक हो गया, तब मुझे लगा कि मैं कहौ हूं! क्योंकि मैं सो रहा हूं और दो आदमी मेरी छाती पर सवार हो गए हैं। मैं चल रहा हूं और कोई मुझे धक्के मार रहा है। उस सबका मुझे पहले कुछ भी पता नहीं चला था, क्योंकि मैं भी पागल था। मुझे यह भी पता नहीं चला था कि ये लोग पागल हैं जब तक मैं पागल था। जब मैं पागल न रहा तो मुझे पता चला कि ये सारे लोग पागल हैं। और जैसे ही मैं पागल न रहा, मैं उन सारे पागलों का शिकार बन गया। **(क्रमशः)**

दुकान के बाहर नींबू मिर्च टांगने के पीछे की क्या है धार्मिक और वैज्ञानिक मत

धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं से जुड़ी कई उपाय आज भी लोग अपना रहे हैं। इन्हीं में एक है घर और दुकान के बाहर नींबू मिर्च लटकाना। वहीं कुछ लोग अपने वाहनों में भी नींबू मिर्च लटकाते हैं। आपने भी कई घर और दुकानों के बाहर नींबू मिर्च टंगा हुआ देखा होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर ऐसा क्यों किया जाता है? क्या यह केवल एक टोटका और अंधविश्वास है या इससे कुछ वैज्ञानिक तथ्य भी जुड़े है। आइये जानते है इस खबर में।

दरअसल आपने कई लोगों के घर और दुकान के बाहर नींबू और मिर्च लटकाते हुए देखा होगा। माना जाता है इसे टांगने या लगाने से व्यापार में बुरी नजर नहीं लगती। लेकिन इस उपाय या टोटके से ज्योतिष और वैज्ञानिक महत्व भी जुड़े हुए हैं, जिसके कारण आज भी घर और दुकानों के बाहर

नींबू मिर्च लटकाने की परंपरा चली आ रही है। ज्योतिष आचार्य राजेश शास्त्री ने कहा कि घर के बहार नीबू और मिर्ची टांगने ने के पीछे की वजह यह है कि लक्ष्मी जी की बहन दरिद्रता को खट्टा और तीखा पसंद होता है। ऐसे में दुकान के बाहर मिर्ची और नीबू टांगने से दरिद्रता बाहर ही रुक जाती है और लक्ष्मी जी का वास अंदर हो जाता है। इसलिए इसे बाहर लगाया या टांगा जाता है।

क्या है प्रक्रिया

मान्यताओं के अनुसार नीबू और मिर्ची टांगने से घर में लक्ष्मी जी का वास रहता है, ज्योतिषाचार्य के अनुसार आप इसके लिए 1 नींबू और सात मिर्च सूता में बांधकर फिर इसे मंगलवार के दिन घर के बाहर लगा दें। इससे घर के अंदर पॉजिटिविटी रहेगी कभी निगेटिव ऊर्जा नही आएगी। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि हर हफ्ते नींबू- मिर्च की लटकन को बदलते रहना चाहिए, वरना इसके लाभ नहीं प्राप्त होते।

अपने बच्चों को दे भगवान राम और माता सीता के ये नाम

बच्चों के नाम का उनके व्यक्तित्व पर काफी प्रभाव पड़ता है। इसीलिए लोग सार्थक नाम चुनने का प्रयास करते हैं। अगर आप दिन-रात भगवान राम का नाम जपते हैं तो आप अपने पोते-पोतियों को राम और सीता के ये खूबसूरत नाम दे सकते हैं। हर कोई इन नामों की प्रशंसा करेगा और वे नामों का अर्थ जरूर पूछेंगे। यहां आपके नवजात बेटे और बेटी के लिए भगवान राम और सीता से प्रेरित नामों की एक सूची दी गई है।

माता सीता के नाम की सूचीः-

वैदेही- माता सीता का एक नाम। जानकी- राजा जनक की पुत्री माता सीता का नाम जानकी है।

मैथिली- मिथिला नरेश के घर जन्मी माता सीता का एक नाम मैथिली भी है।

सुनयना- माता सीता की मां का नाम सुनयना था।

अयोनि- केवल भक्तों के लिए इच्छानुसार प्रकट होने वाली माता सीता का ये नाम बिल्कुल यूनिक है।

भगवान राम के नाम की सूचीः-

वाग्मी- वाग्मी का मतलब होता है अच्छे वक्ता। भगवान राम के 108 नाम में से एक है ये नाम।

कौसलेय- माता कौशल्या के पुत्र भगवान राम का नाम कौसलेय भी है।

त्रिविक्रम- तीनों लोकों को तीन पग में नापने वाले वामन अवतार का नाम त्रिविक्रम है।

पराकाश- भगवान राम का एक नाम। पराक्ष-पराक्ष का मतलब होता है उज्ज्वल और चमकदार। भगवान राम का ये नाम बिल्कुल यूनिक है।

अयांश- अयांश का मतलब होता है रोशनी की पहली किरण। सूर्य का तेज, माता-पिता का अंश।

राघव- भगवान राम का राघव नाम काफी पुराना और मशहूर है। घर में बुलाने के लिए इस नाम से बेहतर दूसरा नाम नही है।

अनिक्रत- अनिक्रत का मतलब होता है समझदार और ऊंचे कुल का पुत्र। भगवान राम का एक नाम।

निर्वेद- भगवान के गिफ्ट को निर्वेद कहते हैं। भगवान राम के भक्त हैं और घर में जन्मे बच्चे का नाम कुछ रखना चाहते हैं तो निर्वेद नाम खूबसूरत है।

सांड देव के नाम से जाना जाता हैं जबलपुर का प्राचीन मंदिर

पूरे भारत में वैसे तो देवी देवता अपने मंदिरों में अपने वाहन के साथ विराजित रहते हैं। जिस प्रकार मां दुर्गा अपने वाहन शेर के साथ विराजित रहती हैं उसी प्रकार नारायण अपने वाहन गरुड़ के साथ विराजित रहते हैं और उसी प्रकार भोलेनाथ अपने वाहन नंदी के साथ अपने हर मंदिर में विराजित देखने को मिलते है लेकिन आज हम आपको जिस मंदिर के बारे में बताने जा रहे है, इस मंदिर की कहानी अपने आप में अद्भुत है। और यह मंदिर भी अपने आप में काफी अद्भुत है हम बात कर रहे हैं जबलपुर से करीब 60-70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित जबलपुर सिवनी रोड पर स्तिथ सांडदेव मंदिर की है।

मध्य प्रदेश के केंद्र में मां नर्मदा की गोद में बसे हुए शहर जबलपुर संस्कारधानी से करीब 60-70 किलोमीटर की दूरी पर जबलपुर सिवनी रोड पर स्थित है। यह सांड देव मंदिर है। इस मंदिर को लेकर कहानी है कि कई वर्षों

पहले जहां पर मंदिर स्थित है वहां एक सांड देव घूमा करते थे माना जाता है कि जिस किसी को भी अगर इस सांड के दर्शन हो जाए और अगर वह उसे देखकर ना डरे तो उसके सभी कार्य सिद्ध होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अगर वह सांड देव के दर्शन कर डर जाता है तो इसे दुर्भाग्य भी माना जाता है, लोगों का कहना है कि सांड देव कोई और नहीं स्वयं भोलेनाथ के वाहन नंदी के ही अवतार हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मंदिर में एक छोटी सी सांड देव की प्राचीन प्रतिमा स्थापित है, और उसी के पास बाद में मार्बल की नंदी जी की प्रतिमा बना दी गई जो करीब 50 सालों से वहां स्थापित है। यह स्थान जंगली इलाके में स्थित है। इस छोटे से सिद्ध स्थान को जनता तक पहुंचने को लेकर और इसके विकास को लेकर केंद्रीय मंत्री ने स्वयं बेड़ा उठाया है और इस सिद्ध स्थान को एक पर्यटक स्थल बनाने की जिम्मेदारी ली है। मंदिर में श्रद्धा अनुसार लोग मुर्गा, बकरा, नारियल आदि का प्रसाद चढ़ाते हैं।हर साल यहां पर काफी विशाल मेला भी लगता है जहां पर दूर-दूर से श्रद्धालु मेले का और सांड देव के दर्शन के लिए अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं।

घर की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है मोरपंख

घर की तरक्की होती है

मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोडकर देखा जाता है. अगर घर के सदस्यों की तरक्की रुक गई है तो अपने घर में मोर पंख जरूर रखें। इसके शुभ प्रभाव से घर में धन का आगमन होने लगता है।

जीवनसाथी के साथ सुधरते हैं सम्बन्ध

वैवाहिक जीवन में तनाव हो तो अपने बेडरूम में मोर पंख रखें। माना जाता है कि इससे पति-पत्नी के बीच के रिश्ते सुधरते हैं और उनके बीच प्यार बढ़ता है। मोर पंख रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

कमजोर होता है शत्रु

शत्रुओं से परेशान हों तो मोर पंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें। सुबह उठकर इस मोर पंख को चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं। इससे शत्रु कमजोर पड़ता है।

कुंडली में चंद्रमा की अशुभ दशा से मुक्ति

कुंडली में चंद्रमा की अशुभ दशा से मुक्ति पाने के लिए भी मोर पंख से जुड़े उपाय बहुत कारगर होते हैं। इसके लिए सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांधें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां रखें। गंगाजल छिडक़ते हुए 21 बार ऊं सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से मानसिक शांति मिलती है।

दूर होते हैं नवग्रह दोष

वास्तु के अनुसार मोर पंख को घर में रखने से घर के सारे दोष दूर हो जाते है। कुंडली में नवग्रह दोष हो तो मोर पंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं। इससे हर ग्रह के दोष शांत होते हैं।

घर के मुख्य द्वार पर लगाए मोर पंख

ग्रहों के अशुभ प्रभाव से परेशान हों तो मोर पंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें। अब इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे। घर के मुख्य द्वार पर 3 मोर पंख लगाकर द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं। इससे घर के सदस्यों पर भगवान की कृपा बनी रहती है।

बन जाएगा बिगड़ा काम

भगवान कृष्ण का प्रिय मोर पंख सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। अगर आप किसी कार्य को बहुत समय से करने की कोशिश कर रहे हैं या आपने कोई कार्य अच्छे उद्देश्य से किया हो मगर उसमें आपको सफलता नहीं मिली हो तो आपको अपने पास मोर पंख रखना चाहिए। मोर पंख आपके सारे रुके हुए काम को पूरे कर देता है और आपको काम में सफलता भी मिलती है।

इसके लिए आपको अपने बेडरूम में ईस्ट या साउथ ईस्ट दिशा में मोर पंख रखना चाहिए। इससे आपके सारे रुके काम पूरे होंगे और आपको अपार सफलता मिलेगी।

वास्तु सम्मत होनी चाहिए घर की रसोई, मिलती है कलह से मुक्ति

दिशा में बनवाएं किचन

वास्तु के अनुसार, घर में रसोई दक्षिण पूर्व यानी अग्नि कोण में होना बेहद जरूरी है। घर की किचन का इस दिशा में होना बहुत शुभ माना गया है। इस दिशा के अलावा आप अपने किचन को उत्तर पश्चिम या पूर्व मध्य दिशा में भी बनवा सकते हैं।

इस दिशा में बनवाएं स्लैब

इसके अलावा रसोई का सामान रखने के लिए स्लैब, अलमारी आदि को दक्षिण या पश्चिम दिशा में बनाना ठीक माना जाता है। इसके अलावा आप मसालों और अनाज को इकट्ठा करने के लिए वायव्य कोण का इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही रसोई घर की खिड़कियों को बड़ा बनाना चाहिए।

इस दिशा में रखे चूल्हा

रसोई घर में चूल्हा आग्नेय कोण में रखना चाहिए और खाना पकाने वाले का मुख पूर्व दिशा की ओर होना भी आवश्यक है, इससे धन की वृद्धि तथा स्वास्थ्य अच्छा रहता है। भोजन पकाते समय गृहणी ध्यान रखे कि कभी भी दक्षिण दिशा की ओर मुख करके भोजन नहीं बनाए अन्यथा सेहत खराब रहेगी। इस दिशा में रखे पानी का स्रोत किचन में पानी का स्रोत हमेशा उत्तर पूर्व दिशा में होना चाहिए, पीने का पानी उत्तर पूर्व दिशा में ही रखें। साथ ही वॉश वेसिंग भी इसी दिशा में बनवाएं, भूवकर भी आग्नेय कोण में पानी का स्रोत ना रखें, इससे आपको पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

इस दिशा में हो बिजली के उपकरण

अधिकतर घरों में बिजली के उपकरण जैसे माइक्रोवेव, मिक्सी आदि। इस तरह के बिजली उपकरणों को आप दक्षिण पूर्व कोने में रख सकते हैं। इसके अलावा बर्तन स्टैंड या कोई अन्य भारी वस्तु दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखें। इसके अलावा आप पूर्व और उत्तर दिशा में कोई हल्का सामान रख सकते हैं।

इस दिशा में रखें भोजन

खाना बनाने के बाद स्टोव के दाहिनी ओर रखें। ज्योतिष शास्त्र की मानें तो, इस दिशा में मां अन्नपर्णा का वास होता है। इस दिशा में भोजन रखने से मां अन्नपूर्ण का आशीर्वाद आपके परिवार पर सदैव बना रहता है तथा कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है।

ऐश्वर्या-अभिषेक के तलाक की अफवाहों पर विराम

अभिषेक की टीम को सपोर्ट करने पहुंची ऐश्वर्या राय, बेटी आराध्या और अमिताभ के साथ किया एंजॉय

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन पिछले कई दिनों से तलाक की अफवाहों के चलते सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच अब ऐश्वर्या राय को अभिषेक बच्चन की कबड्डी टीम को चीयर करते देखा गया है। ऐश्वर्या का वीडियो सामने आते ही उनके तलाक की खबरों पर विराम लग चुका है।

हाल ही में स्टार स्पोर्ट्स इंडिया द्वारा प्रो कबड्डी लीग का एक वीडियो जारी किया गया है, जिसमें ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन, आराध्या बच्चन और अमिताभ मिलकर कबड्डी टीम जयपुर पिंक पेंथर को सपोर्ट करते दिखे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि टीम को सपोर्ट करते हुए पूरा बच्चन परिवार काफी खुश नजर आ रहा है। वहीं टीम के जीतने पर पूरा परिवार खुशी से झूम उठा। बताते चलें कि अभिषेक बच्चन कबड्डी टीम जयपुर पिंक पेंथर के मालिक हैं। प्रो कबड्डी लीग के 10वें सीजन में जयपुर पिंक पेंथर का मुकाबला 7 जनवरी को यू मुंबा से हुआ था। जयपुर की टीम ने मुंबई टीम को 41-31 से हराकर जीत हासिल की है। प्रो कबड्डी लीग का मैच देखने पूरा बच्चन परिवार एक ही तरह की जर्सी पहनकर पहुंचा था। आराध्या आगे की तरफ बैठी थीं, जबकि ऐश्वर्या, अमिताभ बच्चन के साथ बैठी थीं। अभिषेक बच्चन ने भी अपनी टीम जयपुर पिंक पेंथर का मैच अपने परिवार के साथ बैठकर देखा था।

धनुष 'कैप्टन मिल्लर' में अंग्रेजों से गांव वालों की रक्षा करते दिखे, बोले- 'शैतान के बारे में सुना है? वो मैं ही हूं'

मेकर्स ने यूट्यूब पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर के मुताबिक फिल्म की कहानी आजादी से पहले की है। यह एक ऐसे शख्स की कहानी है जिसका नाम 'कैप्टन मिल्लर' है। वह अंग्रेजों के लिए डकैत तो कुछ लोगों की नजर में खूनी है। वहीं वो शख्स खुद को शैतान बुलाता है। 'कैप्टन मिल्लर' पहले ब्रिटिश आर्मी का ही सोल्जर था। वह ब्रिटिशर्स से अपने गांव वालों की रक्षा कर रहा है जो उसके गांव में छिपा खजाना लूटना चाहते हैं। 2 मिनट 54 सेकेंड के इस ट्रेलर में धनुष अपने लोगों के लिए अंग्रेजों को बेरहमी से मारते नजर आ रहे हैं। मारधाड़ से भरपूर इस ट्रेलर के अंत में एक सीन है जिसमें गांव वाले बैलगाड़ी पर अंग्रेजों की लाशें लादकर ले जा रहे हैं। वॉइस ओवर में डायलॉग आता है- 'एक भूखे भटकते शेर को जंगल में एक शिकार मिलता है.. मगर लकड़बग्घों का एक झुंड भी उसी शिकार को चुराने की फिराक में है। ऐसे में..उस शिकार को..एक भेड़िया उठाकर ले जाए तो ? क्या होगा?' फिल्म का म्यूजिक जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है।

वहीं इसका एक्शन दिलीप सुब्बारायन ने डिजाइन किया है। फिल्म की कहानी अरुण ने लिखी है और उन्होंने ही इसे डायरेक्ट भी किया है। 'कैप्टन मिल्लर' में धनुष के अलावा शिव राजकुमार, प्रियंका मोहन, सुदीप किशन, विनोथ किशन, नासर, एडवर्ड सोनेनब्लिक समेत कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म पहले पिछले साल 15 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, अब यह पोंगल के मौके पर 12 जनवरी को रिलीज होगी।

केजीएफ के बाद दस गुना बढ़ी यश की फीस अब रावण के रोल के लिए मांगे 150 करोड़

कन्नड़ सुपरस्टार यश आज अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनकी पॉपुलैरिटी 2018 में आई फिल्म केजीएफ से इस कदर बढ़ी कि वो पैन इंडिया स्टार बन गए। इस फिल्म के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। केजीएफ के बाद वो 2022 में केजीएफ 2 में नजर आए जो कि साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही।

इन दो फिल्मों ने यश को इतनी बुलंदियों पर पहुंचा दिया कि अब उन्हें कई बड़ी फिल्मों में साइन किया जा चुका है। यश के लिए ये सब आसान नहीं रहा। उनके पिता एक बस ड्राइवर थे। शुरुआत में जब यश एक्टिंग की दुनिया में कदम जमाने में लगे थे तो उन्हें बैकग्राउंड डांसर, असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर छोटे-मोटे काम करके गुजारा करना पड़ा जिसके लिए उन्हें दिनभर में केवल पचास रुपए मिलते थे। वो सालों तक टीवी एक्टर भी रहे। अब वो एक फिल्म के लिए 150 करोड़ की फीस मांग रहे हैं।

रश्मिका मंदाना से शादी करने जा रहे विजय देवरकोंडा, सगाई की तारीख हुई फिक्स? फिल्म के सेट से शुरू हुई थी लव स्टोरी

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना फिल्म 'गीता गोविंदम' की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे के नजदीक आए थे. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म किया था, जिसके बाद दोनों 'डियर कॉमरेड' में दिखे थे. यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने पर कामयाब नहीं हुई, लेकिन इससे दोनों का रिश्ता कमजोर नहीं पड़ा. लंबे अर्से से चर्चाएं हैं कि रश्मिका मंदाना हर एक त्यौहार पर विजय देवरकोंडा के घर आती हैं. इसके अलावा, ये अफवाहें भी हैं कि दोनों छुट्टियां मनाने मालदीव निकल चुके हैं.

अब सुनने में आ रहा है कि विजय-रश्मिका शादी करने जा रहे हैं. दोनों जल्दी सगाई भी करेंगे, जिससे लगता है कि दोनों के परिवारों ने रिश्ते के लिए हामी भर दी है. मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्र के हवाले से बताया गया कि सगाई फरवरी के दूसरे सप्ताह में होगी. इन दावों पर कितनी सच्चाई है, यह आगे पता चलेगा. विजय देवरकोंडा ने कुछ वक्त पहले 'खुशी' नाम की एक फिल्म में काम किया था, जिसमें सामंथा रूथ प्रभु लीड हीरोइन हैं. फिल्म 1 सितंबर 2023 को रिलीज हुई थी. विजय देवरकोंडा फिलहाल 'गीता गोविंदम' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने वाले डायरेक्टर परशुराम पेटला के निर्देशन में बन रही एक फिल्म में काम कर रहे हैं. विजय की अपकमिंग फिल्म 'फैमिली स्टार' की रिलीज डेट किन्हीं कारणों से टल गई है, जिसमें उनके अपोजिट मृणाल ठाकुर नजर आएंगी. खबर है कि फिल्म 18 फरवरी को रिलीज हो सकती है. रश्मिका मंदाना की फिल्मों की बात करें, तो वे फिलहाल तेलुगू फिल्म 'पुष्पा 2' में काम कर रही हैं, जिस में अल्लू अर्जुन लीड हीरो हैं. फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है. इसके अलावा, वे 'रेम्बो' नाम की

जब पवन सिंह ने अक्षरा सिंह को ब्रेकअप के बाद किया कॉल, एक्ट्रेस ने रो-रोकर सुनाया दर्द

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह और पावरस्टार पवन सिंह का प्यार और ब्रेकअप जगजाहिर है। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद इनके रिश्ते का अंत एक बुरे मोड़ पर हुआ था, जिसके बाद इंडस्ट्री दोनों स्टार कभी साथ नजर नहीं आए। एक्ट्रेस पहले ही अपने एक्स पर मारपीट समेत जान से मारने की धमकी जैसे कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। ऐसे में अब एक बार फिर से उन्होंने अपने रिश्ते को लेकर बात की है और आप बीती को उन्होंने रो-रोकर सुनाया है। अक्षरा ने ये भी बताया कि पवन ने ब्रेकअप और विवादों के बाद उन्हें कॉल भी किया था। चलिए बताते हैं कि भोजपुरी एक्ट्रेस ने और क्या कहा।

दरअसल, अक्षरा सिंह ने हाल ही में सोशल मीडिया स्टार और एंकर शुभांकर मिश्रा से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने उनकी और पवन सिंह के रिश्ते को लेकर सवाल किए। साथ ही इसी दौरान एंकर की ओर से ये भी सवाल किया गया कि क्यो कभी वो पवन सिंह के साथ फिर काम करेंगी? इस पर अक्षरा ने बेबाकी से जवाब दिया और कहा, 'मुझे उस इंसान का चेहरा भी याद नहीं आता तो मैं काम कैसे करूंगी। मैं उन लड़कियों में से नहीं हूं। चंद चीजें अगर नहीं होतीं तो हम भी साथ में काम कर रहे होते। अभी और भी ऐसी बातें हैं, जो मैंने नहीं कही है और कहीं ना कहीं उनके मन में भी वो होंगी। बॉलीवुड में भी है कितने लोगों का रिश्ता टूटा लेकिन फिर भी वो आज अच्छे दोस्त की तरह साथ में काम कर रहे हैं।'

अक्षरा की बात पर एंकर कहते हैं, 'लेकिन सलमान-ऐश्वर्या नहीं आए।' तो इस पर अक्षरा ने हामी भरते हुए कहा, 'हां नहीं, ये (पवन सिंह-अक्षरा) भी साथ नहीं आएंगे।' फिर एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या कभी ऐसा हुआ कि कॉल आया हो कि अब तो बड़ी एक्ट्रेस हो गई हो चलो गलती हो गई? इस पर अक्षरा ने कहा, 'हां, एक बार एक कॉल आया था। उसमें कहा गया था कि ऐसी कौन सी गलती हो गई कि इतना कुछ हो गया। मैंने तो अच्छा ही किया था। तो मैंने उचित नहीं समझा।'

वहीं, अक्षरा सिंह ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'जब उनको लगा कि लड़की अब अपने क्लच में आ गई तो उन्होंने कहा की स्टेज पर सबके सामने कहो कि तुम्हारा मुझसे अफेयर है। तुम इंडस्ट्री में बोले कि तुम्हारा मुझसे कुछ है और मैं कहती थी कि डर लगता कि सबको पता चल जाएगा। घर में पता चल जाएगा तो तुमको और भी कहीं दिखाना है कि तुम कहीं और भी कुछ एक्सप्लोर कर सकती हो। तुमको किसी और के साथ भी फ्लर्ट करना है। बहुत सी ऐसी बातें थी। जबकि मेरे मन के भीतर ऐसा नहीं था।' अक्षरा ने पवन से जुड़ा एक किस्सा याद करते हुए कहा, 'फिर एक दौर शुरू हुआ जब मुझे उनके पैर छूने थे। मुझे स्टेज पर जाना था और मुझसे कहा गया कि मेरा पैरा छूना है। क्योंकि मुझे पसंद है। मेरा पैर छूना है। लोग जैसा बोलें और मैं जैसा कहूं वैसे ही रहना है और मैं ऐसे ही रही। पैर भी छुई। मैं एक-एक बात बताऊंगी मगर रुक-रुककर कहूंगी थोड़ा टाइम लूंगी।'

अक्षरा ने की जानवरों से तुलना

अक्षरा ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'मुझे पूरी तरह से तोड़ दिया गया। डॉमिनेटिंग किया गया।' एक्ट्रेस ने रोते हुए कहा, 'जब मैं सेट पर जाती थी। मेरा पैर छूने का सीक्वेंस है अगर मैंने पैर पूरा छू लिया या फिर थोड़ा सा टच किया तो आपके कान में ऐसा कुछ बोला जाएगा कि पूरा मन विचलित हो जाता है। इससे आप इतने परेशान हो जाएंगे कि आपको ना मरते बनेगा ना जीते बनेगा।' इसके अलावा अक्षरा बताती हैं कि उनके पर टीवी तक भी फोड़ दिया जाता है। वो भी ये कंफर्म करते-करते कि किसी के साथ उनका चक्कर है या नहीं। क्योंकि उनका मानना है कि अगर एक्सेप्ट किया तो भी गलत नहीं किया तो भी गलत हो। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने इन सभी हरकतों की जानवरों से तुलना की गई।

रेड 2 में काम करने के लिए उत्साहित हैं अजय देवगन

बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन अपनी आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अजय, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी 'सिंघम अगेन' और फिल्म 'मैदान' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। वहीं, आज शनिवार को अभिनेता ने अपनी तीसरी आगामी फिल्म 'रेड 2' की आधिकारिक घोषणा करते हुए शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार गुप्ता करने जा रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में, अजय एक बार फिर आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की भूमिका निभाएंगे।

पोस्ट साझा कर कही यह बात

अजय ने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से 'रेड 2' के मुहूर्त कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में वे रवि तेजा के साथ नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में अभिनेता के साथ निर्माता भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक दिख रहे हैं। मुहूर्त की झलकियां साझा करते हुए अजय ने कैप्शन में लिखा, 'नया मामला, नई शुरुआत, रेड 2 की शूटिंग आधिकारिक तौर पर आज शुरू हो गई है।' वहीं, उन्होंने मुहूर्त की शोभा बढ़ाने के लिए साउथ अभिनेता रवि तेजा को धन्यवाद कहा। इसके अलावा अजय ने फिल्म की रिलीज डेट बताते हुए लिखा, '15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में।'

कटरीना ने बांधे विजय सेतुपति के तारीफों के पुल बोलीं- 'साथ काम करने के लिए थी उत्साहित'

अभिनेत्री कटरीना कैफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वे साउथ अभिनेता विजय सेतुपति के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबर्दस्त क्रेज है। फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर और दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं। वही, अब कटरीना कैफ ने विजय के साथ काम करने के बारे में बात की। इसके अलावा उन्होंने विजय के अभिनय की प्रशंसा की।

विजय के साथ काम करने के लिए थीं उत्साहित

कटरीना ने विजय को कास्ट करने के बारे में बात की और कहा, 'श्रीराम राघवन ने मुझे नहीं बताया था कि वे विजय को कास्ट करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि, जब उन्होंने मुझे बताया कि वे विजय को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट कर रहे हैं, तो मैंने उनका नाम गूगल पर सर्च किया। मैं विजय के फिल्म में हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित थी। जहां अन्य लोग उनकी कास्टिंग को असामान्य कह रहे हैं, मुझे ऐसा नहीं लगता।' उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा, 'मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे दो कलाकार एक बहुत ही असामान्य कहानी के लिए एक साथ आ रहे हैं।'

प्रतिभाशाली कलाकार हैं विजय

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैंने पहली बार विजय को फिल्म क्लास ऑफ 83 में नोटिस किया था।' विजय और श्रीराम दोनों ने उनसे कहा, 'उनकी फिल्म 83 नहीं, 96 है।' कटरीना ने कहा, 'सॉरी 96, मुझे वास्तव में फिल्म 96 बहुत पसंद आई थी, इसमें ऐसे कई सीन थे, जो मुझे अभी तक याद हैं।' उनकी अभिनय प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कटरीना ने कहा, 'वे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जो भी करते हैं बहुत ईमानदारी और निडर होकर करते हैं। उनके पास जीवन के प्रति एक अनोखा दृष्टिकोण है और वे उनके प्रदर्शन में दिखता है।'

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

'मेरी क्रिसमस' की बात करें, तो निर्देशक श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में कटरीना कैफ और विजय सेतुपति की मुख्य भूमिका हैं। फिल्म की शूटिंग तमिल और हिंदी में एक साथ हुई है। फिल्म के हिंदी संस्करण में इनके अलावा संजय कपूर, विनय पाठक, प्रतिमा काजमी की मुख्य भूमिकाएं हैं। इस फिल्म में राधिका आप्टे का कैमियो है। फिल्म के तमिल संस्करण में सहायक कलाकार दूसरे लिए गए हैं। यह फिल्म 12 जनवरी 2024 को रिलीज होगी।

शीतलहर से करें बचाव, सेहत पर अत्यधिक ठंड के हो सकते हैं 'जानलेवा दुष्प्रभाव'

उत्तर भारत के ज्यादातर राज्य इन दिनों भीषण ठंड और शीतलहर झेल रहे हैं। दिन का कम तापमान लोगों के लिए ठंड के इस मौसम को काफी कठिन बना सकता है। अत्यधिक ठंडा मौसम न केवल असुविधाजनक होता है बल्कि स्ट्रोक से लेकर दिल के दौरे जैसी गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का कारण भी बन सकता है। यही वजह है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस मौसम में सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, सिर्फ बच्चे-बुजुर्गों के लिए ही नहीं, युवाओं की सेहत पर भी अत्यधिक ठंड-शीतलहर का दुष्प्रभाव हो सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों में रक्त की आपूर्ति करने वाली हमारी वाहिकाएं ठंड की प्रतिक्रिया में सिकुड़ जाती हैं जिससे रक्तचाप बढ़ सकता है। लंबे समय तक ठंडे तापमान के संपर्क में रहने से हाइपोथर्मिया हो सकता है, जो मस्तिष्क के कार्य को बाधित करने के साथ तंत्रिका संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है।

शीतलहर का सीजन अस्थमा, सीओपीडी और फेफड़ों के विकारों से पीड़ित लोगों में श्वसन संबंधी लक्षणों को भी बढ़ा सकती है। आइए ठंड के कारण सेहत को होने वाली समस्याओं और इनसे बचाव के उपायों के बारे में जानते हैं।

जानलेवा हृदय की समस्याएं

बढ़ती ठंड-शीतलहर का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव हृदय स्वास्थ्य पर देखा जाता है, ठंड के दिनों में हार्ट अटैक के मामले भी बढ़ने लगते हैं। असल में ठंड के कारण वाहिकासंकुचन शुरू हो जाता है, जिससे रक्तचाप और हृदय गति बढ़ जाती है। इससे हृदय प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जो दिल का दौरा पड़ने के खतरे को बढ़ा सकती है।

ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

इसके अलावा, ठंड के कारण रक्त भी गाढ़ा हो जाता है, जिससे थक्का बनने की आशंका बढ़ जाती है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक दोनों का कारक हो सकती है।

हार्ट अटैक के अलावा ठंड के मौसम में हाइपोथर्मिया भी बड़ा खतरा रहा है, इसमें शरीर के लिए आंतरिक तापमान को स्थिर बनाए रखने में समस्या हो सकती है। यह न्यूरोलॉजिकल कार्यों को बाधित करने वाली स्थिति है जिसके कारण स्ट्रोक होने की आशंका बढ़ सकती है। सर्दियों में बढ़े हुए ब्लड प्रेशर के कारण भी स्ट्रोक होने का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ ठंड के समय में सभी लोगों को शरीर, विशेषतौर पर सिर को ढककर रखने की सलाह देते हैं।

बढ़ सकती हैं श्वसन संबंधी समस्याएं

शीतलहर-ठंडी हवा आपके वायुमार्ग के लिए समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है, जिससे अस्थमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी पहले से मौजूद स्थितियों वाले व्यक्तियों के लिए खतरा पैदा हो जाता है। ठंड के मौसम में श्वसन संबंधी समस्याएं अधिक देखी जाती रही हैं। श्वसन तंत्र पर दबाव से हृदय से संबंधित विकारों का जोखिम भी बढ़ जाता है। अस्थमा रोगियों को इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

घर के अंदर भी पनप सकता है प्रदूषण, जानिए इससे बचाव के उपाय

एक ओर बाहर फैला प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा-खासा ख़तरा है, तो वहीं घर के अंदर ख़राब होती हवा की गुणवत्ता भी धीरे-धीरे एक गंभीर मुद्दे में बदलने लग गई है जिस पर ध्यान देने की ज़रूरत है। दुनियाभर में हर साल लगभग 40 लाख मौतें घर के अंदर के वायु प्रदूषण के कारण होती हैं और विशेष रूप से भारत में, बीमारी के राष्ट्रीय आंकड़े का लगभग 4-6 फ़ीसदी, घर के अंदर के वायु प्रदूषण के कारण माना जाता है। यह एक चौंकाने वाली वास्तविकता है। जब एक तरफ़ बाहरी प्रदूषण के चलते व्यक्ति घर के अंदर रहने की सोच रहा है वहां घर के मामले में भी ऐसे आंकड़े देखने को मिलेंगे तो क्या होगा। इस स्थिति में आप कुछ उपाय कर सकते हैं जो घर के अंदर के प्रदूषण को कम करेंगे।

घर की दूषित होती हवा का असर

घर की हवा में मौजूद प्रदूषण में लंबे समय तक निरंतर रहने वालों के फेफड़ों को नुक़सान पहुंच सकता है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता है। यह सीओपीडी जैसी फेफड़े की क्रॉनिक ख़राबी के लिए एक घातक कारक है। इससे श्वासमार्ग में जलन होती है और खांसी, घरघराहट, सीने में दर्द तथा सांस लेने में तकलीफ़ हो सकती है। कई मामलों में अस्थमा जैसे लक्षण भी देखने को मिल सकते हैं।

क्या हो सकते हैं स्रोत

सर्दी के मौसम में अधिकांश लोग खाना बनाने या आग सेंकने के लिए बायोमास ईंधन का इस्तेमाल करते हैं। ये घर के अंदर वायु प्रदूषण का एक आम कारण है।

तंबाकू या ई-सिगरेट से निकलने वाला धुआं या सफ़ाई करने लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रसायन से निकलने वाला धुआं भी इसे फैला सकता है।

सुगंधित मोमबत्तियां, एयर फ्रेशनर, धूप, अगरबत्ती और मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती जैसे सामान्य घरेलू उत्पाद सांस के ज़रिए शरीर में जाने वाले कण पदार्थ (पीएम) का बड़ी मात्रा में उत्सर्जन करते हैं। यह समय के साथ जमा होकर सांस संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है।

कुछ जैविक प्रदूषक भी हैं जैसे धूल के कण, फफूंद, परागकण, रुका हुआ पानी, गद्दों और कालीन में उत्पन्न होने वाले संक्रामक तत्व आदि।

क्या हो सकते हैं उपाय

जब साफ़-सफाई कर रहे हों तो वैक्यूम मशीन का इस्तेमाल करें। और यदि नहीं है तो मास्क लगाकर दरी या कालीन जैसी चीज़ों को कमरे के बाहर जाकर झाड़ें। चाहें तो बालकनी का दरवाज़ा बंद करके वहां भी झाड़ सकते हैं। इससे धूल कमरे में नहीं रहेगी और धूल के कण आपकी सांस के साथ अंदर नहीं जाएंगे।

टेबल या प्लेटफॉर्म आदि को साफ़ करने के लिए हल्के गीले कपड़े का इस्तेमाल करें। अगर टेबल लकड़ी की है तो कपड़े या रुई को तेल की मदद से हल्का-सा भिगोकर साफ़ करें।

सफ़ाई करते समय हमेशा एन 95 मास्क पहनें या कपड़े से भी मुंह को बांध सकते हैं।

मच्छर मारने के लिक्विड को तभी चालू करें जब आप कमरे में न हों। और बंद करने के लगभग 15 मिनट बाद कमरे में जाएं।

अगरबत्ती या धूप का इस्तेमाल करते समय कमरे की खिड़कियों को खोल दें।

घर में एयर प्यूरीफायर और डीह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें।

टॉयलेट की सफ़ाई में रसायन का इस्तेमाल होता है। इसलिए एग्ज़ॉस्ट फैन को सफ़ाई से पहले ही चालू कर दें। फिर रसायन डालकर 10 मिनट के लिए दरवाज़ा बंद करके बाहर आ जाएं।

सर्दियों में कम मिल पाती है सूर्य की रोशनी कहीं हो न जाए विटामिन-डी की कमी?

हमारे शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स-प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इनमें से कुछ पोषक तत्व हमें आहार से मिलते हैं और कुछ प्रकृति और वातावरणीय स्थितियों के संपर्क में आने से प्राप्त होता है। विटामिन-डी ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जो शरीर के लिए कई प्रकार से महत्वपूर्ण है। हड्डियों को मजबूती प्रदान करने के साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक रखने के लिए हमें इसकी आवश्यकता होती है। शरीर में इस विटामिन की कमी के कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

सूर्य की रोशनी, विटामिन-डी के सबसे बेहतर स्रोतों में से एक है। हालांकि सर्दियों में जब धूप कम होती है तो शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन-डी नहीं मिल पाता है। तो क्या इस स्थिति में शरीर में विटामिन-डी की कमी हो सकती है? और इसकी पूर्ति किस प्रकार से की जा सकती है, आइए जानते हैं।

शरीर के लिए जरूरी है विटामिन-डी

हमारे शरीर को विटामिन-डी की आवश्यकता होती है उसका अधिकांश हिस्सा त्वचा द्वारा निर्मित होता है। विटामिन डी3 का उत्पादन करने के लिए त्वचा को सूर्य के प्रकाश की यूवी किरणों की आवश्यकता होती है। अध्ययनों में पाया गया है कि 8 से 10 मिनट तक शरीर के 25% हिस्से पर अगर धूप लग जाए तो ये गर्मियों

के दौरान विटामिन-डी की जरूरी मात्रा उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त है। हालांकि सर्दियों के दौरान इसके लिए लगभग दो घंटे तक सूरज के संपर्क में रहना जरूरी माना जाता है।

मछलियां और अंडे

कुछ प्रकार की मछलियां, विशेषतौर पर वसायुक्त मछलियां विटामिन-डी से भरपूर होती हैं। इन मछलियों को खाने से विटामिन डी की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। मछलियों के अलावा अंडे की जर्दी में भी विटामिन-डी पाया जाता है। अंडे की जर्दी, प्रोटीन और विटामिन जैसे अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के साथ विटामिन-डी का भी बेहतर स्रोत है। सर्दियों में इनका सेवन करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

मशरूम से कर सकते हैं पूर्ति

अगर आप शाकाहारी हैं, मछलियां और अंडे नहीं खाते हैं तो मशरूम का सेवन करना भी विटामिन डी प्राप्त करने में आपके लिए सहायक है। आहार में मशरूम को शामिल करके आप सेलेनियम, विटामिन-सी और फोलेट की भी पूर्ति कर सकते हैं। एक कप मशरूम (100 ग्राम) में 7IU विटामिन डी होता है। इसका नियमित सेवन कई प्रकार से लाभप्रद हो सकता है।

फलों से प्राप्त करें विटामिन-डी

अन्य की तुलना में संतरे और केले विटामिन-डी से भरपूर फल हैं। पालक, गोभी, सोयाबीन, सेम और कुछ प्रकार के सूखे मेवे भी इस विटामिन की पूर्ति में मददगार हो सकते हैं। वयस्कों को प्रतिदिन 15 माइक्रोग्राम की मात्रा में इस विटामिन की जरूरत होती है, ऐसे में आप अपने लिए पौष्टिक आहारों का चयन करके विटामिन डी की पूर्ति कर सकते हैं।

बॉडी बनाने के लिए प्रोटीन कितना लें : वजन, जेंडर और उम्र से तय होती खाने की मात्रा

प्रोटीन शरीर की प्रत्येक कोशिका और टिश्यू में पाया जाता है। प्रोटीन मसल्स बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह मसल्स के टिश्यू की मरम्मत और रखरखाव में मदद करता है। द अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन के मुताबिक सामान्य वयस्क व्यक्ति को शरीर के प्रति किलोग्राम पर 0.8 ग्राम प्रोटीन लेना जरूरी होता है। लेकिन नए रिसर्च में सामने आया है कि मसल्स बनाने वाले व्यक्ति को इससे अधिक प्रोटीन लेने की जरूरत पड़ती है।

शरीर की आवश्यकता से कम प्रोटीन लेने से मांसपेशिया कमजोर पड़ती है। न्यूट्रिशन के मानक से ज्यादा प्रोटीन लेता है तो शरीर की ताकत बढ़ेगी और बदन गठीला बनेगा। आज टेकअवे में प्रोटीन पर चर्चा करते हैं।

ब्लड ग्रुप के हिसाब से चुनें डाइट:O ब्लड ग्रुप वाले प्रोटीन, A वाले साग-सब्जी, B वाले दूध, AB वाले खाएं बादाम

ब्लड ग्रुप डाइट को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। नैचुरोपैथी फिजिशियन पीटर जे डी एडेमो ने 1996 में 'ईट राइट फोर योर टाइप' की थ्योरी दी।इस ब्लड टाइप डाइट को लोगों ने न सिर्फ वजन कम करने के लिए बल्कि बीमारियों से दूर रहने के लिए भी अपनाया। इस थ्योरी के अनुसार, जो खाना हम खाते हैं वह ब्लड से रिएक्ट करता है। यदि ब्लड ग्रुप के अनुसार डाइट चुनते हैं तो खाना पचेगा और बीमारियां भी दूर रहेंगी।

कितनी प्रोटीन जरूरी

हेल्दी व्यक्ति को रोज अपनी कैलोरी का 10-35% प्रोटीन से लेना चाहिए। एक ग्राम प्रोटीन से 4 कैलोरी मिलती है।

इसका मतलब यह है कि जो व्यक्ति रोज 2,000 कैलोरी खाता है, उसे प्रतिदिन 50 से 175 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होगी।

जो व्यक्ति मसल्स बनाने के लिए रोज एक्सरसाइज कर रहा है उसे ऊपर बताए मुताबिक प्रोटीन लेना चाहिए।

जब मसल्स बनाने की बात आती है, तो एक व्यक्ति को रोज प्रोटीन लेने की मात्रा उम्र, जेंडर, एक्टिविटीज, हेल्थ और अन्य स्थितियों पर निर्भर करती है।

क्या टॉन्सिल का आयुर्वेदिक में उपचार है?

प्रश्न : मेरी 12 साल की बेटी के टॉन्सिल अक्सर बड़े हो जाते हैं। डॉक्टर इसे ऑपरेशन से निकाल देने की सलाह देते हैं । क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है? कृपया कर बताएं।

- अप्पा राव, मेडचल

उत्तर : टॉन्सिल ग्रंथि हमारे पाचन तंत्र की पहली सुरक्षा कड़ी है। भोजन या किसी भी पेय में जो हानिकारक जैव तत्व होते हैं - टांसिल या तुंडीकेरी ग्रंथि उसे पहले ही खत्म कर देती हैं। आज पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान के दिग्गज शल्य चिकित्सक भी एकमत से स्वीकार करते हैं कि टांसिल को जहां तक हो सके बचाना चाहिए, उसे निकालना या टांसिलेक्टमी को जहां तक हो सके टालना या नहीं करना चाहिए। कंठशोध, गलग्रंथिशोथ या टुंडीकेरिशोथ का आयुर्वेद में उपचार है।

ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस की 25 टिकिया, सितोपलादि चूर्ण 100 ग्राम, अभ्रक भस्म 1000 पुटी एक ग्राम, गिलोय सत्व 100 ग्राम, यष्टिमधु चूर्ण 100 ग्राम, श्रृंग भस्म 10 ग्राम को पूरा मिलाकर एक जीव कर लें। इसे सुरक्षित डब्बी में भर लें। इसे 3 ग्राम की मात्रा में सुबह - दोपहर- शाम भोजन के पहले शहद में मिलाकर चटाएं। भोजन के बाद औरा एलेक्झी टिकिया, ऊंझा कांचनार गुग्गुलु एवं ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी गुनगुने पानी से दें। हर बार भोजन या कोई भी पेय लेने पर गरारे या कुल्ली करें। हर प्रकार के मीठे, मिठाई, गुड़, शक्कर आदि से बने पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी मलाई, ठंडे पेय एवं बहुत ज्यादा पके मीठे फल से पूरा परहेज करें। बासी भोजन, फ्रिज में रखे भोजन, ठंडे पानी, दही से भी परहेज करें। चिकित्सा योग्य वैद्य के संरक्षण में कम से कम तीन से चार माह चिकित्सा चालू रखें। ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

प्रश्न : मुझे ड्योडनल अल्सर है। मेरे लिए पथ्य क्या है? इसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा क्या है? कृपा कर बताएं।

- नागेंद्र वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन से किसी ना किसी रूप से संबंध रखने वाला शूल ड्योडनल अल्सर का कारण बनता है। पेट के दर्द के दो बड़े भेद होते हैं : १) अन्नद्रव शूल - जो पेप्टिक अल्सर में होता है ।

२) परिणाम शूल -जो ड्योडनल अल्सर में होता है।

परिणाम शूल ग्रहणी के आरंभिक प्रदेश डियोडिनम में उत्पन्न व्रण (अल्सर) के कारण होता है, जो कि पच्यमानावस्था के बाद अनुभव किया जाता है। यह भोजन के 3 -4 घंटे के बाद देखा जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उरोदाह (छाती में जलन), उत्क्लेष(वमन की इच्छा) व वमन आदि होते हैं।

अम्ल, कटु, लवण रस, तले पदार्थ, मसाले, शराब, चाय, कॉफी का प्रयोग ना करें। अंग्रेजी दर्द निवारक दवाओं का सेवन त्यागे। रात में जगना, धूप, वेगधारण न करें (मूत्रादि वेगो को न रोके), क्रोध व दुख का परित्याग करें। आयुर्वेद में ड्योडनल अल्सर का इलाज है। एकौषधि में:* शतावरी मूल चूर्ण 3 से 6 ग्राम 100 ग्राम गाय के दूध से सुबह-शाम लेने पर आराम मिलता है।

* आंवले का चूर्ण 5 ग्राम गाय के गर्म दूध से लेने पर राहत मिलती है ।

*ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण सौ ग्राम, कामदुधा रस मोती युक्त 6 ग्राम, स्वर्ण सुतशेखर रस 25 टैबलेट को एक जीव कर लेवें। और एक -एक चम्मच सुबह-शाम भोजन के पहले शहद में या जल में मिलाकर लेवें।

* भोजन के बाद औरा डायलुसिड सिरप 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में लेवें। होटल और दावत के भोजन से सदैव बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है। पिछले 2 माह से छींके बहुत आती है। नाक से पानी भी बहने लगता है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती संगीता रेड्डी, खम्मम

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय है। एलर्जिक कारणों से इसके बढ़ने की संभावना रहती है। अंग्रेजी एंटीहिस्टामिन्स के प्रयोग से उनींदापन, सिर चकराना, अत्यंत कमजोरी और रक्तचाप का गिरना जैसी समस्याएं आ सकती है। आयुर्वेद की औषधियां इस प्रकार के पार्श्व प्रभाव यानी साइड इफेक्ट से मुक्त रहती है।

ऋतु परिवर्तन जन्य एलर्जिक सर्दी - जुकाम में औरा एलेक्झी टिकिया काफी असरकारी है। इसे महालक्ष्मी विलास रस या लक्ष्मी विलास रस के साथ सुबह शाम लेने से अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय शांत होता है। इसके साथ यदि खांसी हो तब औरा फ्रीलंझ सिरप (Freelunz syrup)का प्रयोग करें। यदि खांसी के साथ कफ या बलगम हो और श्वास लेने में कठिनाई हो तब ऊंझा कफकेशरी सिरप का प्रयोग उचित और हानि रहित है। तेज नजले में नाक में षडबिंदु तेल का प्रयोग तुरंत नतीजे देता है एलर्जिक प्रतिश्याय में तेज सुगंध, इत्र - फुलेल, धूल - धूआं से एवं जहां प्रदूषित वातावरण हो वहां जाने से बचें । दही, केला, अमरूद, अन्नानास, आइसक्रीम, आदि से परहेज जरूरी है । घर का वातावरण साफ सुथरा रखें। सोने का कमरा हवादार एवं शांत हो।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

क्या दालचीनी से वास्तव में कम होता है ब्लड शुगर लेवल?

ब्लड शुगर का बढ़ा रहना संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है, अगर ये लंबे समय तक अनियंत्रित रहे तो इससे तंत्रिका, आंखों लेकर हृदय और पाचन से संबंधित दिक्कतें हो सकती हैं। अगर आप भी डायबिटीज के शिकार हैं, तो इसे कंट्रोल में रखने के लिए उपाय किया जाना जरूरी हो जाता है। आहार और लाइफस्टाइल में कुछ प्रकार के बदलाव इस समस्या में लाभकारी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार में सुधार करके शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है। कुछ प्रकार की औषधियों और जड़ी-बूटियों के माध्यम से इसे कंट्रोल करने में लाभ मिल सकता है। दालचीनी ऐसी ही एक औषधि है जिसे डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। क्या यह वास्तव में शुगर को कंट्रोल करती है?

मधुमेह में लाभकारी है दालचीनी

मधुमेह से पीड़ित लोगों में या तो उनका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन

का उत्पादन नहीं कर पाता है या कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करती हैं, जिससे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दालचीनी का सेवन इंसुलिन के प्रभाव को कम करके डायबिटीज को कंट्रोल करने में आपके लिए मददगार हो सकती है। इंसुलिन संवेदनशीलता को सुधारकर रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में भी इससे लाभ मिल सकता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

80 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 12 सप्ताह तक रोजाना 1.5 ग्राम दालचीनी पाउडर लेने से फास्टिंग इंसुलिन के स्तर में उल्लेखनीय कमी आई। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि 2 महीने तक दिन में दो बार 250 मिलीग्राम दालचीनी लेने से हाई शुगर वाले 137 लोगों में इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार हुआ। डायबिटीज की जटिलताओं को कम करने के लिए दालचीनी की चाय, अर्क और इसके पाउडर के सेवन को लाभकारी पाया गया है।

कैलोरी बर्न करने में इसके लाभ

एक प्रयोगशाला अध्ययन के अनुसार, दालचीनी में सिनामाल्डिहाइड नामक एक आवश्यक तेल पाया जाता है जो आपके फैट सेल्स को लक्षित कर सकता है और उन्हें अधिक मात्रा में कैलोरी बर्न करने में मदद करती है। फैट बढ़ने के कारण ब्लड शुगर की समस्या भी बढ़ने लगती है, दालचीनी का संयमित सेवन करने से इसमें लाभ मिल सकता है।

ब्लड प्रेशर भी रहता है कंट्रोल

कई अध्ययनों से पता चलता है कि 3 महीने तक हर दिन दालचीनी खाने से आपका सिस्टोलिक रक्तचाप 5 अंक तक कम हो सकता है। चूंकि अध्ययन में शामिल लोगों को प्रीडायबिटीज और टाइप-2 डायबिटीज की भी दिक्कत थी ऐसे में दालचीनी का सेवन करना शुगर और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल करने में लाभकारी है। डायबिटीज रोगियों में ब्लड प्रेशर की दिक्कत होने का जोखिम अधिक रहता है।

सुनक के मंत्री भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आएंगे

दो नई स्थिरता परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के दक्षिण एशिया मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं और इस दौरान वह ब्रिटेन की ओर से वित्तपोषित दो नई स्थिरता परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। लॉर्ड अहमद सोमवार से अपनी यात्रा के दौरान चेन्नई और अहमदाबाद का दौरा कर रहे हैं, दूसरी ओर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी सोमवार से ब्रिटेन यात्रा शुरू कर रहे हैं। विदेश कार्यालय ने कहा कि अहमद की यात्रा देश की दीर्घकालिक विदेश नीति के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में मजबूत होते ब्रिटेन-भारत संबंधों और हिंद-प्रशांत में इसके स्थायी जुड़ाव को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया मामलों के राज्य मंत्री और यौन हिंसा को रोकने के लिए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के विशेष प्रतिनिधि अहमद ने कहा, ''तमिलनाडु और गुजरात उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास में अग्रणी हैं और मैं यह देखकर खुश हूं कि ब्रिटिश कंपनियां इस क्षेत्र में नवाचार लाने में आगे बढ़ रहे हैं।

ब्रिटेन के दक्षिण एशिया मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद

चेन्नई में, ब्रिटिश मंत्री तमिलनाडु के राज्य योजना आयोग के साथ एक गर्मी शमन परियोजना का शुभारंभ करेंगे। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के अनुसार, यह परियोजना तमिलनाडु सरकार को अत्यधिक गर्मी से संबंधित मौतों और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र के नुकसान को संबोधित करने के लिए सिफारिशें प्रदान करेगी। तमिलनाडु पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के साथ, वह एक इलेक्ट्रॉनिक और बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना भी शुरू करेंगे, जो बैटरी कचरे को कम करने की योजना विकसित करेगा। विदेश कार्यालय ने कहा, ''तमिलनाडु और गुजरात भारत की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं, मंत्री अपनी यात्रा का इस्तेमाल ब्रिटेन-भारत के बीच मजबूत व्यापारिक साझेदारी को रेखांकित करने और स्वच्छ ऊर्जा वृद्धि समेत सहयोग के नए अवसरों का पता लगाने के लिए करेंगे। चेन्नई में तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट (टीएनजीआईएम) के दौरान, अहमद जलवायु और ऊर्जा में अभिनव यूके-इंडिया परियोजनाओं की सफलता पर मुख्य भाषण देंगे। इसके बाद अहमद द्विवार्षिक निवेशक शिखर सम्मेलन, वाइब्रेंट गुजरात के उद्घाटन के लिए अहमदाबाद जाएंगे। वाइब्रेंट गुजरात में वह ब्रिटेन के एबर्टे विश्वविद्यालय और भारत के कोल इंटुइट लैब के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के साक्षी बनेंगे, जो दोनों संगठनों के बीच साझा किए गए शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार विशेषज्ञता की दिशा में एक साझेदारी समझौता होगा।

औंधे मुंह गिरकर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

एफएमसीजी-बैंकिंग स्टॉक्स धड़ाम, मिडकैप इंडेक्स भी फिसला

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)।हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा।मुनाफावसूली के चलते बाजार में भारी बिकवाली देखी गई।

बैंकिंग , एफएमसीजी और मिडकैप स्टॉक्स इस गिरावट की सबसे ज्यादा मार पड़ी है।आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 670 अंकों की गिरावट के साथ 71,355 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 198 अंकों की गिरावट के साथ 21,513 अंकों पर क्लोज हुआ है।आज के ट्रेड में रियल एस्टेट और मीडिया सेक्टर को छोड़कर दूसरे सभी सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट रही।एनएसई का एफएमसीजी इंडेक्स 1000 अंक नीचे फिसलकर बंद हुआ है।निफ्टी बैंक में 700 अंकों से ज्यादा की गिरावट रही।इसके अलावा आईटी, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए।मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स जिसमें लगातार तेजी देखी जा रही है उसमें आज के सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 7 स्टॉक्स हरे निशान में बंद हुए जबकि में 23 गिरावट रही।निफ्टी के 50 शेयरों में 12 शेयर तेजी के साथ बंद हुए जबकि 38 गिरावट के साथ क्लोज हुए। आज के ट्रेड में बाजार में बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है।बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 3 लाख करोड़ रुपये के करीब गिरावट के साथ 366.51 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 369.23 लाख करोड़ रुपये पर रहा था।आज के ट्रेड में मार्केट कैपिटलाइजेशन में 2.72 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है।

सोने की कीमत में गिरावट

चांदी साढ़े 71 हजार पर बनी हुई है

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)।सोने के दामों में आज यानी, 8 जनवरी को गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 223 रुपए सस्ता होकर 62,317 रुपए पर आ गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 46,738 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।वहीं चांदी में आज मामूली तेजी देखने को मिली है। ये 23 रुपए बढ़कर होकर 71,573 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 71,550 रुपए पर थी। बीते महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी।

2023 में 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16%) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

70 हजार तक जा सकता है सोना

एक्स्पर्ट्स के अनुसार, 2024 में भी सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसके चलते इस साल सोना 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं अगर चांदी की बात करें तो ये 85 हजार रुपए प्रति किलो तक जा सकती है।

हमेशा सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

अगर आप सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि वो ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही हो। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एज़ेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

चावल की बढ़ती कीमतों पर नकेल कसने के लिए सरकार ने बुलाई राइस इंडस्ट्री की बैठक

29 रुपये/किलो में भारत चावल बेचने की तैयारी

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)।तीन महीने बाद देश में लोकसभा चुनाव होने वाला है।इन चुनावों के ठीक पहले चावल की कीमतों में तेज उछाल ने सरकार को परेशान कर रखा है।केंद्री खाद्य उपभोक्ता मामलो के मंत्री पीयूष गोयल चावल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ 15 जनवरी 2024 को अहम बैठक करने जा रहे हैं।

बैठक में सरकार चावल कंपनियों के चावल के दाम घटाने की हिदायत दे सकती है।

चावल की बढ़ती कीमतों पर सरकार कसेगी नकेल

इससे पहले भी डिपार्टमेंट ऑफ फूड और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के सचिव संजीव चोपड़ा ने 18 दिसंबर, 2023 को चावल की प्रोसेसिंग करने वाली कंपनियों के साथ बैठक की थी।इस बैठक में सरकार ने चावल इंडस्ट्री से जुड़े एसोसिएशंस को फौरन चावल के दाम घटाने के आदेश दिए

थे।विभाग ने सख्त लहजे में चावल मिलों को मुनाफाखोरी से बचने के हिदायत दी थी।इसके बावजूद चावल की कीमतों में नरमी नहीं आ रही है।जिसके बाद अब पीयूष गोयल राइस इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ बैठक करने जा रहे हैं।सरकार ने आम लोगों को महंगे चावल से राहत दिलाने के लिए भारत ब्रांड के नाम से चावल भी बेचने की तैयारी कर रही है।सरकार 29 रुपये प्रति किलो भारत चावल बेच सकती है।सरकार पहले ही चावल प्रोसेसिंग करने वाली इंडस्ट्री को ओएमएसएस के तहत 29 रुपये प्रति किलो में चावल बेच रही है।

सुप्रीम राहत मिलते ही एक्शन में गौतम अडानी

एक झटके में कर डाली 426 करोड़ की खरीदारी

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी को हिंडनबर्ग मामले में हाल ही में राहत मिली है। इसके साथ ही अडानी एक्शन में आ गए हैं। उनकी सीमेंट कंपनी एसीसी लिमिटेड ने एशियन कंक्रीट्स एंड सीमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड में 55% हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इसकी वैल्यू 425.96 करोड़ रुपये है। एसीसी लिमिटेड की पहले से ही इस कंपनी में 45 फीसदी हिस्सेदारी है। सोमवार की खरीदारी के बाद इस कंपनी में एसीसी लिमिटेड की हिस्सेदारी 100 परसेंट हो गई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर आज 0.67% की गिरावट के साथ 2361.40 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। एसीसी ने शेयर मार्केट्स को दी जानकारी में कहा कंपनी के बोर्ड की आठ जनवरी को हुई बैठक में एशियन कंक्रीट्स एंड सीमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

को खरीदने पर सहमति जताई है। कंपनी में 55 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की लागत 425.96 करोड़ रुपये होगी। एसीसीपीएल की हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ में 13 लाख टन सालाना क्षमता वाला प्लांट है। इसकी सहायक कंपनी एशियन फाइन सीमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (एएफसीपीएल) का पंजाब के राजपुरा में 15 लाख टन सालाना क्षमता वाला संयंत्र है। अडानी ग्रुप ने पिछले साल एसीसी का अधिग्रहण पूरा किया था। इस बिजनस की कमान अडानी के बेटे करण अडानी के हाथों में है।सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिसर्च मामले में हाल में गौतम अडानी को राहत दी थी। पिछले साल 24 जनवरी को अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें ग्रुप पर शेयरों की कीमत में छेड़छाड़ करने जैसे कई आरोप लगाए गए थे। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया था लेकिन इससे ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। अडानी भी अमीरों की लिस्ट में काफी नीचे फिसल गए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी 94.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में 14वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में सबसे अधिक 10.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

देश में नया तेल भंडार मिला-पेट्रोलियम मंत्री ने बताया इस जगह से पहली बार निकला क्रूड ऑयल

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)।केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने देश में नई तेल खोज की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, कृष्णा गोदावरी बेसिन में काकीनाडा के तट से 30 किलोमीटर दूर, कल पहली बार तेल निकाला गया था। 2016-17 में इस पर काम शुरू हुआ था हालांकि, फिर कोविड के कारण कुछ देरी हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वहां 26 कुओं में से 4 कुएं पहले से ही चालू हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास न केवल बहुत कम समय में गैस होगी। इसके अलावे मई और जून तक, हम प्रति दिन 45,000 बैरल का उत्पादन करने में सक्षम होने की उम्मीद करते हैं। यह उत्पादन हमारे देश के कुल कच्चे तेल के उत्पादन का 7 प्रतिशत और हमारे गैस उत्पादन का 7 प्रतिशत होगा।

कृषि निर्यात 100 अरब डॉलर का आंकड़ा छुएगा, 6 साल में हो जाएगा दोगुना

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)।भारत का कृषि निर्यात सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है।फिलहाल देश से एग्री एक्सपोर्ट लगभग 50 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है।उम्मीद जताई जा रही है कि 2023 तक देश से कृषि निर्यात दोगुना होकर 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर जाएगा।

50 अरब डॉलर का आंकड़ा छू चुका है एग्री एक्सपोर्ट

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने सोमवार को बताया कि देश से कृषि उत्पादों और सेवाओं का निर्यात तेजी से ऊपर जा रहा है।फिलहाल यह 50 अरब डॉलर का आंकड़ा छू चुका है।हमारी कोशिश है कि आने वाले 6 सालों में यह आंकड़ा 100 अरब डॉलर को पार कर जाए।उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य देश से वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाना है।इस लक्ष्य की पूर्ती में एग्री एक्सपोर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.दक्षिण एशिया के सबसे बड़े फूड एवं बेवरेज शो इंडस फूड 2024 में पहुंचे सुनील बर्थवाल ने बताया कि रेडी टू ईट फूड सेगमेंट में तरक्की की बहुत बड़ी गुंजाइश है।उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया की भारतीय उत्पादों और सेवाओं की चाहत रखने वाले देशों की जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्य किया जाए.इस

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पियूष गोयल ने कहा था कि चालू वित्त वर्ष में देश का एग्री एक्सपोर्ट 53 अरब डॉलर के नजदीक पहुंच जाएगा।उन्होंने चावल, गेहूं और शक्कर के निर्यात पर लगे प्रतिबंध के बावजूद आशा जताई थी कि निर्यात में कोई कमी नहीं आने वाली।इससे पहले आशंका जताई गई थी कि इस प्रतिबंध के चलते निर्यात में लगभग 5 अरब डॉलर की कमी आ सकती है।इस मौके पर बोलते हुए ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि इस तीन दिवसीय शो में लगभग 90 देशों के 1200 प्रदर्शक और 7500 खरीदार हिस्सा ले रहे हैं।

साथ ही 80 से ज्यादा रिटेल कंपनियां इस शो का हिस्सा बनी हैं।इनमें कारफूर, खिमजी रामदास, ग्रैंड हायपरमार्केट, नेस्टो, मुस्तफा, लुलू और स्पार जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

आठ लाख की इनकम तक कोई टैक्स नहीं!

अंतरिम बजट में हो सकती है घोषणा

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)। फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। इसमें चुनावी वर्ष में टैक्सपेयर्स को गुड न्यूज मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसमें नए इनकम टैक्स रिजीम के तहत छूट की सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 7.5 लाख रुपये की जा सकती है। ऐसा होता है तो आठ लाख रुपये तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। इसमें 50,000 रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी शामिल है। इसके लिए फाइनेंस बिल में बदलाव किया जा सकता है। पिछले साल के बजट में नए टैक्स रिजीम के तहत छूट की सीमा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर सात लाख रुपये की गई थी। साथ ही इनकम टैक्स स्लैब्स की संख्या भी सात से घटाकर छह कर दी गई थी। बिजनस अखबार मिंट में सूत्रों के

हवाले से यह दावा किया गया है कि अंतरिम बजट में टैक्सपेयर्स को राहत दी जा सकती है। एक सूत्र ने कहा, 'इसका मकसद कड़ी मेहनत करने वाले मिडिल क्लास लोगों को टैक्स बेनिफिट देना है। चुनावों के बाद पेश होने वाले पूर्ण बजट में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।' एक फरवरी को पेश होने वाले अंतरिम बजट में इस प्रस्ताव के लिए फाइनेंस बिल लाया जा सकता है। केंद्र सरकार टैक्स रिसीट का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ टैक्सपेयर्स पर टैक्स का बोझ कम करने के लिए काम कर रही है। असेसमेंट ईयर 2023-24 में रेकॉर्ड 8.18 करोड़ लोगों ने आईटीआर भरा जो पिछले साल के मुकाबले नौ फीसदी अधिक है।बजट 2020 में नई टैक्स रिजीम की पहली बार घोषणा की गई थी। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए न्यू टैक्स रिजीम और ओल्ड टैक्स रिजीम दोनों को लागू कर रखा है। टैक्सपेयर्स दोनों में से कोई भी एक ऑप्शन चुनकर आईटीआर फाइल कर सकते हैं और टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं। हालांकि, न्यू टैक्स रिजीम डिफॉल्ट रखी गई है। यदि आप ओल्ड टैक्स रिजीम के फायदे लेना चाहते हैं तो उसे चुनना जरूरी है। इसलिए, यदि आपने अपनी प्रॉयारिटी के बारे में अपनी कंपनी को नहीं बताया है, तो अब आप पर न्यू टैक्स रिजीम के तहत टैक्स लगेगा।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण का काम पूरा

नई दिल्ली , 8 जनवरी (एजेंसियां)।हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को बताया कि उसने मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और दादर और नगर हवेली में भूमि अधिग्रहण का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी भूमि अधिग्रहण की स्थिति साझा करते हुए कहा है कि परियोजना के लिए आवश्यक पूरी 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जा रही है।

एनएचएसआरसीएल ने एक बयान में कहा कि परियोजना के लिए सभी सिविल ठेके गुजरात और महाराष्ट्र के लिए दिए गए थे। इनमें 120.4 किलोमीटर गर्डर लॉन्च किए गए और 271 किलोमीटर घाट ढलाई का काम पूरा हो गया। एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए जापानी शिंकानसेन में इस्तेमाल किया जाने वाला पहला प्रबलित कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड बिछाने का काम सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह भारत में पहली बार है जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।एनएचएसआरसीएल ने कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले में जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास की पहली पर्वतीय सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा करने के साथ एक उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया है।

पहला स्टील पुल, जो 70 मीटर तक फैला है और जिसका वजन 673 मीट्रिक टन है, सूरत में एनएच 53 पर बनाया गया था, और 28 में से 16 ऐसे पुल निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। एमएएचएसआर कॉरिडोर पर 24 नदियों में से छह पर पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगानिया (नवसारी जिला) में पुल का निर्माण पूरा हो गया है। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	05-08 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	मकर..	07-16 बजे
मंगल	धनु	में	कुंभ...	09-06 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	10-44 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	12-20 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	14-04 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	16-04 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	18-17 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	20-28 बजे
			कन्या..	22-35 बजे
			तुला....	00-41 बजे
			वृश्चिक.	02-52 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-51 सूर्यास्त. -17-53
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 22 -24 - रात तक उपरान्त अमावस्या
मास - पौष कृष्ण पक्ष , मंगलवार 09 January
नक्षत्र - ज्येष्ठा - 21 - 11 - तक उपरान्त मूल
योग - वृद्धि - 00 - 21 - रात तक उप ध्रुव
करण- गर - 12 -29 - तक उप- वणिज
विशेष:- भौम प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार - मास शिवरात्री

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:10 से 16:33 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:51 - 08:13 अशुभ	काल	17:53 - 19:33 अशुभ
उत्पात	08:13 - 09:36 अशुभ	लाभ	19:33 - 21:10 शुभ
चंचल	09:36 - 10:59 शुभ	उत्पात	21:10 - 22:46 अशुभ
लाभ	10:59 - 12:23 शुभ	शुभ	22:46 - 24:23 शुभ
अमृत	12:23 - 13:46 शुभ	अमृत	24:23 - 01:59 शुभ
काल	13:46 - 15:10 अशुभ	चंचल	01:59 - 03:37 शुभ
शुभ	15:10 - 16:33 शुभ	रोग	03:37 - 05:13 अशुभ
रोग	16:33 - 17:53 अशुभ	काल	05:13 - 06:51 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योंकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं । अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे । आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की और न जाये । समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है। तब तक निरंतरता रखे । समय आपके पक्ष में है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा । इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा । आप अपने काम को नजरअंदाज न करें , हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज का दिन सट्टा उद्यम के लिए उपयुक्त है पर बिना सोचे समझे कोई निर्णय न ले । अगर आप गणना करके जोखिम लेंगे तो लाभ में रहेंगे परन्तु याद रखे अज्ञानता में लिए गया फैसला नुकसान दिला सकता है इसलिए फिलहाल लाटरी के मकड़जाल में न फसे । बिना सोचे समझे सट्टा खेलना या निवेश करना हानिकारक है जिसमे भाग्य भी आपकी सहायता नहीं कर सकता।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए । लालच को बढ़ने न दे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे । भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है । आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है। ये समय अधिक जिम्मेदारी लेने व अपने काम में और अधिक रूचि दिखाने का है ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अविवाहित-सिंगल महिला सरोगेट मदर बन सकेगी

एआरटी से महिला प्रेग्नेंट होती, 99,000 रुपए में आईवीएफ पैकेज, ईएमआई की भी सुविधा

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अब सिंगल वुमन (सिंगल मदर) और अविवाहित महिलाएं भी एसिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) के जरिए मां बन सकेंगी यानी महिला सरोगेट मदर बन सकती या आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) के जरिए भी मातृत्व का सुख ले सकेगी।

पहले एआरटी का इस्तेमाल करने की अनुमति विधवा या तलाकशुदा महिला को थी। सरोगेसी रेगुलेशन एक्ट 2021 के अनुसार, 35 से 45 साल के बीच की विधवा या तलाकशुदा महिला और निःसंतान दंपती सरोगेसी या आईवीएफ का रास्ता चुन सकते थे।

केंद्र सरकार ने इस कैटेगरी में अब सिंगल वुमन और अविवाहित महिलाओं को भी शामिल कर लिया है। साथ ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सिंगल वुमन (तलाकशुदा या विधवा) की संख्या मांगी है जिन्होंने एसिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी का सफलतापूर्वक उपयोग किया है।

विधवा और तलाकशुदा मां बन सकती है तो सिंगल वुमन क्यों नहीं?

इससे पहले 38 साल की सिंगल और अविवाहित महिला ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली जिसमें उसने बताया कि वह सरोगेसी से मां बनना चाहती है।

उसके वकील ने कोर्ट को जानकारी देते हुए कहा कि महिला डायबेटिक है और ऐसे में प्रेग्रेंसी खतरनाक हो सकती है।

इसलिए सरोगेसी की इजाजत दी जाए। महिला ने दिसंबर 2023 में अपने एग को सुरक्षित रखवाया था।

सिंगल और अविवाहित महिला को इस कैटेगरी में क्यों नहीं शामिल किया गया, इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। वहीं दिल्ली हाई कोर्ट ने भी केंद्र से पूछा था कि सरोगेसी लॉ से सिंगल और अविवाहित महिला को क्यों बाहर रखा गया है?

दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट में 44 साल की सिंगल और अविवाहित महिला ने सरोगेसी एक्ट के सेक्शन 2(1)(s) को चैलेंज किया।

महिला की दलील थी, सरोगेसी से उसकी जैसी महिला को ही अलग रखा गया जबकि विधवा और तलाकशुदा को इजाजत मिली हुई है।

याचिकाकर्ता की वकील ने कोर्ट को बताया कि महिला की सही उम्र में शादी नहीं हो पाई और अब अधिक उम्र होने की वजह से उसके एग का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। ऐसे में उसे एग डोनर चाहिए ताकि सरोगेसी से मदर बन सके।

शादी होने या न होने से किसी के मां बनने का क्या संबंध है?

क्या विवाहित होने पर ही कोई महिला मां बन सकती है? इससे किसी महिला के मां बनने का क्या संबंध है?

इस सवाल पर पंजाब यूनिवर्सिटी की जेंडर स्टडीज की प्रोफेसर डॉ. अमीर सुलताना बताती हैं कि विवाहित या अविवाहित महिला के शरीर में एग का बनना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

महिला के शादीशुदा होने का इससे कोई कनेक्शन नहीं है। मां बनना या न बनना महिला की अपनी चॉइस है।

इसलिए सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट में दायर याचिकाओं में सिंगल और अविवाहित महिलाओं पर थोपे गए कानून को भेदभाव और मौलिक अधिकारों का हनन बताया गया। इसके बाद ही केंद्र सरकार ने नई कैटेगरी बनाई है।

अविवाहित महिला की इच्छा का भी सम्मान होना चाहिए। महिला पर शादी करने और बच्चा पैदा करने का दबाव नहीं डाला जा सकता।

भारत में 8 करोड़ से अधिक सिंगल वुमन

'सिंगल स्टेटस' नाम से ऑनलाइन कम्यूनिटी बनाने वाली श्रीमोई पिउ कुंडू कहती हैं, उनके इस अर्बन सिंगल वुमन कम्यूनिटी में डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्रोफेशनल, आंत्रप्रेन्योर, राइटर, एक्टिविस्ट हैं। कुछ अपने पार्टनर से अलग हो गई हैं तो कुछ तलाकशुदा या विधवा हैं।

कुछ ने कभी शादी नहीं की। जिन सिंगल या अनमैरिड वुमन को बच्चा चाहिए उनके लिए सरोगेसी एक्ट में यह पॉजिटिव

बदलाव है। भारत में 8 करोड़ से अधिक सिंगल वुमन हैं।

हर महीने 1 सिंगल वुमन सरोगेसी या एग फ्रीज करने के बारे में पूछती है

पटना स्थित सृजन फर्टिलिटी की ऑब्सटेट्रिशयन और गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. सारिका रॉय बताती हैं कि सिंगल वुमन के सरोगेट मदर बनने या आईवीएफ के इस्तेमाल, एग फ्रीज करवाने के बारे में कम ही मामले आते हैं।

हालांकि हर महीने सिंगल वुमन आईवीएफ की प्रक्रिया, एग फ्रीज करने के बारे में पूछताछ करने आती हैं।

इंडिया आईवीएफ की फर्टिलिटी स्पेशियलिस्ट और गायनेक-लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. रिचिका सहाय शुक्ला कहती है कि सिंगल मदर या अविवाहित महिलाओं को भी आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने से पहले पूरी तरह खोज खबर करनी चाहिए।

वैसी ही आईवीएफ क्लीनिक को चुनें जो इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) से प्रमाणित हो और जिनका सिंगल वुमन का इलाज करने का रिकॉर्ड रहा हो।

आईवीएफ ट्रीटमेंट का पैकेज 99,000 से लेकर 2 लाख तक, ईएमआई की भी सुविधा

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में 17.5% लोग इनफर्टिलिटी की समस्या से जूझ रहे हैं।

इंडियन सोसाइटी ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्शन की प्रेसिडेंट डॉ. नंदिता पलशेटकर बताती हैं कि भारत में 2 करोड़ 70 लाख लोग इनफर्टिलिटी से जूझ रहे हैं जबकि 2,500 से अधिक फर्टिलिटी क्लीनिक हैं। 2030 तक इसकी संख्या दोगुनी होने की बात कही जा रही है।

हालांकि इनमें से कई आईवीएफ क्लीनिक में ट्रीटमेंट का स्तर ठीक नहीं है। कहीं स्टाफ ट्रेंड नहीं है तो कहीं एक्सपर्ट नहीं हैं जिससे मरीज की जान पर बन आती है।

आईवीएफ को लेकर एआरटी क्लीनिक कई तरह का दावा करती हैं। नोएडा का एक फर्टिलिटी ने न्यू ईयर पर 99,000 रुपए आईवीएफ पैकेज देने के पोस्टर लगाएं हैं।

1-15 जनवरी 2024 तक इस पैकेज के तहत आईवीएफ ट्रीटमेंट ले सकते हैं। फर्टिलिटी सेंटर इलाज ईएमआई की सुविधा भी दे रहे हैं। यहीं नहीं कुछ आईवीएफ सेंटर जीरो ईएमआई की सुविधा दे रहे हैं।

आईवीएफ में देखी जा रही अनियमितताओं को देख एआरटी रेगुलेशंस 2023 तैयार किया गया है।

इस नए रेगुलेशंस की प्रमुख बातें हैं-

एक गायनेकोलॉजिस्ट ट्रीटमेंट के दौरान 1-2 एम्ब्रॉय ट्रांसफर कर सकती है हालांकि यह मरीज की स्थिति पर निर्भर करता है।

अधिक उम्र होने, बार-बार मिसकैरिज और इम्प्लांटेशन फेल्योर होने पर तीन एम्ब्रॉय को ट्रांसफर कर सकती हैं।

किसी भी सूरत में डॉक्टर तीन से ज्यादा एम्ब्रॉय ट्रांसफर नहीं कर सकतीं।

क्लीनिक डोनर की सहमति से ही एग ले सकता है जबकि एक ट्रीटमेंट साइकल में 7 से अधिक एग नहीं ले सकता है।

नेशनल असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एंड सरोगेसी बोर्ड बनाया गया है जिससे एआरटी क्लीनिक और असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी बैंक को रेगुलेट किया जाएगा।

एआरटी के मिसयूज को कम करने, एआरटी सर्विसेज को सेफ और एथिकल प्रैक्टिस को बढ़ावा देने की बात कही गई है।

आईवीएफ ट्रीटमेंट का सक्सेस रेट?

किसी महिला का आईवीएफ ट्रीटमेंट सफल होगा या फेल, यह महिला की उम्र पर निर्भर करता है। 35 के बाद और आमतौर पर 40 साल से ऊपर होने पर आईवीएफ का सक्सेस रेट घटता जाता है। एग की संख्या और उसकी क्वालिटी भी घटती है। 2022 की एक स्टडी के अनुसार, आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने वाली 30 से नीचे की महिला का सक्सेस रेट 69.4% है जबकि 40 से 43 वर्ष की महिलाओं में यह 9.4% रहा।

महिला की उम्र जितनी अधिक, जोखिम उतना ही बड़ा

गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अलका पांडेय बताती हैं कि प्रेग्नेंसी के टाइम महिला की उम्र अधिक है तो जोखिम भी बढ़ जाता है। मां और बच्चे की जान को खतरा होता है।

आईवीएफ का सक्सेस रेट अधिक उम्र की महिलाओं में कम होता है जब वो अपने ही एग का इस्तेमाल करती हैं। जबकि डोनर एग्स में सक्सेस रेट अधिक होता है क्योंकि एग कम उम्र की महिला का होता है और उसकी क्वालिटी भी बेहतर होती है।

आईवीएफ सफल होने की गारंटी नहीं

देवघर की सोनम लाल को शादी को 6 साल हुए पर उन्हें बच्चा नहीं हुआ। वो बताती हैं कि वह पिछले दो साल से एआरटी क्लीनिक के चक्कर लगा रही हैं।

आईवीएफ सेंटर में दिखाया तो पहले आईयूआई यानी इंट्रोयूटेरिन इनसेमिनेशन ट्रीटमेंट करने को कहा। इसमें 30,000 रुपए लगे।

दूसरे इंजेक्शन और पूरे ट्रीटमेंट पर कुल 90,000 रुपए देने पड़े। वहीं आईवीएफ के लिए 1,60,000 रुपए लगते। एग फ्रोजन के लिए अलग से पैसे देने पड़ते।

ट्रीटमेंट लेने के बाद 9 महीने बेड रेस्ट और फिर हर 15 दिन पर डॉक्टर से चेकअप। 6 सप्ताह में यदि बच्चे की हार्ट बीट आ गई तो प्रेग्नेंसी सफल नहीं तो फेल मान लिया जाता है।

सोनम बताती हैं कि आईवीएफ सेंटर वालों का कहना है कि आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने पर भी पॉजिटिव रिजल्ट की गारंटी नहीं ली जा सकती।

मंदिर में तोड़फोड़, मूर्तियां भी क्षतिग्रस्त

नाराज स्थानीय लोगों ने किया प्रदर्शन

रांची, 8 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर एक मंदिर में तोड़फोड़ की। इस दौरान मंदिर में मौजूद देवी-देवताओं की मूर्तियां भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। इससे आसपास के इलाके के लोगों में खासी नाराजगी है। इसे लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार रात बरियातू इलाके में हुई।

उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) उत्कर्ष कुमार ने बताया कि मंदिर के अंदर लगभग तीन से चार मूर्तियां खंडित पाई गईं। स्थानीय लोगों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए बरियातू रोड को जाम कर दिया। हमने उन्हें आश्वासन दिया है कि कुछ दिनों में मूर्तियां दोबारा स्थापित कर दी जाएंगी। प्रदर्शनकारियों से चर्चा के बाद नाकाबंदी हटाई जा रही है। पुलिस जांच के तहत सीसीटीवी फुटेज को देखा जा रहा है।

अनशन पर बैठे करीब 22,000 रेलवे कर्मचारी

पुरानी पेंशन योजना को वापस लाने की मांग

रांची, 8 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले में रेलवे के कुछ कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को वापस लाने की मांग करते हुए सोमवार की सुबह अनशन पर बैठ गए। पूर्वी मध्य रेलवे कर्मचारी संघ (ईसीआरकेयू) के प्रवक्ता एनके खवास ने दावा किया कि धनवाद रेलवे डिवीजन के करीब 22,000 कर्मचारियी अनशन पर बैठे हैं।

कर्मचारियों का एक समूह संभागीय रेलवे प्रबंधक के परिसर और अन्य स्थानों पर धरने पर बैठे हुए हैं। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएमएफ) जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा ने

कहा, केंद्र सरकार ने भले ही नई पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत मिलने वाले लाभ को बेहतर बनाने के लिए सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन किया है। सभी कर्मचारियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि उन्हें ओपीएम से कम कुछ भी मंजूर नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि झारखंड समेत कई राज्य पहले ही अपने कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना पर लौट चुकी है। इसलिए हम भी केंद्रीय सरकार से ओपीएस की मांग कर रहे हैं। ओपीएस के तहत कर्मचारी को उनके अंतिम वेतम के 50 फीसदी के बराबर मासिक पेंशन मिलती है। यहां कर्मचारियों के योगदान की आवश्यकता नहीं है।

वहीं एनपीएस के तहत कर्मचारी को अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत योगदान देना होता है और सरकार भी उतना ही योगदान करती है। पैसे को पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधीकरण द्वारा स्वीकृत कई पेंशन फंडों में से एक में निवेश किया जाता है।

नक्सलियों के मंसूबों पर फिरा पानी

सुरक्षाबलों ने पांच किलो का बरामद किया आईईडी, किया गया निष्क्रिय

बीजापुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बीजापुर में सोमवार को गंगालूर इलाके में डीआरजी, बस्तर फाइटर व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम सर्चिंग पर निकली हुई थी। दोपहर में डी- माईनिंग के दौरान चेरपाल - गंगालूर मार्ग पर चेरपाल से एक किमी आगे मुख्य सड़क से 100 मीटर अंदर पगडंडी मार्ग पर एक पांच किलो वजनी आईईडी जवानों ने बरामद किया। जिसे बीडीएस की टीम द्वारा मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निशिकांत दुबे के कटाक्ष पर कांग्रेस नेता का पलटवार

रांची, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर से मुंबई तक राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर भाजपा नेता निशिकांत दुबे के कटाक्ष पर झारखंड में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने पलटवार किया है। उन्होंने निशिकांत दुबे पर निशाना साधते हुए कहा कि वे डरे हुए हैं, इसलिए ऐसे बयान दे रहे हैं।

राजेश ठाकुर ने कहा, 'उन्हें (निशिकांत दुबे) कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। वह ऐसी बातें कहते रहते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता कि राहुल गांधी कहां जा रहे हैं? वह डरे हुए हैं और इसी वजह से ऐसे बयान दे रहे हैं। वह इस बात से डर रहे हैं कि अगर राहुल गांधी उनके क्षेत्र में आ गए तो वह कहां जाएंगे? वे अकेले ऐसे नहीं है जिन्होंने ऐसा बयान दिया है। अन्य केंद्रीय मंत्री भी ऐसे बयान दे रहे हैं। जब भी परेशान होते हैं तो ऐसे बयान देते हैं।'

निशिकांत दुबे का बयान

दरअसल, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में झारखंड के गोड्डा और देवघर जिले को शामिल नहीं किया गया, जिसके बाद मंत्री निशिकांत ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि 'शायद राहुल गांधी मुझसे बहुत

प्यार करते हैं।' गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से सांसद निशिकांत दुबे ने सुझाव दिया कि राहुल गांधी चुनाव के दौरान धर्मनिरपेक्ष दिखने के लिए झारखंड के दो जिलों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि राहुल गांधी मुझसे बहुत प्यार करते हों, इसलिए वह अपनी भारत जोड़ो यात्रा में गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में नहीं जा रहे हैं।'

14 जनवरी से शुरू होगी भारत जोड़ो न्याय यात्रा

बता दें कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को इंफाल से शुरू होगी और 100 लोकसभा क्षेत्रों सहित 337 विधानसभा क्षेत्रों और 110 जिलों को कवर करते हुए 6,713 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इसके बाद अंत में मार्च 20 या 21 तारीख को मुंबई में इसका समापन हो जाएगा।

पाटन सदन में रखा गया नंदकुमार बघेल का पार्थिव देह

रायपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल की पार्थिव देह पाटन सदन में अंतिम दर्शन के लिए रखी गई है। भूपेश बघेल भी दिल्ली से रायपुर पहुंच चुके हैं। निवास पर परिवार के लोगों के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता भी मौजूद हैं। बेटी के विदेश से आने के बाद 10 जनवरी को गृह ग्राम कुरुदडीह में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बता दें कि नंदकुमार का बघेल का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। सोमवार सुबह 6 बजे उन्होंने रायपुर के बालाजी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

विशाल हाईटेक लाइब्रेरी

युवा दिवस पर राज्य के युवाओं को मिलेगा स्टेट लाइब्रेरी का तोहफा, एक साथ 1000 विद्यार्थी बैठकर कर सकेंगे पढ़ाई

रांची, 8 जनवरी (एजेंसियां)। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 जनवरी को रांची के युवाओं को राज्य सरकार से लाइब्रेरी का तोहफा मिलेगा। पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के अंतर्गत झारखंड खेल प्राधिकरण (साझा) की ओर से मोरहाबादी के भगवान बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में हाईटेक लाइब्रेरी तैयार हो गई है। 1000 स्टूडेंट्स के बैठने की क्षमता वाला यह राज्य का पहला साझा केंद्रीय पुस्तकालय होगा। हालांकि, पहले फेज में 300 सिटिंग क्षमता के साथ लाइब्रेरी की शुरूआत होगी।

पूरी तरह वातानुकूलित लाइब्रेरी में टेबल-कुर्सी भी ऐसी लगाई जा रही है कि पढ़ाई के दौरान थकान न हो। यहां 24 घंटा फिल्टर वाटर सप्लाई और प्रत्येक टेबल पर एक स्टील पानी का बोतल उपलब्ध कराया जाएगा। यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को हाई स्पीड इंटरनेट और वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा सूचना टेक्नोलॉजी सहित अन्य विषयों की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को कम्प्यूटर की सुविधा भी मिलेगी। इसके लिए अलग कंप्यूटर लैब बनाया जा रहा है। यहां 28 कम्प्यूटर उपलब्ध कराया जाएगा। स्टूडेंट्स कम्प्यूटर से संबंधित कार्य किसी भी समय कर सकेंगे। रांची में दूसरे जिलों से आकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या काफी अधिक है। ऐसे छात्रों को पढ़ाई के लिए सुव्यवस्थित जगह नहीं मिलता है। निजी लाइब्रेरी में अधिक शुल्क होने की वजह से लांज या हॉस्टल में ही छात्रों को पढ़ाई करना पड़ता है। बिजली-पानी या शोर-गुल की वजह से उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है।

बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष थे असीम राय, बाइक सवारों ने की फायरिंग

कांकेर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कांकेर के पखांजूर में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष और बीजेपी नेता असीम राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार देर शाम करीब 8 बजे अज्ञात लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। फायरिंग पखांजूर के पुराना बाजार में हुई। गोली लगने के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि रविवार रात 8 बजे असीम राय रोजाना की तरह पखांजूर थाना से महज कुछ दूर पहले स्कूटी से गढ़चिरौली मार्ग तिराहे से गुजर रहे थे, जहां रविवार को छोटा बाजार लगता है। इसी का फायदा उठाते हुए अज्ञात हमलावर बाइक से आए और फायरिंग कर

मृतक असीम राय

दी। वहीं पखांजूर में बीजेपी नेता की हत्या को लेकर बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पखांजूर नगर पंचायत में अभी कांग्रेस का कब्जा है। यहां कांग्रेस के बप्पा गांगुली अध्यक्ष हैं, जिनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाया गया है। 9 जनवरी को अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग भी होनी है। बीजेपी के पक्ष में 11 पार्षद हैं। कहा जा रहा है कि वोटिंग से पहले किसी ने टारगेट कर वारदात को अंजाम दिया है। बीजेपी के 8 पार्षद जीते थे और कांग्रेस के 7 पार्षद जीते थे, जिसमें से अध्यक्ष चुनाव में बीजेपी के 2 पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की थी, जिससे कांग्रेस ने अपना अध्यक्ष बना लिया था। बताया जा रहा है असीम राय पर 8 साल पहले भी आपसी रंजिश में हमला किया गया था। वहीं अभी पखांजूर नगर पंचायत में अध्यक्ष पद को लेकर विवाद चल रहा है। 9 महीने में 9 बीजेपी नेताओं की हत्या हुई है। हालांकि अभी असीम राय की हत्या आपसी रंजिश में हुई या नक्सलियों ने की यह साफ नहीं हो पाया है।

पूजा सिंघल को एससी से नहीं मिली जमानत

स्वास्थ्य का हवाला देकर मांगी थी बेल, अब मार्च में सुनवाई, 8 महीने से रिम्स में भर्ती

रांची, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोप मे घिरी झारखंड की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को एक बार फिर झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूजा सिंघल को जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए आज भी जमानत नहीं दी। पूजा सिंघल आठ महीने से रिम्स में भर्ती हैं।

निलंबित आईएएस अधिकारी ने सेहत का हवाला देते हुए जमानत याचिका दायर की थी। पूजा सिंघल की ओर से सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने बहस की। वहीं ईडी की तरफ से एएसजी (असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल) एसवी राजू ने पक्ष रखा। पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर सुनवाई अब 11 मार्च को होगी। महात्मा गांधी ग्रामीण

रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) घोटाला से जुड़े मामले में पूजा सिंघल जेल में बंद हैं। इससे पहले भी पूजा सिंघल ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। अपील को शीर्ष अदालत ने ठुकरा दिया था। पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें निलंबित करने का आदेश दिया था।

अब तक दो बार मिली है जमानत

पूजा सिंघल को अबतक दो बार जमानत मिली है। फरवरी 2023 में उन्हें दो महीने की अंतरिम जमानत दी गई थी। यह अंतरिम जमानत मेडिकल ग्राउंड पर मिली थी। पूजा सिंघल ने याचिका में कहा था कि उनकी बीमार बेटी को उनकी देखभाल की जरूरत है। बेल की अवधि खत्म होने पर 2 अप्रैल को ईडी की पीएमएलए कोर्ट में उन्होंने सरेंडर कर दिया था। इससे पहले 3 जनवरी 2023 को पूजा सिंघल को जमानत दी गई थी। दो बेल के बाद से पूजा सिंघल लगातार सेहत और बेटी का हवाला देकर जमानत की अपील करती रहीं है, लेकिन उन्हें अब तक राहत नहीं मिली है।

सात महीने 23 दिनों से रिम्स में भर्ती है पूजा सिंघल

पूजा सिंघल 7 महीने 23 दिनों से रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती हैं। उन्हें माइग्रेन समेत अन्य परेशानियों के कारण यहां लाया गया था। न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के डॉ। सुरेंद्र कुमार इनका इलाज कर रहे हैं।

माइग्रेन और न्यूरो की अन्य परेशानियां ठीक हो जाने के बाद पूजा सिंघल ने बच्चादानी की सर्जरी की इच्छा जताई। बीते अगस्त के अंतिम सप्ताह में स्त्री रोग विभाग की डॉ. एसबी सिंह की देखरेख में बच्चेदानी की सर्जरी भी हो गई। इस सर्जरी के भी चार महीने 13 दिन हो गए, पर वह भर्ती ही हैं। डॉक्टरों की माने तो फिलहाल वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

जेल से बाहर है पति अभिषेक झा

पूजा सिंघल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में उनके पति अभिषेक झा एंटीसिपेटरी बेल पर जेल के बाहर हैं। अभिषेक झा के सीए (सुमन कुमार) के घर से ईडी ने 20 करोड़ कैश जब्त किए थे।

ईडी ने अपनी चार्जशीट में बताया है कि कैसे पूजा सिंघल से शादी करने के बाद अभिषेक झा की कमाई में कई गुना इजाफा हुआ।

शेख हसीना लगातार चौथी बार बांग्लादेश की पीएम बनेंगी

चुनाव में अवामी लीग ने 300 में से 204 सीटें जीतीं, सिर्फ 40% वोट पड़े

ढाका, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की मौजूदा पीएम शेख हसीना (76) लगातार चौथी बार प्रधानमंत्री पद पर काबिज होने जा रही हैं। रविवार 7 जनवरी को हुए आम चुनाव में हसीना की पार्टी अवामी लीग ने संसद की 300 में से 204 सीटें जीत लीं। इस बार 299 सीटों पर वोटिंग हुई थी।

वहीं, हसीना ने लगातार आठवीं बार चुनाव जीता। गोपालगंज-3 सीट से उन्होंने बांग्लादेश सुप्रीम पार्टी के कैंडिडेट एम निजामुद्दीन लश्कर को 2.49 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया। हसीना को 2 लाख 49 हजार 965 तो निजामुद्दीन को महज 469 वोट मिले। हसीना पहली बार 1986 में चुनाव जीती थीं।

बांग्लादेश चुनाव आयोग के मुताबिक, इस बार चुनाव में 40% वोट पड़े। यह आंकड़ा बदल सकता है। 2018 के चुनाव में 80% मतदान हुआ था। देश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) समेत विपक्षी पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार किया था।

हसीना का ये 5वां टर्म

शेख हसीना पांचवीं बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं। वे 1996 से 2001 तक प्रधानमंत्री थीं। इसके बाद 2009 में फिर प्रधानमंत्री बनीं। तब से अब तक सत्ता पर काबिज हैं।

बांग्लादेश में विपक्ष ने 6 जनवरी को 48 घंटे की हड़ताल का ऐलान किया था। इसके बाद विपक्ष की गैरमौजूदगी में बैलट पेपर पर अवामी लीग, उसकी सहयोगी पार्टी और निर्दलीय कैंडिडेट्स के नाम ही लिखे गए। ऐसे में सत्ताधारी पार्टी अवामी लीग की जीत को औपचारिकता ही माना गया था।

हिंदुओं ने हसीना को वोट दिया

बांग्लादेश में 10% आबादी वाले हिंदुओं के वोट एकमुश्त अवामी लीग को गए और शेख हसीना की कुल 107 सीटों पर जीत पक्की हो गई। इसमें कई सीटें तो ऐसी हैं, जहां हिंदू वोटर 20-40% तक हैं। हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद के संस्थापकों में से एक राणा दासगुप्ता ने कहा- इन सीटों पर हिंदू आबादी खतरे में है, इसलिए हिंदुओं ने हसीना को वोट दिया।

बीएनपी का कल से प्रदर्शन का ऐलान

पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया ने कहा, 'मंगलवार (9 जनवरी) से देश में सरकार विरोधी आंदोलन शुरू करने की योजना है। ये चुनाव फेक है।' बीएनपी ने 2014 में भी चुनाव का बहिष्कार किया था, लेकिन 2018 में हिस्सा लिया। इस बार भी खालिदा की पार्टी समेत 16 दल चुनाव से दूर रहे।

हसीना का आदेश- जीत का जश्न न मनाएं कार्यकर्ता

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी पार्टी अवामी लीग के नेता और कार्यकर्ताओं को आदेश दिया है कि वो जीत का जश्न न मनाएं और न ही कोई रैली या जुलूस निकालें।

हसीना के सेक्रेटरी सायम खान ने रविवार रात इस बारे में प्रधानमंत्री के हवाले से बयान जारी किया। उन्होंने कहा- नतीजे आने के बाद किसी तरह की हिंस नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इससे देश को नुकसान होता है।

वोट डालने के बाद हसीना ने कहा था- 'हम भाग्यशाली हैं कि हमारा भारत जैसा विश्वसनीय दोस्त है। 1975 के बाद जब हमारा परिवार खत्म हो गया तो उन्होंने हमें शरण दी। इसलिए भारतीयों के लिए हमारी शुभकामनाएं हैं। मैं सुनिश्चित करना चाहती हूं कि बांग्लादेश में लोकतंत्र जारी रहे।'

2018 में शेख हसीना की पार्टी ने सबसे ज्यादा सीट जीती थीं

बांग्लादेश की संसद में कुल 350 सीटें हैं। इनमें से 50 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। आरक्षित सीटों पर चुनाव नहीं होता, जबकि 300 सीटों के लिए हर पांच साल में आम चुनाव होते हैं। बांग्लादेश में 3 मुख्य राजनीतिक दल हैं- बांग्लादेश अवामी लीग, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जातीयो पार्टी। 2018 के आम चुनाव में 300 सीटों में से 290 सीटें पर इन्हीं तीनों दलों के उम्मीदवारों ने चुनाव जीता था। इनमें से 257 पर शेख हसीना की अवामी लीग, 26 सीटों पर जातीयो पार्टी जबकि 7 पर खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को जीत मिली थी। इस बार यानी 2024 में 27 राजनीतिक दलों के 1,500 से ज्यादा उम्मीदवारों के अलावा 436 स्वतंत्र उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे थे। इन उम्मीदवारों में से करीब 200 शेख हसीना के समर्थक हैं।

विदेश मामलों के जानकार प्रोफेसर राजन कुमार की मानें तो बांग्लादेश में आगामी सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी या नहीं, ये दो बातों पर निर्भर करता है। बांग्लादेश जैसे छोटे देशों में राजनीतिक अस्थिरता तब देखी जाती है जब आसपास के मजबूत पड़ोसी देश, सत्ताधारी दल की जगह विपक्षी पार्टियों के समर्थन में खड़े हो जाएं। ऐसे में यदि भारत, चीन और अमेरिका जैसे देश अवामी लीग का विरोध करने लगते हैं तो शेख हसीना सरकार मुश्किल में पड़ सकती है। लेकिन मौजूदा दौर में इस ऐसी उम्मीद कम ही नजर आती है।

भारत के बाद जर्मनी में किसान आंदोलन

किसानों ने सड़कों पर खाद फैलाई, टैक्स में दी जाने वाली छूट खत्म करने के फैसले से नाराज

बर्लिन, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दिसंबर 2023 की बात है। जर्मनी की सरकार ने बचत करने के लिए किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी घटाने की बात कही। इसके तहत सरकार ने कृषि क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले डीजल पर दिया जाने वाला पार्शियल (आंशिक) टैक्स रीफंड और कृषि के लिए इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों- ट्रैक्टर, ट्रक पर टैक्स में दी जाने वाली छूट खत्म करने का फैसला किया।

यह बात किसानों को पसंद नहीं आई और वो इसका विरोध करने लगे। किसान संगठनों ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें मिलने वाली सब्सिडी वापस ली गई, तो वे देशभर में प्रदर्शन करेंगे। इसी के साथ 18 दिसंबर 2023 से शुरू हुआ किसानों का आंदोलन, जो अभी भी जारी है। ताजा अपडेट के मुताबिक किसानों ने जर्मनी के म्यूनिख, बर्लिन समेत कई शहरों में हाईवे और सड़कें जाम कर दी। सड़कों पर खाद भी फैला दी।

13 दिसंबर को जर्मनी की गठबंधन सरकार ने 2024 के बजट की घोषणा की। लंबी बातचीत के बाद गठबंधन सरकार के तीनों दलों- जर्मन सोशल डेमोक्रैट (एसपीडी), ग्रीन पार्टी और फ्री डेमोक्रैट

(एफडीपी) में बजट पर सहमति बनी। चांसलर ओलाफ शॉल्ज ने एलान किया- सरकार अपने लक्ष्यों को जरूर हासिल करेगी, लेकिन उसके लिए हमें कटौती और बचत करनी होगी।

सब्सिडी में कटौती से सरकार को कितना फायदा

कटौती के तहत सरकार किसानों को मिलने वाली सब्सिडी में सालाना करीब 90 करोड़ यूरो यानी करीब 8 हजार करोड़ रुपए की बचत करना चाहती है। किसानों का कहना है कि सब्सिडी में कटौती किए जाने से उनका रोजगार प्रभावित होगा। रॉयटर्स के मुताबिक जर्मन फार्मर्स असोसिएशन के अध्यक्ष जोआषिम रुकवीड ने कहा- सरकार के फैसले से ना केवल किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा, बल्कि जर्मनी के कृषि क्षेत्र के कॉम्पिटिशन पर भी असर होगा।

इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में महंगाई बढ़ेगी। एक किसान ने कहा- इसके कारण सालाना करीब 20,000 यूरो यानी करीब 18 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ सकता है। किसानों के बढ़ते आंदोलन को देखते हुए और कोर्ट की दखल के बाद बजट मसौदे को अंतिम रूप नहीं मिल सका। कोर्ट ने सरकार को सब्सिडी में कटौती की योजना को संशोधित करने का आदेश दिया।

पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी मामले में मालदीव की नेता ने मुइज्जू सरकार को घेरा

माले, 8 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर मालदीव की मंत्री को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले पर बात करते हुए पूर्व विदेश मंत्री दुन्या मौमून ने चिंता जताई है।

मालदीव की पूर्व विदेश मंत्री दुन्या मौमून ने इस मामले पर मीडिया से बात की।

उन्होंने कहा, 'मैं इस मामले को लेकर बहुत चिंतित थी। हमारे विदेश मंत्रालय ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया था वह अस्वीकार्य है। व्यक्तिगत तौर पर मैं नस्लवाद की कड़ी निंदा करती हूं।'

विदेश मंत्री ने भी जताई नाराजगी

पीएम मोदी पर किए गए टिप्पणी को लेकर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने भी नाराजगी जताई है। वहीं मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने भी पीएम मोदी पर किए गए टिप्पणियों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। हालांकि, इस मामले में मालदीव सरकार ने अपने तीन मंत्रियों मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम माजिद को निलंबित कर दिया है। दरअसल, दो जनवरी को पीएम मोदी ने केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप का दौरा किया था और इस दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। उन्हंने स्नॉर्कलिंग पर हाथ आजमाने के अपने अनुभव को भी उल्लेख किया था। पीएम मोदी के इस पोस्ट पर लक्षदीप की मंत्री मरियम शिउमा ने भारत के प्रधानमंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी के साथ उनका मजाक उड़ाया था। उनकी पोस्ट में पीएम मोदी की लक्षद्वीप दौरे की तस्वीरें भी थी।

कनाडा की फ्लाइट में 16 वर्षीय लड़के ने की मारपीट

अपनी ही फैमिली पर चलाए लात-घूंसे पायलट को करवानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

ओटावा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा की फ्लाइट में 16 साल के लड़के ने अपने ही फैमिली के लोगों पर हमला कर दिया। इसके बाद पायलट को विन्निपेग शहर में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 3 जनवरी की है, जब एयर कनाडा की फ्लाइट संख्या 137 टोरंटी से कैलगरी जा रही थी।

हमले के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमला करने वाला लड़का कनाडा के ग्रांड प्रेयरी का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि उसे हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है। किसी अन्य के घायल होने की सूचना नहीं है और हमले के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है। हालांक, जिस सदस्य के साथ मारपीट हुई

है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के कारण प्लेन 3 घंटों की देरी से रवाना हो सका।

बैंकॉक से जर्मनी के म्युनिख जा रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 772 की 29 नवंबर को सुबह 10:26 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में मौजूद एक दंपती के झगड़े की वजह से इसे दिल्ली डायवर्ट किया गया।

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच झगड़ा क्यों हुआ, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

फ्लाइट क्रू ने पहले पाकिस्तान में लैंडिंग की इजाजत मांगी, लेकिन पाकिस्तान अथॉरिटी ने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुई। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच पहले बहस हो रही थी, जो धीरे-धीरे झगड़े में बदल गई। इसके बाद क्रू मेंबर्स ने फ्लाइट डायवर्ट करने का फैसला लिया।

बेंगलुरु के पैसेंजर ने क्रू मेंबर से की थी बदतमीजी

इससे पहले 20 नवंबर को जयपुर से बेंगलुरु जा रही एक फ्लाइट के पैसेंजर ने क्रू से बदतमीजी की थी। इसके बाद बेंगलुरु पहुंचने पर पैसेंजर को गिरफ्तार कर लिया गया था। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया था कि 32 साल का शख्स नशे में था और कई बार चेतावनी देने के बाद भी शांत नहीं हुआ था। हालांकि बाद में उसे जमानत मिल गई थी।

वहीं 23 नवंबर को मेडिकल इमरजेंसी की वजह से जेद्दाह से हैदराबाद जा रही एक इंडिगो फ्लाइट को पाकिस्तान के कराची में डायवर्ट करना पड़ा था। यहां मरीज को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाया गया था। हालांकि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा हमला

इस्लामाबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को हुए एक शक्तिशाली बम विस्फोट में पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। धमाके में 20 से ज्यादा लोगों के घायल होने की भी खबर है। हमला पुलिस प्रोटेक्शन टीम को निशाना बनाकर किया गया था। हमला उस वक्त किया गया, जब बाजौर जिले में एंटी पोलियो अभियान में ड्यूटी पर लगी पुलिस टीम को ट्रक में ले जाया जा रहा था। इसी दौरान आईईडी धमाके में पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। घायलों को बाजौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में कई की हालत गंभीर है। जिस जगह पुलिस टीम को निशाना बनाया गया, वह बाजौर का मामुंद इलाका है और यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है।

हिंदू युवा हर हाल में बांग्लादेश छोड़ना चाह रहे

यहां हिंदू होना सजा, हिंदू लड़की होना उससे बड़ी सजा, आबादी 22% से घटकर 7.9% बची

ढाका, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ढाका के काजीपारा में एक ब्राह्मण परिवार रहता है। पीढ़ियों से यहीं है। 14 सदस्य हैं। सिर्फ 700 स्क्वेयर फीट के इस दो मंजिला मकान तक पहुंचने के लिए मेन रोड से 30 मी. लंबी तंग गली है, जिसमें 3 जगह बीफ टंगा रहता है। सुबह काम पर निकलने से पहले सभी लोग घर के अंदर कोने में बने छोटे से मंदिर में तिलक लगाते हैं।

घर के 67 साल के मुखिया संस्कृत में मंत्रोच्चार भी करते हैं, जिसकी लय करीब-करीब बांग्ला जैसी ही है। घर में सबसे बड़ी बेटी सृष्टि 27 साल की है, जो एक कंपनी में जूनियर एचआर एग्जिक्यूटिव है। घर से निकलते ही सबसे पहले तिलक मिटा देती है। बिंदी तो लगाती ही नहीं। मेन रोड पर आते ही रिक्शेवाले को भाईजान कहकर पुकारती है।

पूरा दिन बस इसी कोशिश में लगी रहती है कि अजनबी लोगों को ये पता न चले कि वह हिंदू है। कहती है- 'यहां हिंदू होना अपने आप में ही एक सजा है। हिंदू लड़की होना, उससे भी ज्यादा बड़ी सजा।

सृष्टि कहती हैं अभी घर से पूजा करके निकली हूं। बीफ की दुर्गंध वाली उस गली में किसी ने नाक सिकोड़ते हुए भी देख लिया तो आफत आ जाएगी।'

तो क्या सारी जिंदगी ऐसे ही डरकर जिओगी?

इस सवाल पर कहती है- 'नहीं। मेरे पास डिग्री है। विदेश जाऊंगी। रिसर्चर बनूंगी। इसीलिए रकम जोड़ रही हूं। शाम को दो शिफ्ट में ट्यूशन भी पढ़ाती हूं। एक-डेढ़ साल में निकल जाऊंगी।

'सृष्टि उन 0.5% हिंदू लड़कियों में है, जो पोस्ट ग्रेजुएशन कर पाईं। इसलिए विदेश जाने का सपना बुन सकती है। लेकिन, उनका क्या, जो

स्कूल से आगे नहीं बढ़ पाईं? मां-बाप जल्द से जल्द उनकी शादी करा देना चाहते हैं। ताकि वो धर्मांतरण, दुष्कर्म या जबरन बीफ खिलाने जैसी घटनाओं से बच जाएं। 2023 के सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देशभर में 66 हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म हुआ और 333 महिलाओं को जबरन बीफ खिलाया गया। ये सिर्फ दर्ज हुए मामले हैं। बांग्लादेश माइनॉरिटी कमीशन की स्टडी के अनुसार, अल्पसंख्यकों पर धर्म के नाम पर होने वाले अपराध के 80% से ज्यादा मामले पुलिस तक पहुंच नहीं पाते। पहुंच भी जाएं तो कोर्ट के बाहर ही निपटा दिए जाते हैं।

गांवों का हाल छोड़िए... ढाका यूनिवर्सिटी में भी अल्पसंख्यक अलग ही रखे जाते हैं

ढाका यूनिवर्सिटी में एक जगह है- जगन्नाथ हॉल।

यहां हॉस्टल है, जो सिर्फ गैर-मुस्लिम छात्रों को अलॉट होता है। आंगन में 40 फीट ऊंचा शिव मंदिर है। तालाब है। एक छोटे से कमरे में इस्कॉन मंदिर है। यह जगह बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए सबसे सुरक्षित जगह मानी जाती है। यहां उन सौ महान लोगों की प्रतिमाएं हैं, जो 1971 में पाकिस्तानी फौज के अत्याचार के खिलाफ आजादी के संघर्ष में कूद गए थे। इनमें हिंदू, ईसाई और बौद्ध थे। लेकिन, आज 52 साल बाद भी ये सिर्फ बुत बनकर रह गए हैं। बांग्लादेश को आजाद कराने के लिए इन्होंने जो कुर्बानियां दीं, उनका इतना भी असर नहीं कि यहां रहने वाले अल्पसंख्यक छात्र बेखौफ होकर पूजा कर पाएं। 2021 में छात्रों ने मिलकर यहां सरस्वती पूजा का आयोजन किया था।

मंत्री का छलका दर्द

कहा- भारतीय मूल के कैबिनेट सहयोगी के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच चिंताजनक

सिंगापुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर के एक वरिष्ठ मंत्री ने भारतीय मूल के कैबिनेट सहयोगी के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच होना चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि इसका सबसे ज्यादा असर निर्वाचन क्षेत्र पर पड़ा है। बता दें, भारतीय मूल के परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन को पिछले साल 11 जुलाई को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं। राष्ट्रीय विकास मंत्री डेसमंड ली ने कहा कि वेस्ट कोस्ट के समूह प्रतिनिधित्व निर्वाचन क्षेत्र (जीआरसी) का नेतृत्व ईश्वरन करते थे। जीआरसी में सांसद लोगों को अपने मिशन में शामिल करने और जीवन यापन की लागत तथा असमानता जैसे गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन जुलाई में ईश्वरन के भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार होने

के बाद यहां काफी असर पड़ा है।

उन्होंने कहा, 'हम टीम को एकजुट रखने, उत्साह और समर्पण के साथ सेवा जारी रखने के लिए उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं।'

जुलाई में हुए गिरफ्तार

गौरतलब है, भ्रष्ट आचरण जांच ब्यूरो ने पिछले साल 11 जुलाई ईश्वरन को गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं। उनके खिलाफ यह जांच पहले से ही किसी अन्य मामले से संबंधित है। हालांकि, ईश्वरन के खिलाफ जांच किस मामले में की जा रही है, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं सामने आई है।

ईश्वरन को छुट्टी पर भेज दिया गया है और अगले आदेश तक उनका मासिक वेतन घटाकर 8,500 डॉलर कर दिया गया है। हालांकि, उन्हें सांसद भत्ता मिलता रहेगा।

निर्वाचन क्षेत्र पर पड़ रहा असर

यह पूछे जाने पर कि क्या इसका असर अब भी उनके जीआरसी पर पड़ रहा है, ली ने कहा कि इस घटना का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है, लेकिन इस घटना से लोगों के लिए सेवा जारी रखने की भावना पर कोई असर नहीं पड़ा है। हम लगातार अपने मिशन पर काम करते रहेंगे और लोगों की मदद के लिए आगे बढ़ते रहेंगे।'

ड्रग्स लेते हैं एलन मस्क?

बड़े खुलासे से मच गया बवाल, अरबपति ने दिया हैरान करने वाला जवाब

सैन फ्रांसिस्को, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के कथित नशीली दवाओं के सेवन ने टेस्ला और स्पेसएक्स के अधिकारियों और बोर्ड के सदस्यों को चिंतित कर दिया है, क्योंकि एलएसडी, कोकीन, एक्स्टसी और साइकेडेलिक मशरूम का कथित सेवन उनके स्वास्थ्य व व्यवसाय को खतरे में डाल सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाल के वर्षों में, उनकी कंपनियों के कुछ अधिकारियों और बोर्ड सदस्यों ने इसको लेकर लगातार चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट में मामले की

जानकारी रखने वाले सूत्रों और अन्य लोगों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि मस्क ने अक्सर निजी पार्टियों में एलएसडी, कोकीन, एक्स्टसी और साइकेडेलिक मशरूम का इस्तेमाल किया है। मस्क के वकील एलेक्स स्पिरो ने डब्ल्यूएसजे को बताया कि उनके मुवक्किल का 'स्पेसएक्स में नियमित और बेतरतीब ढंग से ड्रग परीक्षण किया जाता है और वह कभी भी परीक्षण में विफल नहीं हुए, उन्होंने रिपोर्ट में झूठे तथ्यों का उल्लेख किया, उनका विवरण दिए बिना।' रिपोर्ट में टेस्ला और स्पेसएक्स सीईओ के करीबी लोगों के हवाले से कहा गया है कि उनका नशीली दवाओं का सेवन जारी है, और 'वह केटामाइन का सेवन कर रहे हैं।' मस्क ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि उनके पास इस दवा को 'एंटीडिप्रेसेंट' के रूप में इस्तेमाल करने का नुस्खा है। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक्स मालिक ने रविवार देर रात पोस्ट किया कि 'डब्लूएसजे पक्षी के लिए तोते का पिंजरा बनाने के लिए उपयुक्त नहीं है।' 2018 में, मस्क कॉमेडियन जो रोगन के पॉडकास्ट पर दिखाई दिए, इसमें उन्होंने वह धूम्रपान किया, जिसे रोगन ने मारिजुआना कहा था और व्हिस्की पी थी।

इजराइली बंधकों के परिवार से मिले कतर के पीएम

दोहा/अम्मान/तेल अवीव, 8 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल और हमास की जंग के बीच बंधकों की रिहाई का मसला उलझता जा रहा है। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हमास की कैद में मौजूद बंधकों के कुछ परिवारों ने कतर की राजधानी दोहा जाकर वहां के प्रधानमंत्री से मुलाकात की है। रिपोर्ट के मुताबिक- कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने बंधकों के परिवारों से कहा कि इजराइल ने लेबनान में हमास के डिप्टी लीडर सालेह अल अरूरी को मारकर हालात पेचीदा कर दिए हैं। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात में जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह ने कहा कि अमेरिका को अब फौरन सीजफायर के लिए इजराइल पर दबाव बनाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक- हमास की कैद में मौजूद 6 बंधकों के परिवार शुक्रवार को सीक्रेट विजिट पर दोहा पहुंचे और उन्होंने शनिवार को कतर के प्रधानमंत्री अल थानी से मुलाकात की। बताया जाता है कि थानी ने इन परिवारों को बताया कि इजराइल ने पिछले हफ्ते बेरूत में हमास के डिप्टी लीडर सालेह को मारकर सीजफायर या होस्टेज रिलीज को और मुश्किल बना दिया। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट 'एक्सिओस' ने भी सूत्रों के हवाले से इस बातचीत की पुष्टि की है।

माना जा रहा है कि सालेह के मारे जाने के बाद हमास ने कतर और इजिप्ट से सीजफायर को लेकर चल रही बातचीत रोक दी है। हालांकि, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा था कि बंधकों की रिहाई को लेकर बातचीत जारी है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जॉर्डन पहुंचे और यहां किंग अब्दुल्लाह से मुलाकात की। बातचीत के दौरान किंग अब्दुल्लाह ने ब्लिंकन से कहा कि अब अमेरिका को इजराइल पर दबाव डालना चाहिए ताकि वो सीजफायर के लिए तैयार हो जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसके नतीजे खतरनाक होंगे और इससे जंग का दायरा पूरे मिडिल ईस्ट तक फैलने का खतरा है।

ब्लिंकन अम्मान के पहले तुर्किये भी गए थे और वहां भी प्रेसिडेंट रिसेप तैयप एर्दोगन ने उनसे इजराइल पर दबाव डालने की मांग की थी। यही बात किंग अब्दुल्लाह ने ब्लिंकन से कही। इस पर अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि हालात बिगाड़ने में सबसे बड़ा रोल ईरान का रहा है, क्योंकि वो हमास और हूती जैसे आतंकी संगठनों को हथियार और दूसरी मदद दे रहा है।

भजनलाल सरकार को बड़ा झटका

श्रीकरणपुर में मंत्री को उतारने के बाद भी हारी भाजपा

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव हराकर कांग्रेस को राजस्थान की सत्ता से बेदखल करने वाली जनता ने पहले ही उपचुनाव में सत्ताधारी दल भाजपा को हरा दिया। इतना ही नहीं चुनाव से पहले ही मंत्री बना दिए गए प्रत्याशी को हराकर जनता ने यह बता दिया कि राजस्थान का सियासी मिजाज कुछ अलग है।

कांग्रेस के नेता गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के बाद श्रीकरणपुर विधानसभा में उपचुनाव हुए। यहां कांग्रेस ने गुरदीप कुन्नर के पुत्र रूपिंडर सिंह कुन्नर को प्रत्याशी बनाया था। वहीं चुनाव में मतदान से पहले ही भाजपा ने यहां अपने प्रत्याशी सुरेंद्र पाल टीटी को राजस्थान की सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री का चार्ज दे दिया था। बीजेपी को उम्मीद थी कि प्रत्याशी को मंत्री बनाए जाने से मतदाताओं में मैसेज जाएगा कि टीटी जीते तो क्षेत्र का अच्छे से विकास हो सकेगा लेकिन इसके ठीक उल्टे टीटी चुनाव हार गए।

हालांकि इससे पहले भी टीटी 2018 में इसी सीट से गुरदीप कुन्नर के सामने चुनाव हारे थे। तब भी वे तत्कालीन वसुंधरा सरकार में स्किल डवलपमेंट मंत्री थे।

हालांकि भाजपा विकास के मुद्दे को लेकर इस चुनाव में उतरी थी। यहां सिख और जाट वोटरों की तादाद काफी ज्यादा है और इलाका पंजाब से सटा हुआ है इसलिए वहां के मुद्दे भी चुनावों पर असर डालते हैं।

हालांकि यह ऐसा नहीं है कि टीटी मंत्री बनने के चलते चुनाव हारे। मंत्री बनाए जाने से तो उनके हार का मार्जिन कम ही हुआ है। यदि उन्हें मंत्री नहीं बनाया जाता तो शायद हार का अंतर और ज्यादा होता।

हार और जीत के बड़े कारण

किसान आंदोलन

भौगोलिक रूप से वैसे तो यह इलाका राजस्थान में आता है लेकिन यहां का रहन-सहन और रीति-रिवाज पूरी तरह पंजाबी हैं। यानी वहां के मुद्दे यहां सीधे असर डालते हैं। किसान आंदोलन को लेकर यहां सरदारों के साथ सेंटिमेंट जुड़े हुए थे जो बीजेपी के खिलाफ थे।

दायमा का बयान

विधानसभा चुनावों के दौरान अलवर में बीजेपी नेता संदीप दायमा का विवादित बयान भी इस हार के लिए बड़ी वजह है। उन्होंने तिजारा में हुई सभा के दौरान मस्जिद और गुरुद्वारों को तोड़ने की बात कह दी थी। इसके बाद बीजेपी ने उन पर एक्शन लेते हुए उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता तो दिखा दिया लेकिन ये पब्लिक सेंटिमेंट के लिए काफी नहीं था।

आप प्रत्याशी का कांग्रेस को समर्थन

इस सीट पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी पृथुपाल सिंह का कांग्रेस के पक्ष में चला जाना भाजपा को भारी पड़ा। यहां मुकाबला टीटी, कुन्नर और पृथुपाल सिंह के बीच था लेकिन ऐन मौके पर पृथुपाल सिंह ने चुनाव से हाथ खींच लिए और उनके वोट कांग्रेस की तरफ चले गए।

सहानुभूति फेक्टर

कांग्रेस को यहां ग्रामीण क्षेत्रों से काफी वोट मिले हैं। जिस इलाके से कुन्नर जीतकर आए हैं, वहां महिलाएं काफी आगे रहती हैं। कुन्नर की मां प्रचार में काफी सक्रिय रहीं और उन्होंने झोली फैलाकर अपने बेटे के लिए वोट मांगे। इसका सीधा फायदा कुन्नर को मिला।

बड़े चेहरे की कमी

पूरे उपचुनाव में भाजपा के पास यहां प्रचार करने के लिए कोई बड़ा चेहरा नहीं था। विधानसभा चुनाव हार चुके राजेंद्र राठौड़ ने जरूर यहां कुछ ताकत लगाई लेकिन स्थानीय स्तर पर कोई प्रभावशाली चेहरा प्रचार में नहीं जुटा।

'सरकार मंत्री बना सकती है, विधायक नहीं'

भाजपा की हार पर कांग्रेस का रिएक्शन

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीकरणपुर उप-चुनाव में भाजपा के सुरेंद्र पाल सिंह टीटी हार गए। कांग्रेस के रुपिंदर सिंह कुन्नर ने इलेक्शन जीता है, जिस पर खुशी जताते हुए राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर तीखा जुबानी तंज कसा। गोविंद ने कहा कि कोई भी सरकार मंत्री बना सकती है, लेकिन विधायक नहीं। विधायक चुनने का अधिकार जनता को मिला है। गोविंद डोटसरा ने सोशल मीडिया अकाउंट X पर ट्वीट लिखा कि भाजपा ने आचार संहिता की धज्जियां उड़ाईं। नियमों को ताक पर रखकर अपने प्रत्याशी को मंत्री बना दिया। चुनाव आयोग ने भी कुछ नहीं किया, लेकिन जनता ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

अशोक गहलोत ने सरकार चलाने के तरीके पर उठाए सवाल

वहीं के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब समझ गई है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद भी कांग्रेस की ताकत कम नहीं हुई। उप-चुनाव में हुई जीत का फायदा हमें लोकसभा चुनाव 2024 में मिलेगा। राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी, लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार में BJP ने देरी कर दी। यह सरकार चलाने का कोई तौर तरीके है क्या? जनता पर पहले ही भाजपा की लेट वर्किंग का असर पड़ चुका है, अब भाजपा उम्मीदवार की हार का फायदा कांग्रेस को ही मिलेगा।

श्री करणपुर उपचुनाव के लिए 5 जनवरी हुआ मतदान

बता दें कि गत महीने हुए विधानसभा चुनाव मतदान से पहले श्री करणपुर से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व विधायक गुरमीतस सिंह कुन्नर की मौत हो गई थी। इसलिए चुनाव आयोग ने उप-चुनाव का ऐलान किया। 5 जनवरी 2024 को उप-चुनाव के लिए मतदान हुआ। 8 जनवरी को वोटों की गिनती हुई, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी रुपिंदर सिंह कुन्नर को विजेता घोषित किया गया। भाजपा के प्रत्याशी और मंत्री बनाए गए सुरेंद्र पाल सिंह TT 12 हजार वोटों से हार गए। भाजपा ने उप-चुनाव मतदान होने से पहले सुरेंद्र पाल सिंह को मंत्री बनाकर ट्रम्प कार्ड खेला था, लेकिन दांव उल्टा पड़ गया। विपक्षी दल कांग्रेस उप-चुनाव में भाजपा की हार के खूब मजे ले रहा है।

मंत्रिमंडल के साथ सीएम की अनौपचारिक बैठक

कहा- 3 दिन जयपुर और 3 दिन अपने क्षेत्र में रहें

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कल मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ अपनी पहली अनौपचारिक बैठक की। बैठक में सरकार की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। साथ ही मुख्यमंत्री शर्मा ने मंत्रियों को तीन दिन जयपुर और तीन दिन फील्ड में रहने के निर्देश दिए और संबंधित विभागों में पूरी जानकारी के साथ काम करने की हिदायत दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पहली बार सभी मंत्रियों को भोजन पर आमंत्रित किया था। यहां हुई अनौपचारिक बातचीत में सीएम भजनलाल शर्मा ने मंत्रियों के साथ आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री शर्मा ने मंत्रियों को तीन दिन जयपुर और तीन दिन फील्ड में रहने के निर्देश दिए। साथ ही मंत्रियों को अपने विभागों में पूरी जानकारी के साथ काम करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के अनुरूप योजनाओं को आम लोगों को तक पहुंचाने के लिए पूरी निगरानी रखने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित इस भोज के लिए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा मंत्री गजेंद्रसिंह खींवसर, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, शिक्षामंत्री मदन दिलावर, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, कानून मंत्री जोराराम कुमावत, जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, राज्यमंत्री संजय शर्मा, गौतम कुमार दक, ओटाराम देवासी, विजय सिंह चौधरी, मंजू बाघमार और केके विश्नोई पहुंचे।

विश्वविद्यालय का 78वां स्थापना दिवस समारोह

उच्च शिक्षा को और विकसित किए जाने पर जोर

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान विश्वविद्यालय के 78वें स्थापना समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के लिए विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाने के साथ ही वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को तैयार करने पर जोर दिया।

राज्यपाल मिश्र ने सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के 78वें स्थापना दिवस पर संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय वह स्थान है, जहां से ज्ञान के बीज अंकुरित होते हैं। यहीं से हमारी युवा पीढ़ी भविष्य में कुछ बनने के स्वप्न संजोती है। उन्होंने कहा कि आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होने के अमृतकाल में न केवल हमें विकास के लिए निरंतर कार्य करना है बल्कि आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक तथा लैंगिक असमानताओं को दूर कर तेजी से आगे बढ़ना है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने आपको इस तरह से विकसित करें कि विदेशों से अभिभावक अपने बच्चों को भारत पढ़ने के लिए भेजने हेतु उत्सुक रहें। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प के लिए उच्च शिक्षा से जुड़े युवाओं को आगे आकर महती भूमिका निभाने का भी आह्वान किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से अपने यहां कौशल विकास और प्रौद्योगिकी संबंधी पाठ्यक्रम विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं को यह विश्वास दिलाए कि उनके निर्णयों पर समाज भरोसा करता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा युवाओं को मानवीय आदर्शों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यों और प्राथमिकताओं से परिचित कराने के लिए भी कार्य करने का आह्वान किया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के गौरवमय इतिहास की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों में निहित उन तमाम क्षमताओं का विकास करती है जो उसे भविष्य की चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए सक्षम बनाती है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने भी उच्च शिक्षा के जरिए युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में रिक्त पद भरने के लिए प्रभावी प्रयास होंगे। सांसद रामचरण बोहरा और विधायक एवं पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ ने भी शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी बनाए जाने के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों और स्थापना दिवस पर भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में 300 राशन किट वितरित, उज्जवला कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड भी बांटे

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर की आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के गोविंद मार्ग राजा पार्क स्थित आर्य समाज पार्क में विकसित भारत संकल्प यात्रा का शिविर लगाया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा, आदर्श नगर विधानसभा प्रत्याशी और भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ राजस्थान के संयोजक रवि नैय्यर ने शिविर में उपस्थित सभी लाभार्थियों से संपर्क कर व्यक्तिगत परिचय किया। साथ ही लाभार्थियों को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रत्येक स्टॉल पर जाकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की गई। शिविर में उज्जवला योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को गैस कनेक्शन और आयुष्मान भारत योजना के हेल्थ बीमा कार्ड भी वितरित किये गए। इसके अलावा 300 जरूरतमंद परिवारों को अन्नपूर्णा राशन किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी सोशल मीडिया प्रदेश सह संयोजक अजय विजयवर्गीय, समाजसेवी प्रदीप मित्तल, और विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष, वर्तमान पार्षदगण और भाजपा के कार्यकर्ताओं सहित प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

कभी हां कभी ना... अंजू और अरविंद के बीच फंसा तलाक का पेंच, कहां तक पहुंचा मामला

अलवर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से भारत लौटी अंजू ने पहले पति अरविंद से तलाक मांगा है. लेकिन अब अरविंद ने उन्हें यह कहकर तगड़ा झटका दे दिया वो उन्हें तलाक नहीं देंगे. जबकि, इससे पहले अरविंद ने भी खुद कहा था कि अंजू से उन्हें कोई मतलब नहीं. वो उन्हें तलाक दे देंगे. लेकिन अब उन्होंने तलाक के पेपर्स पर साइन करने से इनकार कर दिया है.

पति और बच्चों को छोड़ प्रेमी की खातिर पाकिस्तान पहुंची अंजू उर्फ फातिमा नवंबर महीने में वापस आ गई थीं. वो भी सिर्फ पहले पति अरविंद को तलाक देने के लिए. लेकिन उनकी मुसीबत उस समय बढ़ गई जब अरविंद ने उन्हें तलाक देने से इनकार कर दिया. लेकिन इससे पहले अरविंद ने खुद कहा था कि वो अंजू को तलाक दे देंगे. क्योंकि उन्हें अब अंजू से कोई मतलब नहीं. अब अंजू बीच मंजधार में फंसी हुई हैं. क्योंकि अरविंद ने तलाक के दस्तावेजों पर साइन करने से मना कर दिया है.

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान लौटने के 5 महीने बाद जनवरी 2024 को अंजू पहले पति अरविंद से मिली थीं. दोनों के बीच बच्चों को लेकर बात हुई थी. अंजू ने बताया था कि उन्होंने अपने भारतीय पति अरविंद से मुलाकात की. लेकिन सिर्फ बच्चों की खातिर. दोनों के बीच जो भी बातचीत हुई है वो बच्चों को लेकर ही हुई. अरविंद ने भी अंजू के साथ अपने मामले को पर्सनल मैटर बताते हुए कहा कि हम दोनों साथ में बच्चों का खर्च उठाएंगे. उन्होंने ये भी कहा कि उनके और अंजू के बीच सिर्फ बच्चों को लेकर बातचीत हो रही है. अंजू का कहना है कि उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी बच्चों का भविष्य है और इसके लिए वो कुछ भी करेंगी. उन्होंने ये भी बताया था कि नसरुल्लाह भी जल्द भारत आ रहे हैं. अंजू का कहना है कि अगर बच्चे उनके साथ पाकिस्तान जाना चाहंगे तो वो उनको लेकर चली जाएंगी. लेकिन अगर बच्चे भारत में ही रहना चाहेंगे तो वो उन्हें फोर्स नहीं करेंगी. वो बच्चों के साथ ही रहना चाहती हैं.

वहीं, अरविंद की बात करें तो जब अंजू उन्हें छोड़कर पाकिस्तान गई थी तो उन्होंने थाने में तहरीर दी थी. अंजू और नसरुल्लाह दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था. फिर जब अंजू ने शादीशुदा होने के बावजूद पाकिस्तान में अपने प्रेमी नसरुल्लाह संग निकाह कर लिया था तो अरविंद ने कहा था कि वो अब उनके लिए मर चुकी है. कहा था कि वो अंजू को तलाक दे देंगे. लेकिन अब जब अंजू भारत लौटकर अरविंद से तलाक मांग रही हैं तो उन्होंने डाइवोर्स पेपर्स पर साइन करने से साफ इनकार कर दिया है. जिस पर अंजू ने कहा कि अब वो अपना पक्ष मजबूती से रखेंगी. अरविंद से तलाक तो लेकर ही रहेंगी. वहीं, अंजू के पाकिस्तानी पति नसरुल्लाह भी अरविंद के तलाक के पेपर्स पर साइन न करने से नाखुश हैं. उनका कहना है कि जब अंजू अरविंद के साथ रहना ही नहीं चाहती हैं तो वो उन्हें तलाक दे क्यों नहीं रहे. अरविंद को तलाक दे देना चाहिए. नसरुल्लाह ने आगे कहा कि वो दो महीने में भारत आ जाएंगे. अंजू और बच्चों से मिलेंगे.

मां की गोद से उछलकर गिरा मासूम, मौत

सड़क पार करते हुए ट्रैक्टर ने टक्कर मारी

सरस पार्लर पर नाश्ता करने रुके थे

भीलवाड़ा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क पार कर रही मां को ट्रैक्टर की टक्कर लगी तो 2 साल का मासूम गोद से उछल कर नीचे गिर गया। सिर पर गंभीर चोट लगने से इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। मां भी गंभीर घायल हो गई। बच्चा अपनी मां और चाचा-चाची के साथ अपने फंक्शन में अरजिया गांव जा रहा था। इस दौरान वे लोग सरस पार्लर पर नाश्ता करने रुके थे। मां उसे गोद में उठाकर सड़क पार कर रही थी कि इसी दौरान ये हादसा हो गया। मामला भीलवाड़ा के सदर थाना क्षेत्र का है।

जैसलमेर बॉर्डर पर सीमा पार से पाक की नापाक हरकत

एक साथ पैराशूट,ड्रोन और कबूतर की संदिग्ध एंट्री

जैसलमेर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हर बार की तरह पाकिस्तान एक बार फिर से रंगे हाथ पकड़ा गया है. जैसलमेर बॉर्डर पर सीमा पार से पाक की नापाक हरकत सामने आयी है. जहां पाकिस्तान ने जैसलमेर में घुसपैठ की कोशिश की. पैराशूट,ड्रोन और कबूतर की एक साथ संदिग्ध एंट्री हुई.

पाकिस्तान से जैसलमेर बॉर्डर सीमा में ड्रोन आया. ड्रोन के साथ संदिग्ध कबूतर को भी भेजा गया है. लेकिन ड्रोन से बंधा होने के कारण कबूतर की मौत हो गयी. वहीं क्षेत्र में एक छोटा पैराशूट भी फटा हुआ मिला है. जिसे अंतराष्ट्रीय शाहगढ़ बल्ज क्षेत्र के खरिया पोस्ट पर ने बरामद किया. सीमा सुरक्षा बल की 35 बटालियन ने कार्रवाई की है.

सीमा सुरक्षा बल को बॉर्डर पर से तीन संदिग्ध वस्तु की रिकवरी हुई है. जिसको लेकर अब बीएसएफ और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही है. हालांकि सवाल ये ही उठता है कि आखिर सीमा पार से तीन संदिग्ध वस्तु की एंट्री के पीछे क्या है पाक के मंसूबे ? माना जा रहा है कि सीमा पार पाकिस्तान से यह डमी ट्रायल हो सकता है. इसके कारण बॉर्डर पर बीएसएफ अलर्ट मोड़ पर है.

पूर्वी राजस्थान में बारिश का अलर्ट

तापमान में और गिरावट का अनुमान, कोहरा बरकरार

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में लगातार शीतलहर का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। अजमेर, बांसवाड़ा, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सिरोही, टोंक और उदयपुर में मध्यम वर्षा होने की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही पूरे राजस्थान में घने और अति घने कोहरे के बने रहने की भी चेतावनी दी गई है।

दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे चल रहा है। न्यूनतम तापमान में भी एक सप्ताह तक कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, टोंक, बीकानेर, हनुमानगढ़ और चूरू में शीतलहर का असर देखने को मिल रहा है।

राजधानी जयपुर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान में कुछ राहत मिलने की संभावना है लेकिन इसके बाद फिर से सर्दी का असर बढ़ने के आसार हैं। गंगानगर में दिन के अधिकतम तापमान में सबसे ज्यादा 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखने को मिल रही है। इसके अलावा चूरू में भी दिन के अधिकतम तापमान में 9 डिग्री की कमी दर्ज की गई है।

अपने ही भांजे की धोखाधड़ी का शिकार हुए मामा

मुआवजे में मिले 72 लाख में मारी सेंध

दौसा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा जिले के कोलवा थाने में दर्ज मामले के अनुसार अपने चार मामाओं के बैंक खातों में एक भांजे ने कभी फोन पे, तो कभी एटीएम और कभी और किसी प्लेटफार्म के जरिए 72 लाख 50 हजार रुपये की सेंध मार दी। बताया जा रहा है कि मामाओं के खातों में यह रकम एक्सप्रेस हाईवे निर्माण के दौरान मुआवजे से आई थी। पीड़ितों ने जब अपने खाते में रकम खत्म होते देखी तब सारा खुलासा हुआ।

पीड़ित रामस्वरूप मीना निवासी धनावड ढाणी ने बताया कि हम चार भाई हैं। हमारी जमीन वर्ष 2019 में एनएचएआई दिल्ली-बड़ोदरा नेशनल हाईवे में जाने के कारण हमें इसका कुल मुआवजा एक करोड़ दस लाख के आसपास मिला था। इस रकम को हम चारों भाइयों ने बराबर बांट लिया था।

रामस्वरूप ने जानकारी देते हुए बताया कि बैंक खातों में पैसा जमा होने के बाद अब तक लगभग 37 लाख हम चारों भाइयों द्वारा निकाले गए थे। अभी हाल ही में छोटे भाई नरसी की बेटी की शादी तय होने के कारण 5 जनवरी 2024 को बैंक से जब घमंडीलाल मीना पैसे लेने गया तो एक लाख रुपये निकालने के बाद शेष रकम 33 हजार देखकर उसके होश उड़ गए।

इस संबंध में बैंककर्मी से पूछताछ की तो पता चला कि सिकन्दरा जिला दौसा निवासी विश्राम पुत्र हरसहाय मीना ने फोन पे व एटीएम के माध्यम से ये सारे पैसे निकाल लिए।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 121वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल संपन्न

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा के सहयोग से 121 वां निशुल्क मेडिकल कैम्प अग्रवाल समाज तेलंगाना मलकपेट शाखा के सहयोग से मलकपेट स्थित बचपन एंड एएचपीएस स्कूल में आयोजित किया गया जिसका 309 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. राजेश शुक्ला, स्त्री रोग की सेवा डॉ. के. साकेत, कार्डियोलाजिस्ट डॉ.दीपक शाह, अस्थीरोग की जांच डॉ.सुमन द्वारा की गई। अवसर पर लोगों की ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच में बेगमपेट मार्केटिंग टीम, मार्केटिंग प्रबंधक श्रीकांत, शिविर संयोजक सुनील और नर्सिंग स्टाफ ने दी। शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सक डॉ.वेकटेश्वरलू, डॉ.अली, प्रबंधक श्रीनिवास, शेख अब्दुल्ला सहित अन्यों ने नेत्रों की जांच के पश्चात 90 जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे और 10 योग्य के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की गई। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा दी गई। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा 5 रोगियों को सेवा दी गई।

अवसर पर कैम्प के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता,सुरेन्द्र गोयल, अग्रवाल सेवा दल के सुरेंद्र गोयल, कैलाश केडिया, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, सह-कंचन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल, बचपन स्कूल के सीईओ मनीष अग्रवाल, साईदा राबिया, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी, सचिव प्रदीप बंसल, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, सह-मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, सलाहकार गोविन्द नारायण मोदी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, लाजपतराय गुप्ता, केएस सदस्य राजकुमार गुप्ता, संयोजक ओमप्रकाश पचेरिया, श्यामसुन्दर अग्रवाल, चन्द्रमोहन अग्रवाल, गोपाल मोदी, हरिशचन्द्र बजाज, सतीश बंसल, संजीव गोयल, संजय गुप्ता, निश्चिंत अग्रवाल, शंकरलाल मोदी, राकेश बंसल, नितेश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, हर्ष बंसल, अग्रवाल समाज के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ.दिलीप पंसारी, कोत्ता पेट अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल, स्वयंसेवी बबीता गर्ग, सुनैना नरसरिया, निर्मला केडिया, योगेश अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, राधेश्याम बियानी, अंकित, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव सहित पित्ती नॉमिनेशन के सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

तेलंगाना के छात्रों के लिए अच्छी खबर

अगले शैक्षणिक वर्ष से स्कूल बैग हो जाएंगे 25 प्रतिशत हल्का

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों के लिए स्कूल जाना कम बोझिल होगा क्योंकि अगले शैक्षणिक वर्ष से उनका बैग कम से कम 25 प्रतिशत हल्का हो जाएगा। बढ़ते बच्चों के कंधों पर भारी स्कूल बैग के बोझ को लेकर बढ़ती चिंताओं के जवाब में, स्कूल शिक्षा विभाग बोझ को हल्का करने के लिए पाठ्यपुस्तकों में कागज की मोटाई कम कर रहा है।

पाठ्यपुस्तकों के कागज की मोटाई 90 ग्राम प्रति वर्ग मीटर (जीएसएम) से घटाकर 70 जीएमएस कर दी जाएगी - जिसके परिणामस्वरूप कक्षा के आधार पर स्कूल बैग 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक हल्के हो जाएंगे। प्रारंभिक अनुमानों से पता चलता है कि दसवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तकें, जिनका वजन अब लगभग 4.5 किलोग्राम है, कागज की मोटाई कम होने के बाद एक किलोग्राम कम हो जाएगी।

बच्चों पर बोझ कम करने के अलावा, विभाग को कागज की खरीद पर बड़ी बचत होगी क्योंकि कच्चे कागज की खरीद मौजूदा 11,000 टन से घटकर 8,000 टन हो जाएगी। इससे विभाग को कच्चे कागज की खरीद पर 30 से 40 करोड़ रुपये की बचत करने में मदद मिलेगी। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के छात्रों को मुफ्त पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने में 150 करोड़ रुपये खर्च किए गए। अगले शैक्षणिक वर्ष में मुफ्त घटक के तहत सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के 24.66 लाख छात्रों को लगभग 2 करोड़ पाठ्यपुस्तकें प्रदान की जाएंगी।

एक अधिकारी ने कहा कि यह प्रस्ताव, जो राज्य सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है, स्कूल बैग के बोझ और लागत में कटौती के अलावा, एक पर्यावरण-अनुकूल कदम भी है। यह कदम टनों कच्चे कागज सामग्री के उपयोग को कम करके पर्यावरण पर अनुचित प्रभाव को कम करने की समकालीन बहस के अनुरूप है।

क्रेन कंपनी में मजदूरकी दुर्घटना में मृत्यु

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम रफीकपुर, जिला, सिवान, बिहार के निवासी रामनंदन राम के पुत्र उपेंद्र राम का शिवफार्मा क्रेन कंपनी में काम करने के दौरान ही मृत्यु हो गया। यह खबर सुनते ही बिहार एसोसिएशन के सदस्यों ने संज्ञान लेकर धरना प्रदर्शन कर कंपनी से 10 लाख की मुआवजा राशि पीड़ित को दिलाने का काम किया। साथ ही मृतक के शव को उसके पैतृक गांव रफीकपुर, जिला सिवान भिजवाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की। इस कार्य में संगठन के सदस्य रमेश राम, बसंत झा, रविंद्र, गुड्डू यादव, हरेराम, मनीष सिंह, रंजन सिंह, श्रीराम इत्यादि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एमएलसी कविता ने बिलकिस बानो मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने सोमवार को बिलकिस बानो मामले के दोषियों की सजा को पलटने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कविता ने कहा कि बिलकिस बानो का दर्द अद्वितीय है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का फैसला श्महिलाओं की अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का एक शक्तिशाली संदेश भेजता है। उन्होंने पोस्ट किया, ष्न्याय की जीत हुई है, ऐसा हर फैसला एक महत्वपूर्ण मिसाल कायम करता है कि हमारा देश महिलाओं के साथ खड़ा है।

इससे पहले अगस्त 2022 में, कविता ने भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एनवी रमन्ना को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने 2002 के बिलकिस बानो मामले में 11 दोषियों की रिहाई का विरोध किया था। उन्होंने शीर्ष अदालत से हस्तक्षेप करके कानूनों में देश के विश्वास को बचाने का आग्रह किया था। और 1992 की नीति में छूट देने के गुजरात सरकार के फैसले को उलट दिया जाएगा, क्योंकि 2014 की संशोधित नीति उन्हें छूट के लिए अयोग्य बना देगी। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच किए गए ऐसे मामलों के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी की आवश्यकता होती है और इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि दोषियों को रिहा करने से पहले केंद्र सरकार से परामर्श किया गया था या नहीं।

प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से 37 आवेदन प्राप्त हुए: कलेक्टर

निर्मल, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधीश आशीष सांगवान ने बताया कि जिले में जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से 3% आवेदन प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर ने बताया कि सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनसंबोधन में अलग-अलग हिस्सों से 3% याचिकाकर्ताओं की शिकायतें प्राप्त हुईं, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनकी समस्याएं जानने और उचित कार्रवाई करने का आदेश दिया। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता किशोर कुमार, फैजान अहमद, जिला पदाधिकारी व अन्य शामिल हुए।

प्रजावाणी के दौरान प्राप्त शिकायतों का निराकरण जल्द करें: जिलाधीश

निजामाबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंथु ने अधिकारियों को हैदराबाद के ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान प्राप्त शिकायतों और मुद्दों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को हैदराबाद में प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत आवेदनों पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए, उन्होंने कहा कि उन्हें आवेदनों पर की गई कार्रवाई और यदि शिकायतों का समाधान नहीं हुआ, तो कारण बताते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इसके पीछे । उन्होंने कहा कि अधिकारी हर हफ्ते शिकायतों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा करेंगे।श्श् इस बीच सोमवार को जिला समाहरणालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में करीब 63 शिकायतें प्राप्त हुईं।

आंध्रा-तेलंगाना में ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा-2023 समायोजित

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महासभा,ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के अन्तर्गत एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के तत्वावधान में ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा 2023 आयोजित की गई। क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पूरे देशभर में और विदेशी केन्द्रों में भी एक साथ एक समय में संचालित की जाने वाली इस वार्षिक परीक्षा में हैदराबाद में संचालित 23 ज्ञानशालाओं के कुल 6 परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए। सिकंदराबाद तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बाबूलाल बैद, महासभा बोर्ड सदस्य लक्ष्मीपत बैद व तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष कविता आच्छा ज्ञानशाला की आंचलिक संयोजक सीमा दस्साणी, क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा आदि गणमान्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में हिमायत नगर सभा भवन में प्रश्न पत्र खोले गए।

मुख्य परीक्षा व्यवस्थापक पुष्पा जी बरड़िया परामर्शक अंजू बैद क्षेत्रीय सहसंयोजक यशोदा कोठारी, माधुरी लुणावत, सरिता नखत व महिला मंडल परामर्शदाता अर्पिता जी लोढा व सभा के मंत्री सुशील संचेती, बाबुलाल बैंगानी, निर्म बैंगानी आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति में डीवी कॉलोनी भवन में प्रश्न पत्रों का अनावरण हुआ।

बोलाराम केंद्र में आंचलिक सहसंयोजक सरोज जी लोढ़ा व हाईटेक सिटी केंद्र में परीक्षा सहव्यवस्थापक सुमन जी सेठिया व क्षेत्रीय सहसंयोजक सरिता नखत उपस्थित रहे।

सभी परीक्षा केन्द्रों में सभा के प्रतिनिधियों और कार्यसमिति सदस्यों की साक्षी में परीक्षकों द्वारा प्रश्नपत्र खोले गए। तेलंगाना क्षेत्र से इन वार्षिक मौखिक परीक्षाओं में 260 ज्ञानार्थियों ने की उम्र के बालक-बालिकाओं को अवश्य ज्ञानशाला भेजें।

बिहार सहयोग समिति ने की बैठक

श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर होगा अन्नदान

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना की बैठक दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर, मल्काजगिरी में बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आंनद गुप्ता और हरीश यादव ने 2023 का लेखा-जोखा पेश किया। सचिव मनोज यादव ने बताया कि 26 जनवरी को झंडा फहराया जाएगा। इस प्रोग्राम इंचार्ज सुनील भगत ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के शुभ अवसर पर दुर्गा माता मंदिर में पूजा, भजन, और अन्दानम किया जाएगा। सभी भक्तों से अनुरोध है कि पूरे परिवार के साथ आकर प्रसाद ग्रहण करें। उपाध्यक्ष सागर भगत ने कुछ नए लोगों को समिति में जोड़ें जाए और हर एरिया में एक कमेटी बनाई जाने का सुझाव दिए। अभी तक ललन मिश्रा ने सबसे ज्यादा मेंबर बनाए हैं और आगे भी इसको जारी रखने का आश्वासन दिये। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष सागर भगत, जैन्त यादव, सचिव मनोज यादव, कोषाध्यक्ष आंनद गुप्ता, हरीश यादव, पंकज यादव प्रोग्राम इंचार्ज सुनील भगत, ललन मिश्रा, रविन्द्र भगत, सूरज यादव, मनोज भगत एवं भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ता शामिल रहे।

एएसपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

भैंसा, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एएसपी कार्यालय में एएसपी कांतिलाल पटेल ने कार्यालय में मंडल के पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर उन्होंने लंबित मामलों की जांच तेजी से पूरी करने को कहा और उपद्रवी शीटर्स पर नजर रख सात ही चोरी एवं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष उपाय किए जाए। साइबर टगी के मामले को लेकर उन्होंने चिंता जताई कहा लोगो की मेहनत की कमाई पर ठग हात साफ कर रहे है। साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाए कहा। सभी को लंबित प्रस्तावों की छूट से भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने फरार चल रहे अपराधियों पर नजर रखने और कानून के मुताबिक कार्रवाई करने का आदेश दिया। इसमें संभाग के सभी सीआई व एसआई मौजूद थे।

बासर बस स्टैंड परिसर में दुकानें हटाने से तनाव

निर्मल, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बासर बस स्टैंड परिसर में आरटीसी अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य पिछले एक सप्ताह से चल रहा है। गार्ड वॉल के निर्माण के दौरान स्थानीय व्यापारियों और आरटीसी अधिकारियों के बीच विवाद हो गया। भैंसा डिपो मैनेजर सुरक्षा दीवार के निर्माण की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने अमृता को अपने साथी कर्मचारियों के साथ परिसर से अवैध दुकानें हटाने के लिए कहा। स्थानीय व्यापारियों ने अधिकारियों के सामने यह कहते हुए विरोध जताया कि हम आरटीसी के अधीन नहीं हैं और पिछले कुछ वर्षों से एक खाली जगह पर व्यापार कर रहे हैं जो आर एंड बी और ग्राम पंचायत का हिस्सा है, और उन्हें हटाने का कोई कारण नहीं है। हालांकि वे कहा कि उनके पास सारे सबूत हैं, इस पर डिपो मैनेजर अमृता ने स्थानीय व्यापारियों का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें अनुमति किसने दी। हालांकि, आरटीसी डिपो मैनेजर अमृता ने खुलासा किया कि स्थानीय बस स्टैंड परिसर के भीतर की दुकानों को तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। जेसीबी की मदद से दो दुकानें तोड़ी गईं तो अधिकारियों और व्यापारियों के बीच नोकझोंक भी हुई। एक दिन की मोहलत देते हुए डिपो मैनेजर ने कहा कि अगर बुधवार शाम तक डिपो मैनेजर नहीं बुलाए, तो जेसीबी की मदद से दुकानें हटा दी जाएंगी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साइबराबाद के माधापुर जोन के नवनियुक्त डीसीपी डॉ. विनीत ने आज पदभार ग्रहण किया। माधापुर जोन के एडीसीपी नंदयाला नरसिम्हा रेड्डी, एसीपी और इंस्पेक्टरों ने डीसीपी को बधाई दी।

बार के विरोध में गारमेंट दुकान मालिक ने आत्महत्या का प्रयास किया

करीमनगर, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक कपड़ा दुकान के मालिक ने अपनी दुकान के पास बार खोलने के विरोध में यहां कलक्ट्रेट में कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। करीमनगर के गांधी रोड में कपड़े की दुकान चलाने वाले वेंगलदास अशोक सोमवार को जन शिकायत कार्यक्रम प्रजावाणी में अधिकारियों को ज्ञापन देने के लिए कलक्ट्रेट आए थे। उसने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया और आग लगाने की कोशिश की। सतर्क पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उसके प्रयास को विफल कर दिया और उसे हिरासत में ले लिया। उन्हें अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। अशोक ने कहा कि उनके अनुरोध के बावजूद, मालिक बार को स्थानांतरित नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा, अगर बार उनकी दुकान के अलावा स्थित होगा तो ग्राहक उनकी दुकान पर नहीं आएंगे।

महेन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मन्दिर में एकादशी के अवसर पर सांवरे के बावरे के तत्वावधान में आयोजित कीर्तन 'दिल की बात श्याम के साथ' में भजन प्रस्तुत करते हुए आशु भारती। भजन गायक एवं मेहमानों का सम्मान करते हुए पहाडी श्याम मन्दिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, संदीप गोयनका, ब्रिजेश मोदी, रवि सबलका। अवसर पर उपस्थित साँवरे के बांवरे के अमन सारडा, हितेश अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, कपिश, गोपाल, तनिष्क, गर्व, हर्ष, सन्नी, अमित एवं भक्तगण।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-6 क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

(मेड़चल जीडिमेटला स्पोर्टस क्लब ने जमाया ट्रॉफी पर कब्जा)

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अलियाबाद स्थित सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउण्ड में सीरवी फ्रेन्डस क्लब हैदराबाद (तेलंगाना) के तत्वावधान में 19 नवंबर से प्रत्येक रविवार को 24 टीमों के मध्य आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग-6 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमी फाईनल व फाईनल मैच रविवार 7 जनवरी प्रात: 7.15 बजे से दीप प्रज्वलितकर भव्यरूप से आयोजित किये गये।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में फ्रैन्डस क्लब के सुरेश सैंणचा ने बताया कि प्रतियोगिता के समापन्न दिवस पर सेमीफाईनल व फाईनल मैच

खेले गये। फाईनल मैच करमनघाट वॉरियर्स व मेड़चल जीडिमेटला स्पोर्टस क्लब के मध्य खेला गया। जिसमें मेड़चल जीडिमेटला स्पोर्टस क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। चिरंजीवी को मैन ऑफ दी मैच दिया गया। फाईनल मैच के पश्चात समापन्न व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्पॉन्सरों व सम्मानित अतिथिओं, सीरवी समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। प्रतियोगिता की उपविजेता टीम करमनघाट वॉरियर्स को नगद 31000 रुपये, मेडल व ट्रॉफी एवं विजेता टीम मेड़चल जीडिमेटला स्पोर्टस क्लब को नगद 51000 रुपये राशी, मेडल व ट्रोफी से सम्मानित किया। बेस्ट बॉलर निलेश चौधरी व बेस्ट बेट्समैन एवं मैन ऑफ दी सीरीज का पुरस्कार रजत काग को दिया गया।

अवसर पर बत्तौर सम्मानित अतिथि बोलते हुए परसराम बर्फा, जसराज सोलंकी, प्रकाश आगलेचा, चेलाराम काग, ओकाराम सोलंकी, सीए जस्साराम बर्फा ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर सीरवी फ्रेन्डर्स क्लब के सभी सदस्यों एवं खेल को खेल की भावना से खेलने पर सभी खिलाडियों को बधाई दी। एवं पहली बार सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउंड पर समाज की टीमों द्वारा प्रतियोगिता आयोजित करने पर प्रसन्नता जाहिर की। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर लाभार्थी परिवार मोहन ज्वैलर्स पोट मार्केट द्वारा की गयी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीरवी फ्रेन्डस् क्लब के सुरेश सैंणचा, राजुराम आगलेचा, सुमिल चोयल, मोहन चोयल, किशन चौधरी, प्रकाश राठौड़, छोगाराम चौधरी, मुकेश चौधरी, राजेश चौधरी, नरेश चौधरी व सभी सदस्यों का प्रतियोगिता में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम एवं मंच का संचालन सुरेश सैंणचा ने किया। अगराराम चोयल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में बाबा के दर्शन करते हुए बाबा के भक्त। इस अवसर पर उपस्थित समाजसेवी धर्माराम ढाका, अनिल तंवर, परबत सोलंकी व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कुछ लोग महुआ ...

उन्हें प्रसन्नता है कि उनकी सरकार को आदिवासी समाज के निचले स्तर पर जाकर काम करने का मौका मिला। सहयोगियों की ओर से कैबिनेट में गहन मंथन के बाद जनकल्याण के लिए योजनाएं तैयार की जाती हैं। दिल्ली में बनी यह योजनाएं कुशलता से जमीनी स्तर पर किस तरह से क्रियान्वित की जा रही हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा भी आयोजित की जा रही है। उत्तर बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्र की ओर से चलाई जा रही अनेक योजनाओं का किस तरह असर हुआ है। उन्होंने कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर के भानबेड़ा की हितग्राही भूमिका भूआर्य से ग्राम मनकेसरी में हुए कार्यक्रम में वर्चुअल संवाद किया।

भारत ने मालदीव ...

इससे मालदीव के मंत्री और नेता नाराज नजर आए। उनके आपत्तिजनक पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर भारतीयों और मालदीव के नागरिकों के बीच जंग छिड़ गई। भारत के लोगों का गुस्सा इतना बढ़ गया कि देश में हैशटैग बहिष्कारमालदीव ट्रेंड करने लगा। लोग मालदीव का जमकर विरोध करने लगे। लोगों का कहना है कि पीएम मोदी के लक्षद्वीप दौरे से मालदीव के टूरिज्म को तगड़ा झटका जरूर लगने वाला है। दूसरी तरफ नेटीजन्स भारत के टूरिज्म सेक्टर को सपोर्ट करने लगे।

प्रधानमंत्री मोदी पर मालदीव के दो मंत्रियों की टिप्पणी का भारत में जबरदस्त विरोध हुआ। इसके बाद मालदीव सरकार ने बयान जारी किया और विवाद शांत करने की कोशिश की। बयान में कहा गया, सोशल मीडिया पर विदेशी नेताओं और अहम लोगों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियों पर मालदीव सरकार की नजर है। यह कमेंट्स पर्सनल हैं और मालदीव सरकार का नजरिया नहीं हैं।

इसी बयान में आगे कहा गया, हमारी सरकार मानती है कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का हक है, लेकिन यह राय जिम्मेदारी से देनी चाहिए।

यही वजह है ...

इसमें उन्होंने लिखा कि हमारी मांग मानने के बजाय आयोग ने हमें चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मौजूद एफएक्यू के जवाब पढ़ने की सलाह दी। जब हमने कहा कि हमारे सवालों के जवाब इन एफएक्यू से नहीं मिल रहे हैं तो आयोग ने हमारे सवालों को ही गलत बता दिया है। इससे साफ पता चलता है कि हम क्यों ईवीएम और वीवीपैट पर दर्शकों के सामने चर्चा मांग कर रहे हैं। राजनीतिक पार्टियों के साथ ही ईवीएम और वीवीपैट को लेकर चर्चा ना करना बेहद चिंताजनक बात है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ईशान किशन ने अपने ही पैर पर मारी कुल्हाड़ी!

एक गलती के कारण हुए टीम से बाहर

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम के स्क्वाड का ऐलान हो गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ इस सीरीज का ऐलान 11 जनवरी को होने वाला है। इसके बाद दूसरा मुकाबला 14 जनवरी को होगा, जबकि तीसरा मुकाबला 17 जनवरी को खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वाड काफी चौंकाने वाला है। किसी ने सोचा नहीं होगा कि ऐसे-ऐसे खिलाड़ियों को भी इस सीरीज से बाहर किया जाएगा। यह सीरीज इसलिए भी अहम है, क्योंकि टी20 विश्व कप से पहले यह आखिरी टी20 सीरीज है। इस सीरीज के आधार पर ही टी20 विश्व कप के लिए भी टीम का चयन किया जाएगा। इस सीरीज में विस्फोटक बल्लेबाज ईशान किशन को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

ईशान किशन से क्या गलती हुई

विस्फोटक बल्लेबाज ईशान किशन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह टी20 के स्टार खिलाड़ी हैं, बावजूद इसके उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि ईशान को क्यों मौका नहीं दिया गया है। बता दें कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के से पहले ईशान किशन ने खुद ही अपना नाम स्क्वाड से वापस ले लिया था। ईशान ने कहा कि वह लंबे समय से टीम के साथ हैं, उन्हें अब कुछ दिनों तक रिलैक्स करने की जरूरत है। मानसिक तौर पर भी वह कमजोर हो गए हैं, इस कारण से वह आराम चाहते हैं, बीसीसीआई ने ईशान की मांग को स्वीकार किया और उन्हें आराम दे दिया। अब ऐसा लगता है कि ईशान की यह चाल उसी पर भारी पड़ गई है।

ईशान ने अपने ही पैर पर मारी कुल्हाड़ी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बाद ईशान को उम्मीद थी कि वह अफगानिस्तान के खिलाफ वापसी करेंगे, लेकिन स्क्वाड में उन्हें शामिल नहीं किया गया है। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि टी20 विश्व कप में भी ईशान किशन को मौका नहीं दिया जाएगा। जो टीम अभी अफगानिस्तान के खिलाफ खेल रही है, इसकी बहुत अधिक संभावना है कि इन्हीं खिलाड़ियों में से अधिकांश को टी20 विश्व कप खेलने का मौका मिलेगा। ऐसे में कहा जा रहा है कि ईशान किशन ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारत 3 ही टी-20 मैच खेलेगा। तीनों मुकाबले अफगानिस्तान से होंगे। इसके बाद भारत इंग्लैंड से 5 टेस्ट खेलेगा और फिर IPL शुरू हो जाएगा। आईपीएल के मई के तीसरे सप्ताह तक चलने की संभावना है।

टूर्नामेंट के ठीक बाद एक जून से ही वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप भी शुरू हो जाएगा। इसका शेड्यूल आईसीसी ने शुक्रवार, 5 जनवरी को ही जारी किया।

आीपीएल 2024 से पहले गरजा पंजाब किंग्स के खिलाड़ी का बल्ला

रणजी ट्रॉफी में ठोक दिया तूफानी शतक

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के दिन ज्यों-ज्यों नजदीक आ रहे हैं, त्यों-त्यों खिलाड़ियों का रौद्र रूप भी बढ़ता जा रहा है। अब पंजाब किंग्स के 23 वर्षीय बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने अपना जलवा दिखाया है। रणजी ट्रॉफी का एक मुकाबला पांच जनवरी से पंजाब और कर्नाटक के बीच हुबली में खेला जा रहा है। इस मुकाबले की पहली पारी में फ्लॉप होने वाले पंजाब के सलामी प्रभसिमरन सिंह ने दूसरी पारी में आतिशी बल्लेबाजी की है। उन्होंने अपनी टीम के लिए कर्नाटक के खिलाफ पारी का आगाज करते हुए 146 गेंदों का सामना किया। इस बीच देखते ही देखते 68.49 की स्ट्राइक रेट से 100 रन ठोक दिए।

प्रभसिमरन सिंह ने अपनी इस उम्दा पारी के दौरान कुल 17 चौके लगाए। यानी इस बेहतरीन पारी में उन्होंने 68 रन केवल चौकों से बनाए। प्रभसिमरन मौजूदा समय में जरूर अपने राज्य पंजाब के लिए शिरकत कर रह हैं, लेकिन उनकी इस उम्दा बल्लेबाजी को देख उनकी आईपीएल टीम पंजाब किंग्स काफी खुश हो रही होगी। लीग में वह फ्रेंचाइजी के लिए पारी की शुरुआत करते हैं।

अभिषेक शर्मा शतक से चूके

पंजाब बनाम कर्नाटक मुकाबले में जहां प्रभसिमरन सिंह शतक लगाने में कामयाब हुए हैं। वहीं अभिषेक शर्मा का भी उम्दा खेल देखने को मिला है, लेकिन वह महज नौ रन से सैकड़ा बनाने से चूक गए। उन्होंने प्रभसिमरन के साथ पारी का आगाज करते हुए 123 गेंदों का सामना किया। इस बीच नौ चौके एवं तीन छक्के की मदद से 91 रन बनाकर रविकुमार समर्थ की गेंद पर बोल्ड हुए। आईपीएल में अभिषेक सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के लिए शिरकत करते हैं

रियान पराग का रायपुर में विस्फोट

87 गेंद में कूट दिए 155 रन, छक्के-चौकों की हुई बौछार

रायपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी का एक मुकाबला पांच जनवरी से छत्तीसगढ़ और असम के बीच रायपुर में खेला जा रहा हैमुकाबले की पहली पारी में तो असम के कप्तान रियान पराग का बल्ला खामोश रहा, लेकिन दूसरी पारी में उम्दा बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने सबको अपना दीवाना बना दिया है।

22 वर्षीय पराग असम के लिए दूसरी पारी में चौथे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। इस बीच उन्होंने महज 87 गेंदों का सामना करते हुए 178.16 की स्ट्राइक रेट से 155 रन की उम्दा शतकीय पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके एवं 12 बेहतरीन छक्के निकले। मैच के दौरान उन्होंने केवल छक्के चौके की मदद से 116 रन बनाए।

पराग राजस्थान रॉयल्स के लिए करते हैं शिकरत

युवा रियान पराग आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की टीम के लिए शिरकत करते हैं। देश की प्रतिष्ठित लीग में उन्होंने अबतक कुल 54 मैच खेले हैं। इस बीच उनके बल्ले से 44 पारियों में 16.22 की औसत से 600 रन निकले हैं। आईपीएल में उनके नाम दो अर्धशतक दर्ज है। वहीं गेंदबाजी के दौरान उन्हें 19 पारियों में 70.0 की औसत से चार सफलता हाथ लगी है।

पराग की शतकीय पारी हुई बेकार

रियान पराग की इस उम्दा पारी के बावजूद असम की टीम को छत्तीसगढ़ के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा है। रायपुर में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छत्तीसगढ़ की टीम 327 रन बनाने में कामयाब हुई थी। वहीं अपनी पहली पारी में असम की टीम महज 159 रन पर ढेर हो गई।

असम के सस्ते में निपटने के बाद छत्तीसगढ़ ने उन्हें फॉलोऑन खेलने के लिए आमंत्रित किया। फॉलोऑन खेलते वक्त पराग प्रचंड लय में नजर आए। इसके बावजूद पूरी टीम 254 रन पर ढेर हो गई। 86 रन के मिले लक्ष्य को छत्तीसगढ़ की टीम ने बिना किसी नुकसान के आसानी से प्राप्त कर लिया। इस प्रकार इस मुकाबले में छत्तीसगढ़ की टीम को 10 विकेट से बड़ी जीत मिली।

मोहम्मद शमी ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर!

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भारतीय टीम की टेंशन बढ़ा दी है। शमी विश्व कप के बाद से ही चोट से जूझ रहे हैं और अभी तक इससे उबर नहीं पाए हैं। पहले तो अनुमान लगाया जा रहा था शमी साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले फिट हो जाएंगे, लेकिन बाद में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। इस कारण से भारतीय टीम को इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ा था। भारत को पहले मुकाबले में करारी शिकस्त खानी पड़ी थी। अब भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले भारत के लिए एक बार फिर से बैड न्यूज आई है।

शमी की हेल्थ पर अपडेट

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी तक फिट नहीं हो पाए हैं। इसका खामियाजा भारतीय टीम को भुगतना पड़ रहा है। मोहम्मद शमी का अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलना भी मुश्किल लग रहा है। शमी की चोट पर बड़ा अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि मोहम्मद शमी इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती 2 मुकाबले से बाहर रहने वाले हैं। वह तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम के हिस्सा हो सकते हैं। हालांकि इस पर भी सस्पेंस बना हुआ है। क्यों कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज को लेकर भी बताया जा रहा था कि शमी मुकाबले खेलेंगे, लेकिन बाद में उन्हें बाहर करना पड़ा था।

कई खिलाड़ी हैं चोटिल

चोट ने भारतीय खिलाड़ियों को परेशान कर दिया है। भारत के कई स्टार खिलाड़ी हैं, जो चोट से जूझ रहे हैं। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी चोट से परेशान हैं। इसके कारण से उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। अब बताया जा रहा है कि वह आईपीएल के शुरुआती कुछ मुकाबले मिस कर सकते हैं। इसके अलावा हार्दिक पांड्या भी विश्व कप के दौरान ही चोटिल हो गए थे और अभी तक इससे नहीं उबर पाए हैं। रुतुराज गायकवाड़ भी चोटिल होकर टीम से बाहर हो गए हैं।

शाकिब अल हसन सांसद बने

बांग्लादेश संसदीय चुनाव में मगुरा के पश्चिम शहर से डेढ़ लाख वोटों से चुनाव जीता

इस्लामाबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान शाकिब अल हसन बांग्लादेश के संसदीय चुनाव में जीत हासिल की है। शाकिब ने बांग्लादेश की मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से मगुरा के पश्चिम शहर से चुनावी मैदान में थे। उन्होंने करीब डेढ़ लाख वोटो से जीत मिली है।

फैंस को थप्पड़ मारने का वीडियो भी हुआ वायरल

चुनाव के दौरान फैंस को थप्पड़ मारने का भी वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि इलेक्शन कैंपेन के दौरान वह काफी लोगों से घिरे हुए हैं. इसी दौरान एक शख्स उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करता है, तभी शाकिब उसे थप्पड़ मारते हुए एक साइड कर देते हैं। बांग्लादेश के एक स्थानीय चैनल के अनुसार यह वीडियो 3 जनवरी का है, जब शाकिब प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिलने के लिए अवामी लीग पार्टी की फरीदपुर में हुई रैली में भी भाग लेने गए थे।

वर्ल्ड कप में नहीं कर पाए थे बेहतर प्रदर्शन

शाकिब ने आखिरी बार वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान श्रीलंका के खिलाफ खेला था। उनकी कप्तानी में बांग्लादेश पॉइंट टेबल में आठवे स्थान पर थी और ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। शाकिब ने 7 मैचों में 186 रन बनाने के साथ ही 7 विकेट लिए थे। इस दौरान केवल एक अर्धशतक बनाया था।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम में मोहम्मद रिजवान का प्रमोशन

अब खेलने के साथ-साथ निभाएंगे ये जिम्मेदारी

इस्लामाबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान का प्रमोशन किया गया है. रिजवान अब टीम के नए उप-कप्तान बना दिए गए हैं. ये जिम्मेदारी उन्हें T20 के लिए मिली है, जिसे वो न्यूजीलैंड दौरे पर निभाते दिखेंगे. सीधी भाषा में कहें तो रिजवान पाकिस्तान की टी20 टीम के नए उप-कप्तान हैं. जबकि इस टीम की कप्तानी की बागडोर शाहीन शाह अफरीदी को पहले ही सौंपी जा चुकी है.

बता दें कि वर्ल्ड कप 2023 में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान की टीम में काफी फेरबदल देखने को मिले थे. तभी एक बदलाव टी20 के नए कप्तान को लेकर भी किया गया था. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी20 टीम की कप्तानी उसी दौरान शाहीन अफरीदी को सौंपी थी. लेकिन, तब टी20 टीम के उप-कप्तान के नाम की घोषणा नहीं हुई थी.

पाकिस्तान को मिला टी20 का नया उप-कप्तान

अब जब न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के इरादे से पाकिस्तान की टीम ऑकलैंड पहुंच चुकी है, तो उसका पहला मैच शुरू होने से पहले पीसीबी ने वाइस कैप्टन के तौर पर मोहम्मद रिजवान के नाम पर मुहर लगा दी है.

न्यूजीलैंड दौरे पर खेली जाने वाली सीरीज पाकिस्तान की इस साल की पहली टी20 सीरीज है. इसे पहले पाकिस्तान टीम की उप-कप्तानी की बागडोर शादाब खान के हाथ में थी. ऐसे में आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान की टी20 टीम में शादाब खान की जगह अब मोहम्मद रिजवान ने ली है.

12 से 21 जनवरी तक न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज

पाकिस्तान को न्यूजीलैंड में 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है, जो कि 12 जनवरी से शुरू होकर 21 जनवरी तक चलेगी. ये मुकाबले ऑकलैंड, क्राइस्टचर्च, हैमिल्टन और ड्यनेडिन में खेले जाएंगे. इस सीरीज के आखिरी 2 मुकाबले क्राइस्टचर्च में होंगे, जबकि उससे पहले के 3 मुकाबले अलग-अलग शहरों में होंगे.

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टी20 टीम

शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (उप-कप्तान), अब्बास अफरीदी, आजम खान, आमिर जमाल, बाबर आजम, फखर जमां. हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहिबजादा फरहान, उसामा मीर, सायम अयूब, जमान खान

ब्राजील के महान फुटबॉलर मारियो जागालो का निधन

टीम को जिताया था विश्व कप

खेल डेस्क, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ब्राजील की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में दो तथा कोच और सहायक कोच के रूप में एक-एक विश्व कप खिताब जीतने वाले फुटबालर मारियो जगालो का निधन हो गया है। वह 92 वर्ष के थे। जगालो पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने एक खिलाड़ी और कोच के रूप में विश्वकप जीता था। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स ने शनिवार तड़के बयान जारी करके जगालो के निधन की पुष्टि की। उन्होंने जगालो को फुटबॉल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक करार दिया।

ब्राजील ने 1958 और 1962 में जब विश्वकप खिताब जीते थे तब जगालो उसके स्ट्राइकर थे। इसके बाद 1970 में जब ब्राज़ील ने फाइनल में इटली को 4-1 से हराकर अपना तीसरा विश्वकप खिताब जीता था तब जगालो उसके कोच थे। जगालो 1994 के विश्वकप में ब्राजील की टीम के सहायक कोच थे। ब्राजील ने तब फाइनल में इटली को हराकर खिताब जीता था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेलेंगे राफेल नडाल

खेल डेस्क, 8 जनवरी (एजेंसियां)। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल चोट के कारण साल 2024 के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगे। करीब एक साल बाद नडाल टेनिस कोर्ट पर वापसी करने के एक सप्ताह बाद फिर चोटिल हो गए हैं।

2 बार के चैंपियन नडाल ने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया वे चोट से उबरने के लिए स्पेन लौट चुके हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के मौजूदा सीजन की शुरुआत 14 जनवरी से हो रही है। इसका फाइनल 28 जनवरी को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में करीब 200 खिलाड़ी (मेंस और विमेंस) हिस्सा लेंगे। नडाल ने ट्वीट किया, सभी को हेलो, ब्रिस्बेन में मेरे आखिरी मैच के दौरान मेरी मांसपेशियों में एक छोटी-सी समस्या थी, जैसा कि आप जानते हैं कि मैं चिंतित था। एक बार जब मैं मेलबर्न पहुंचा, तो मुझे एमआरआई कराने का मौका मिला और मेरी मांसपेशियों में माइक्रो टियर है, उस हिस्से में नहीं, जहां मुझे चोट लगी थी और यह अच्छी खबर है।

दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

खेल डेस्क, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका की टीम को बड़ा झटका लगा है। सीमित ओवरों के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। क्लासेन का हालांकि टेस्ट करियर कुछ ज्यादा लंबा नहीं रहा। वह प्रोटियाज के लिए महज चार टेस्ट मुकाबले खेलने में कामयाब रहे। इस दौरान उनके बल्ले से आठ पारियों में 13.0 की औसत से 104 रन निकले। टेस्ट क्रिकेट में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 35 रन का रहा।

क्लासेन ने जरूर रेड बॉल क्रिकेट को अलविदा कहा है, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए वाइट बॉल क्रिकेट में शिरकत करना जारी रखेंगे। 32 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। तब से वह दोबारा अफ्रीकी टीम में वापसी के लिए संघर्ष कर रहे थे। प्रोटियाज टीम के लिए वह नए साल में अनुभवी बल्लेबाज डीन एल्गर के बाद टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास लेने दूसरे बल्लेबाज हैं।

सीएम रेवंत ने बीमार औद्योगिक इकाइयों के पुनरुद्धार का वादा किया

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बताया है कि राज्य सरकार स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से तेलंगाना में बीमार औद्योगिक इकाइयों के पुनरुद्धार के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां सचिवालय में मेसर्स बल्लापुर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीआईएलटी) की कमलापुरम पल्प मिल के पुनरुद्धार की स्थिति पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नई सरकार ने आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय रोजगार प्रदान करने के लिए मुलुगु जिले में बिल्ट मिल जैसी बीमार औद्योगिक इकाइयों के पुनरुद्धार को प्राथमिकता दी है। इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने फिनक्रेस्ट फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के एमडी हार्दिक पटेल के साथ बैठक की, जिसने एनसीएलएटी के आदेश के बाद राज्य में बीआईएलटी संपत्ति सुरक्षित कर ली है और संभावित निवेशकों को इसका निपटान करने की प्रक्रिया मे मुख्यमंत्री ने कारखाने के पुनरुद्धार की सुविधा के लिए सरकार की तीव्र इच्छा व्यक्त की और फिनक्रेस्ट टीम से इस प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया। उन्होंने आईटीसी, पीएसपीडी (पेपरबोर्ड और स्पेशलिटी पेपर्स डिवीजन) के सीईओ वदिराज कुलकर्णी के साथ तेलंगाना में चल रही परियोजनाओं और भविष्य की विस्तार योजनाओं पर भी चर्चा की। आईटीसी बीआईएलटी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए फिनक्रेस्ट के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कमलापुरम में बिल्ट फैक्ट्री के सफल पुनरुद्धार के लिए आईटीसी को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। बैठकों में मंत्री सीताक्का और कोंडा सुरेखा, मुख्य सचिव शांति कुमारी, प्रधान सचिव उद्योग, विशेष सचिव, उद्योग, सीएमओ अधिकारी, कलेक्टर, मुलुगु भी उपस्थित रहे। मुलुगु जिले में कमलापुरम मिल विस्कोस स्टेपल फाइबर (वीएसएफ) उद्योग के लिए रेयॉन ग्रेड पल्प बनाने वाली एक समर्पित पल्प मिल है। इकाई ने सितंबर 1981 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया। मेसर्स बल्लापुर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीआईएलटी) द्वारा संचालित, इकाई बीमार हो गई और 2014 में बंद हो गई। इकाई के बंद होने से इस कारखाने पर निर्भर %50 श्रमिक परिवारों और 100 अप्रत्यक्ष परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई है। पिछली सरकार द्वारा 2015 और 2018 में प्रोत्साहन बढ़ाकर बंद इकाई को पुनर्जीवित करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। मामला एनसीएलएटी को भेजा गया जिसने 2020 में फिनक्रेस्ट फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को अंतरिम रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल के रूप में नियुक्त किया।

इब्राहिमपट्टनम में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम में एक कार और बाइक की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। पीड़ित याचारम के एस शिव कुमार (31) और चिंतापाल के एसके रहीम (45) थे। दुर्घटना रविवार रात करीब 10 बजे हुई, जब दोनों मोटरसाइकिल पर याचरम जा रहे थे, तभी सागर रोड इब्राहिमपटनम पर जेबी वेंचर के पास एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी।

शिव कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रहीम को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कहा उसे मृत घोषित कर दिया। इब्राहिमपटनम के उप निरीक्षक के मधु ने कहा, दिलसुखनगर निवासी कार चालक मोहम्मद जुनैद लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिससे यह घटना हुई। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। जुनैद को अस्पताल में भर्ती कराया गया क्योंकि दुर्घटना में उसे भी चोटें आई थीं।

जनसुनवाई का एक सप्ताह में निपटारा करें : विजयलक्ष्मी

महापौर ने जनसुनवाई की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को जनता से प्राप्त शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर हल करने का निर्देश दिया। सोमवार को महापौर एलबी नगर जोनल कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जनता से शिकायतें मिलीं। महापौर ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान के लिए सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है और ग्रेटर में सर्किल और जोनल स्तर पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए आज से इसकी शुरुआत कर दी गई है, इसी प्रकार जनसमुदाय पर भी सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम का आयोजन 22 जनवरी को मुख्यालय किया जाएगा। इस अवसर पर जब विभिन्न मुद्दों पर अनुरोध प्राप्त हुए तो उनमें से अधिकांश नगर नियोजन विभाग से संबंधित मुद्दे थे। सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम की समाप्ति के तुरंत बाद, इस अवसर पर प्राप्त अनुरोधों की समीक्षा डीसी द्वारा टाउन प्लानिंग स्वच्छता अधिकारियों के साथ की गई। इस अवसर पर महापौर ने अधिकारियों को मैदानी स्तर पर प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। टाउन प्लानिंग में अवैध निर्माण होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। स्वच्छता पर प्राप्त शिकायतों पर डीसी को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। महापौर ने स्लम एरिया में मच्छरों की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने का आदेश दिया। सरकारी संपत्ति पर कब्जा होने पर मेयर ने अधिकारियों को तुरंत जवाब देने और उचित कार्रवाई करने का आदेश दिया। पशु चिकित्सा अधिकारियों को यह जांच करने का आदेश दिया गया कि कुत्तों के काटने और काटने से बचाव के लिए कुत्तों का बंध्याकरण ठीक से किया जा रहा है या नहीं। पशु चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि इस मामले पर हर माह जोनल स्तर पर कमेटी की बैठक होगी। इस मौके पर मेयर ने प्रत्येक आवेदन की गहनता से जांच की और समाधान के लिए संबंधित अधिकारी को सौंप दिया। जोनल कमिश्नर पंकजा को प्रत्येक आवेदन पर की गई कार्रवाई की लिखित रिपोर्ट आवेदक को भेजने और शनिवार तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया।

इस मौके पर कई पार्षदों ने अपने वार्ड की समस्याएं मेयर को सुनायीं। राधा, वेंकटेश्वर रेड्डी और पवन कुमार ने महापैर को वार्ड में विकास और अन्य समस्याओं के बारे में बताया और कहा कि तुरंत कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने पार्षदों द्वारा बतायी गयी विभिन्न समस्याओं का तत्काल समाधान करने का निर्देश अधिकारियों को दिया इस कार्यक्रम में जोनल कमिश्नर पंकजा, मेंटेनेंस एसई अशोक रेड्डी, डीसी, टाउन प्लानिंग, एंटोमोलॉजी, पशु चिकित्सा और स्वच्छता विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

किशन ने चुनाव के लिए लोकसभा के राजनीतिक प्रभारियों की घोषणा की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सांसद, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आगामी संसद चुनावों के लिए लोकसभा राजनीतिक प्रभारी नियुक्त किया है।

इनमें आदिलाबाद - पायल शंकर, विधायक; पेद्दापल्ली - रामाराव पवार, विधायक; करीमनगर - धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता, विधायक 'निज़ामाबाद - अलेटी महेश्वर रेड्डी, विधायक' ज़हीराबाद - के वेंकट रमण रेड्डी, विधायक; मेदक - डॉ पलवई हरीश बाबू, विधायक; मल्काजगिरि - पैदी राकेश रेड्डी, विधायक; सिकंदराबाद - डॉ. के. लक्ष्मण, सांसद; हैदराबाद - टी राजा सिंह, विधायक; चेवेल्ला - ए. वेंकट नारायण रेड्डी, एमएलसी; महबूबनगर - एन रामचंदर राव, पूर्व एमएलसी; नगर कुनूर्ल - मरम रंगा रेड्डी, पूर्व एमएलसी; नलगोंडा - चिंतला रामचन्द्र रेड्डी, पूर्व विधायक; भोंनगिर - एनवीएसएस प्रभाकर, पूर्व विधायक; वारंगल - मैरी शशिधर रेड्डी, पूर्व मंत्री; महबुबाबाद - गरिकापति मोहन राव, पूर्व सांसद और खम्मम - पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, पूर्व एमएलसी शामिल है।

ईएनसी को पद से हटाया जाना चाहिए : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी ने मांग की है कि इंजीनियर-इन-चीफ (ईएनसी) सी मुरलीधर राव को कर्तव्यों से हटा दिया जाना चाहिए और राज्य सरकार को उन पर निर्भर रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। सोमवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए, जीवन रेड्डी ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान, तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ-साथ इंजीनियरिंग अधिकारियों को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) योजना की विफलता के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। राज्य सरकार को सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारियों पर निर्भर रहने की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा दोनों कालेश्वरम परियोजना की अनियमितताओं की न्यायिक जांच में बाधा डालने के लिए एकजुट हो रहे हैं और कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।जीवन रेड्डी ने कहा, "राज्य सरकार सीबीआई जांच के बजाय न्यायिक जांच को प्राथमिकता देती है और वह पारदर्शी तरीके से जांच करने की योजना बना रही है। साथ ही, ईएनसी मुरलीधर राव को तुरंत कर्तव्यों से हटा दिया जाना चाहिए। कांग्रेस एमएलसी ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान मिशन काकतीय, कालेश्वरम और यदाद्री पावर ✎ांट जैसी परियोजनाओं में एक लाख करोड़ से अधिक का भ्रष्टाचार हुआ था और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

निरंजन ने केटीआर की टिप्पणियों का मजाक उड़ाया

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा, तेलंगाना के लोग बीआरएस पार्टी और केसीआर परिवार के शासन से परेशान थे, लेकिन यह विडंबनापूर्ण है कि केटीआर की टिप्पणी अगर वे मौजूदा बीआरएस उम्मीदवारों को बदल देते तो बेहतर होता। आज गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस की समीक्षा बैठकों में सबसे पहले बीआरएस की हार के लिए केसीआर, केटीआर, हरीश राव और कविता की भूमिकाओं की समीक्षा की जानी चाहिए। केसीआर की निरंकुशता, केटीआर का अहंकार, जिद, हरीश राव की ढीली बातें और कविता के भ्रष्टाचार ने मिलकर बीआरएस को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले खुद का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और अपनी हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बीआरएस ने ही तेलंगाना का नाम उसके मूल नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से हटा दिया। यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे राज्य में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राज्य इकाई को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी" कहा जाता है। लेकिन बीआरएस में तेलंगाना का नाम कहां है, उन्होंने पूछा। सीएम ने दो दिन पहले एक अखबार को दिए इंटरव्यू में जिलों का गठन ठीक से नहीं होने का जिक्र करते हुए कहा था कि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया जाएगा और आयोग बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के वैज्ञानिक तरीके से इसकी समीक्षा करेगा। मुख्यमंत्री ने जहां भी मौजूदा जिलों को खत्म करने की बात कही है, वहां बीआरएस का यह प्रचार करना सही नहीं है कि मौजूदा जिलों को खत्म किया जा रहा है।

CHANGE OF NAME

I, **BADIREDDI SRIDEVI** is legally wedded spouse of No-7242281N, Rank DFR, Name BADIREDDI RAMESH presently residing at KALAGADA Village, PO: KALAGADA, Tehsil: JAMI. District: VIZIANAGARAM, State: ANDHRA PRADESH, INDIA, do hereby solemnly affirm and state on oath as follows: That, I have changed my name from **B. SHRI DEVI** to **BADIREDDI SRIDEVI** due to enonuesly entered in my husbands service records (reasons for change.) **That my date of birth is 30 Aug 1989** (In words: Three Zero August One Nine Eight Nine).

अयोध्या में भक्तों के लिए भोजन तैयार करने की सभी सामग्री भेजी गई

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिन्दू परिषद (वीएचपी) की एक शाखा, श्रीराम प्रसादम, अयोध्या धाम में 45 दिनों के लिए भोजन की तैयारी के लिए आवश्यक सभी सामग्री तैयार कर रही है, जिसे यहां श्री कनकदुर्गा माता और श्री नागलक्ष्मी माता मंदिर, बशीरबाग से भेजा गया था। आज यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, श्री राम प्रसादम समिति के सदस्य, राम राजू ने कहा कि समिति को श्री रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अयोध्या में दैनिक भोजन वितरित करने के लिए आवंटित किया गया था। वितरण 14 जनवरी से 28 फरवरी तक लगभग 45 दिनों तक चलेगा और यह कार्यक्रम दैनिक आधार पर आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रतिदिन अयोध्या आने वाले लगभग 5000 भक्तों को भोजन दिया जाएगा। भाग्यनगर से लगभग 150 विहिप और बजरंगदल कार्यकर्ता इस उद्देश्य के लिए स्वयंसेवक के रूप में अयोध्या जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 35 रसोइया भी भोजन पकाएंगे और परोसेंगे। अयोध्या में भोजन वितरण श्री रामास्वामी मंदिर, गोलाघाट रोड, अयोध्या में होगा। इस अवसर पर बंद्री रमेश, गौतम, गौरा श्रीनिवास, नंगनुरू चंद्रशेखर, वी. विद्यासागर, ओम प्रकाश, सुरेंद्र रेड्डी, रमेश गिल्ली दानकर्ता हैं और अन्य आयोजक उपस्थित थे।

लगड़पति ने पूर्व सांसद हर्ष कुमार से मुलाकात की

राजमंड्री, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक गलियारों में दिलचस्प घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं। विजयवाड़ा के पूर्व सांसद लगडापति राजगोपाल को सोमवार को पूर्वी गोदावरी जिले के राजमुंदरी में देखा गया। वह अमलापुरम के पूर्व सांसद जीवी हर्ष कुमार के घर गए और उनसे मुलाकात की। पता चला है कि दोनों ने वाईएस शर्मिला के कांग्रेस पार्टी में प्रवेश के मद्देनजर नवीनतम राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। 2004 और 2009 में, हर्ष कुमार ने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर अमलापुरम लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया। राज्य में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर लगदपति की हर्ष कुमार से मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस नेता उनके संयोजन से खुश हैं। इस बीच, संयुक्त आंध्र प्रदेश से तेलंगाना के अलग होने के बाद लगदपति राजगोपाल ने खुद को राजनीति से दूर कर लिया है। इसके बाद से वह सक्रिय राजनीति से दूर रहे। इन दस सालों में वह मीडिया में बहुत कम नजर आये हैं। लगदापति की उपस्थिति इस प्रचार के मद्देनजर चर्चा का विषय बन गई है कि वाईएस शर्मिला के शामिल होने से एपी कांग्रेस पार्टी में उत्साह बढ़ गया है। अटकलें लगाई जा रही थीं कि उनके सक्रिय राजनीति में लौटने की संभावना है। हालांकि लगदपति राजगोपाल ने साफ कर दिया है कि वह दोबारा राजनीति में नहीं आ रहे हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, लगदपति राजगोपाल ने कहा कि एक शुभ समारोह के लिए काकीनाडा जाते समय उन्होंने हर्ष कुमार से विनम्रतापूर्वक मुलाकात की। हमने लोगों की खातिर अपने भविष्य पर विचार किए बिना कांग्रेस पार्टी छोड़ दी है। हम आंध्र प्रदेश को विभाजित करने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा लिए गए फैसलों से पूरी तरह असहमत हैं। राजनीति में वापस आने का कोई सवाल ही नहीं है।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को उच्च प्राथमिकता दें : अरुण जैन

जीएम ने रेल परिचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को उच्च प्राथमिकता दी जानी है। उन्होंने जोन में असामान्य स्थितियों की घटनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि प्रत्येक समस्या की अलग से जांच की जानी चाहिए और विशेष स्थिति के परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए छोटी-छोटी समस्याओं का भी तुरंत समाधान करना होगा। उन्होंने स्टेशनों, क्रू बुकिंग लॉबी और जहां भी आवश्यक हो, सुरक्षा निर्देशों और नवीनतम दिशानिर्देशों को अद्यतन करने की स्थिति की भी समीक्षा की। महाप्रबंधक ने स्टेशन पुनर्विकास कार्यों और ज़ोन में चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि प्रत्येक कार्यस्थल पर यात्रियों को असुविधा न होने देते हुए उचित सावधानी बरतनी होगी। उन्होंने अधिकारियों को दैनिक आधार पर कार्यों की प्रगति की निगरानी करने की सलाह दी ताकि कार्य लक्षित समय में पूरे हो सकें। उन्होंने अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण करने और ट्रेन संचालन के काम में शामिल कर्मचारियों की काउंसलिंग करने पर भी जोर दिया।

मेडएसआरटी कार्यक्रम में 30 युवा डॉक्टर जीवन विज्ञान अनुसंधान में समृद्ध हुए

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर से कुल 30 युवा डॉक्टरों ने दो सप्ताह के मेडिकल स्टूडेंट्स रिसर्च ट्रेनिंग (मेडएसआरटी) कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड में किए जा रहे अत्याधुनिक जीवन विज्ञान अनुसंधान से चिकित्सकों को परिचित कराना है। आण्विक जीवविज्ञान (सीसीएमबी) का कार्यक्रम विशेष रूप से मेडिकल छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिन्हें व्याख्यान और व्यावहारिक प्रयोगों की एक श्रृंखला के माध्यम से अनुसंधान पद्धतियों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, युवा डॉक्टरों को वैज्ञानिक नैतिकता, अच्छी प्रयोगशाला प्रथाओं, जैव-सुरक्षा और सीसीएमबी और इसके अनुबंधों में विभिन्न अनुसंधान सुविधाओं पर काम करने के प्रत्यक्ष अनुभव जैसी अवधारणाओं से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद भाग लेने वाले डॉक्टरों को सीसीएमबी से प्रमाण पत्र भी प्राप्त हुआ। सीसीएमबी के अनुसार, जीवन विज्ञान से संबंधित विभिन्न उपकरणों की जानकारी चिकित्सकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे चिकित्सा में तेजी से आम होते जा रहे हैं। सीसीएमबी की मेडएसआरटी पहल की चयन प्रक्रिया युवा डॉक्टरों के लिए मुफ्त में पेश की गई थी।

टीडीपी नेता केसिनेनी श्वेता ने पार्टी और पार्षद पद से इस्तीफा दिया

विजयवाड़ा, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी नेता केसिनेनी श्वेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने पार्षद पद और टीडीपी को अलविदा कह दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा विजयवाड़ा की मेयर भाग्यलक्ष्मी को सौंपा। उन्होंने महापौर से अनुरोध किया कि वे उनका पार्षद सदस्यता त्यागपत्र परिषद में रखें और उसे स्वीकार करें। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केसिनेनी श्वेता ने कहा, मैंने विजयवाड़ा के ग्यारहवें डिवीजन के नगरसेवक पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा स्वीकार होने के बाद मैं टीडीपी से भी इस्तीफा दे दूंगी। हम कभी टीडीपी नहीं छोड़ना चाहते थे। जब टीडीपी हमें नहीं चाहती तो हमारा पार्टी में बने रहना ठीक नहीं है.'' श्वेता ने कहा कि केसिनेनी नानी पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करेंगे और भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे वहां काम नहीं कर सकते जहां सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा कि वह और केसिनेनी नानी राज्य के लोगों की ओर से लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि केसिनेनी नानी को पिछले एक साल से टीडीपी में अपमान का सामना करना पड़ रहा है। हम इस भ्रम में हैं कि टीडीपी आलाकमान को अब तक कृष्णा जिले में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी नहीं थी। नगर निगम चुनाव के दौरान विजयवाड़ा में तीन नेताओं ने हमें परेशान किया। हमलोग बाहर जा रहे हैं। जो लोग पार्टी से हमारे साथ आएंगे वे निश्चित रूप से हमारे साथ खड़े होंगे।' लोकेश ने पूछा कि तिरुवरूर सभा और केसिनेनी नानी के बीच क्या संबंध है। यह उनकी बुद्धिमत्ता का प्रमाण है,'' उन्होंने कहा, केसिनेनी नानी तीसरी बार विजयवाड़ा संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले केसिनेनी श्वेता ने ट्विटर पर घोषणा की थी कि वह टीडीपी से इस्तीफा देने जा रही हैं। उनके इस्तीफों से टीडीपी को बड़ा झटका लगा है. इस्तीफों के बाद विजयवाड़ा में सियासत गरमा गई है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के बालानगर में एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पीड़ित के अखिल (23) पीछे की सीट पर बैठे सतीश अखिल के साथ बाइक चला रहा था, वह तेज गति से मोटरसाइकिल चला रहा था और आईडीपीएल चौराहे के पास एक डीसीएम से टकरा गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा व्यक्ति घायल होकर भाग निकला। बालानगर पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और अखिल का शव पुलिस को सौंप दिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.